फाल्गुन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - त्रयोदशी, संवत 2081 अंक-52 पृष्ठ : 8+4 जयपुर, 26 फरवरी - 4 मार्च, 2025 बुधवार वर्ष-10, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

राज्य बजट 2025-26

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

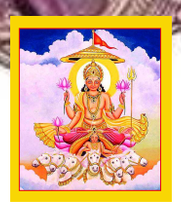

जागरूक जनता

प्राप्तियां 2,94,536,49,00,000

व्यय 3,25,545,90,00,000

राजस्व घाटा 31,00,941,00,000

राजस्थान का फार्मूला बजट: फ्री बिजली, गरीब परिवारों को पट्टा, सरकारी नौकरी, सामाजिक पेंशन में बढ़ोतरी

मिशन हरियालों

1 वर्ष में 10 करोड़ पौधे रोपेंगे। मौजूदा वर्ष में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में 7 करोड़ लगाए गए।

ग्रीन एनर्जी : सोलर दीदी

नया मानदेय कैडर बनेगा। स्वयं सहायता समूह की 25 हजार महिलाओं को इसकी ट्रेनिंग देंगे।

ग्रीन टैक डवलपमेंट

पर्यावरण संरक्षण पर नॉलेज बढ़ाने के लिए क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डवलपमेंट सेंटर बनाए जाएंगे।

ग्रीन फंडिंग

स्थानीय निकाय, निवेशकों को अब ट्रेडेबल क्रेडिट मिलेंगे। पर्यावरण के लिए 100 करोड़ का ग्रीन फंड मैनेजमेंट।

पेट्रोल और डीजल में कोई राहत नहीं मिली

बजट में पेट्रोल और डीजल पर वैट कम होने की भी उम्मीद थी। माना जा रहा था कि भजनलाल सरकार पेट्रोल और डीजल पर लग रहे वैट की दर को कम करने को लेकर कोई महत्वपूर्ण घोषणा कर सकती है, लेकि न ऐसा नही हुआ।

1.25 लाख
सरकारी नौकरी, 1.50 लाख प्राइवेट नौकरी

150 यूनिट
बिजली फ्री, 15 शहरों में रिंग रोड

किसान सम्मान
निधि अब 9 हजार रुपए

सीधा लाभ

- हर महीने 150 यूनिट बिजली फ्री
- गरीबों को आंखों की जांच व फ्री चश्मा
- दूसरे राज्यों में फ्री इलाज
- सामाजि क सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ा ना
- 20 लाख लखपति दीदी बनाना
- बालि काओं को 35 हजार स्कू टी बांटना
- अग्निवीरों के लिए आरक्षण देना

मतदाताओं को साधा...

- बुजुर्गों को ट्रेन-प्लेन से फ्री धार्मिक यात्रा करवाना
- 70 साल से अधिक के बुजुर्गों को घर पर फ्री दवा पहुंचाना
- पुजारियों का मानदेय बढ़ाना
- पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाना
- पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाना
- 30 लाख किसानों को 25000 करोड़ रुपये का लोन देना
- गोबर गैस प्लांट लगाने के लिए सब्सिडी देना।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन और राजस्थान की जनता से हमारे संकल्प पत्र में किए वादों के अनुसार बजट। यह पहली बार ही हुआ होगा, जब पिछले बजट की ऐसी क्रियान्विति हुई होगी। आज का बजट हमने युवा, महिला, कि सान और मजदूर को ध्यान में रखकर बनाया। प्रधानमंत्री मानते हैं कि चार जातियां ऐसी हैं, जिनके लिए काम करने पर देश-प्रदेश का विकास होगा।

-भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

राजस्थान सरकार का बजट पूरी तरह से "मोदी की गारंटी" पर भारी पड़ रहा है। भाजपा सरकार ने वि धानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादों को दरकिनार कर दिया। इस बजट से स्पष्ट होता है कि राजस्थान की जनता को के वल झूठे वादों के सहारे भ्रमित किया जा रहा है।

-अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री

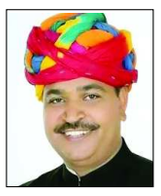

बजट पूरी तरह विफल और भ्रामक। इसमें आमजन के लिए कोई ठोस राहत नही। यह बजट के वल खोखली घोषणाओं और दिखावे की राजनीति पर आधारित है, जबकि हकीकत में राजस्थान की जनता को इससे कोई लाभ नहीं मिलेगा। सरकार अपने वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करे और जनता को वास्तविक राहत देने के लिए योजनाएं बनाए।

-टीकाराम जूली, नेता प्रति पक्ष

'दीया' का उजियारा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की वित्त मंत्री दिया कुमारी ने विधानसभा में भजनलाल सरकार का दूसरा पूर्ण बजट पेश किया। उनकी बजट स्पीच करीब 2 घंटे 18 मिनट की थी, जिसमें उन्होंने राजस्थान को 350 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थ व्यव स्था बनाने का ऐलान कि या। राइजि ंग राजस्थान के बाद यह पहला 'ग्रीन थीम बजट' था, जो रिन्यू एबल एनर्जी, रूरल डेवलपमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर केंद्रित था। इस बजट में महिला, किसानों, बुजुर्गों और युवाओं के लि ए कई बड़े ऐलान कि ए गए, साथ ही कई नई स्कीम/योजनाएं लागू करने का भी ऐलान कि या गया। देश में सरकारों ने इस समय आम जनता को मुफ्त की सौगातें बांटने को सफलता का पर्याप्य मान लिया है। केन्द्र से लेकर सभी राज्य सरकारें इसी फार्मूले पर चल रही हैं। भजनलाल सरकार ने भी यही रास्ता पकड़ते हुए लोगों को सीधी राहत पहुंचाने पर बजट में प्रावधान किया है। कि सान सम्मान राशि में बढ़ोतरी, बुजुर्ग और महिलाओं की सामाजि क पेंशन राशि बढ़ाकर आगामी निकाय और पंचायत चुनाव के लिए जमीन तैयार की गई है।

हमने संकल्प पत्र की 58 प्रतिशत और पिछले बजट की 73% की प्रगति सुनिश्चित की है। मैं यहां माननीय सदस्यों को आगे भी सभी वादों का तीव्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए आश्वस्त करते हुए कहना चाहूंगी...
सबकी फिक्र में खुद को मैं मिटाती हूँ...
हर वादा अपना, दिल से मैं निभाती हूँ...
दीया कुमारी, वित्त मंत्री, राजस्थान

पेयजल

प्रदेश के 2 लाख घरों में पानी के नए कनेक्शन कि ये जाएंगे, जिसके लिए 400 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे। पेयजल व्यवस्थाओं को सुचारू करने के लिए तकनीकी कर्मचारियों का संविदा कैडर बनाकर 1050 नए पद सृजित किए जाएंगे। एक हजार ट्यूबवेल और 1500 हैंडपंप लगाए जाएंगे।

इन्फ्रास्ट्रक्चर

प्रदेश में सड़क और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए 2750 किमी से अधिक लंबाई के 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे बनाए जाएंगे, जिनकी अनुमानित लागत 60 हजार करोड़ रुपए होगी। ये परियोजनाएं बीओटी मॉडल पर विकसित की जाएंगी। 21 हजार किमी सड़कों का निमाण होगा।

रोजगार

युवाओं के लिए नए रोज़गार सृजन के तहत 1 साल में 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्तियां होंगी। रोज़गार मेलों के आयोजन होंगे। कैम्पस इंटरव्यू होंगे। नए निवेश में स्थानीय युवाओं को रोज़गार में प्रोत्साहन देते हुए निजी क्षेत्र में भी अगले वर्ष 1 लाख 50 हजार रोज़गार उपलब्ध करवाया जाना प्रस्तावित।

सिंचाई

राम जल सेतु लिंक परियोजना (पीके - ईआरसी) के तहत 9,400 करोड़ रुपए की लागत से कार्य शुरू हो चुके। 12,400 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए जा चुके। अब तक 12,807 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी। इस योजना के लिए 9,300 करोड़ रुपए की लागत से और कार्य करवाए जाएंगे।

सामाजिक सरोकार

कमजोर आय वर्ग के बुजुर्गों और विधवाओं की पेंशन बढ़ा कर 1,250 रुपए प्रति माह की जाएगी। इसके अलावा एक लाख दिव्यां गों को 150 करोड़ रुपए की लागत से आर्टिफिशियल लिंब और अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। दादूदयाल घुमंतू सशक्ती करण योजना शुरू की जाएगी।

बिजली

हर महीने 150 यूनिट फ्री बिजली दी जायेगी। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सहयोग से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली लाभावित योजना को 100 यूनिट को 150 यूनिट फ्री बिजली। जिन परिवारों की इनकम काम है उनके घरों में सोलर प्लांट लगाए जाएंगे।

स्वास्थ्य

मुख्यमंत्री आरोग्य मां योजना के तहत अब राजस्थान के लोग दूसरे राज्य में भी फ्री इलाज करवा सकेंगे, जि सके तहत मुख्यमंत्री आरोग्य मां योजना के नि:शुल्क इलाज के लिए 3 हजार 500 करोड़ 'मां कोष' गठित करने का ऐलान किया गया। आगामी वर्ष से अब दूसरे राज्यों में भी इलाज ले सकेंगे।

महिलाएं

राजीविका मिशन के तहत 20 लाख महिलाओं को "लखपति दीदी" श्रेणी में लाने की योजना की घोषणा की गई। इसके तहत उन्हें 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 1 लाख रुपए तक का लोन उपलब्ध कराया जाएगा, पहले यह 2.5 प्रतिशत था। आंगनवाड़ी केंद्रों पर मुख्यमंत्री सुपोषण किट योजना लागू की जाएगी।

आरक्षण

अग्निवीरों के लिए आरक्षण का ऐलान। वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बजट में अग्निवीरों को पुलिस जेल विभाग और वन वि भाग में आरक्षण देने की घोषणा की। इसी क्रम में फायर सर्विसेज में आरक्षण देना प्रस्तावित है। मानदेय में 10% की बढ़ोत्तरी की घोषणा की गई।

किसान

बजट में तीस लाख किसानों को 25,000 करोड़ रुपए कृषि ऋण की घोषणा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में कि सानों की संख्या को दोगुना करने का ऐलान। पशु आहार सेंटर के विस्तार के लिए 540 करोड़ रुपए की घोषणा। 100 पशु चिकित्सक और 1 हज़ार पशु निरीक्षक पदों की घोषणा।

गोविंददेवजी भक्तों के लिए खर्च होंगे 50 करोड़

जयपुर के आराध्य देव गोविंददेवजी के हजारों की संख्या में भक्त हर दिन दर्शन करने जाते हैं। श्रद्धालुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने गोविं द देवजी के मंदिर में कला महोत्सव मेला लगाने का ऐलान किया है। इसके तहत मंदिर में सालभर अलग अलग कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा।

लखपति दीदी को सस्ता लोन मिलेगा

राजीविका मिशन के तहत 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाने के साथ ही लाभान्वित महिलाओं को मिल ने वाले लोन को भी सस्ता करने की घोषणा की गई। पहले एक लाख रुपए पर 2.5 प्रतिशत ब्याज वसूला जाता था। अब इसे घटाकर 1.5 प्रति शत करने की घोषणा की। इसके लिए 3 लाख महिलाओं का टारगेट रखा गया है

सरकारी कर्मचारियों में निराशा

बजट से कर्मचारियों में निराशा है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ और अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ ने बयान जारी कर कहा कि इस बजट ने कर्मचारी वर्ग को निराश किया है। सरकार ने दो-तीन सेवाओं के पुनर्गठन के लिए घोषणा की है, लेकिन अधीनस्थ सेवाओं के कर्मचारियों के कैडर पुनर्गठन को बजट घोषणा में सम्मिलित नहीं करने से इनमें निराशा है। बजट में छठे एवं सातवें वेतन आयोग की विसंगति दूर करने का भी कोई प्रावधान नहीं किया गया।

खनन के लिए क्वारी लाइसेंस लेना सस्ता

माइनिंग उद्योग में खनन पट्टाधारकों को क्वारी लाइसेंस सस्ता किया गया। इसकी फीस 5 हजार रुपए से कम करते हुए 3 हजार रुपए करने का ऐलान कि या गया। खनन करने के लिए जमीन के लाइसेंस को क्वारी लाइसेंस कहते हैं, यह खान विभाग जारी करता है। खनन क्षेत्र में आमनागरिकों की भागीदारी बढ़ा ने के लिए यह निर्णय करते हुए बड़ी राहत दी गई।

पावर ऑफ अटॉर्नी के लिए परिजनों का बढ़ाया दायरा

परिवार के नाम पावर ऑफ अटॉर्नी करने के मामलों में अब स्टांप ड्यूटी में छूट के लाभ का दायरा बढ़ाते हुए पुत्रवधू, नातिन और नाती को भी ये लाभ देने का ऐलान कि या गया। पहले पत्नी, बेटे-बेटी, पोता-पोती के नाम पर पावर ऑफ अटॉर्नी करने पर अधिकतम 2 हजार रुपए स्टांप ड्यूटी लगती थी।

5 हजार अन्नपूर्णा भंडार पर मिलेंगे सस्ते प्रोड क्ट

प्रदेश में संचालित उचित मूल्य की दुकानों पर 5 हजार अन्नपूर्णा भंडार खोल ने की घोषणा की गई। इन भंडारों पर खाद्य सुरक्षा श्रेणी में आने वाले परिवारों को सस्ते मसाले-दाल उपलब्ध करवाई जाएगी। इन अन्नपूर्णा भंडारों के खुलने से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बड़ा फायदा होगा। उन्हें सामान खरीदने दूर नहीं जाना पड़ेगा।

सटीक

विधानसभा में पत्रकारों को पर्ची, चली तो चली, नहीं तो, नहीं चली

सटीक

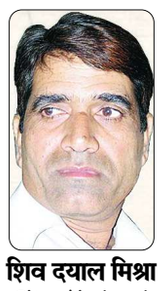

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पर्ची का चलन कोई आज से नहीं है, पता नहीं कब से ये पर्चियां चल रही हैं। पर्ची भी कोई एक प्रकार की नहीं है। बहुत तरह की पर्चियां चलती हैं। कई कारोबार ही ऐसे हैं जो पर्चियों के सहारे चलते हैं। कई काम ऐसे होते हैं जो पर्चियों के माध्यम से होते हैं। कई नियुक्तियों के लिए सिफारिशें भी पर्चियों से होती हैं। किसी से मिलने जाओ तो पहले साब के पास पर्ची भिजवानी पड़ती है। नेता, जन नेता, अभिनेता, डॉक्टर या कोई अधिकारी उससे मिलने के लिए पर्ची भिजवानी पड़ती है। पर्ची है ही ऐसा माध्यम कि पर्ची से लम्बी चौड़ी भीड़ में से भी मिलने के लिए पहले बुलावा आ जाता है। कोई मंच पर बोल रहा होता है तो उसे पर्ची के माध्यम से कई संदेश दिए जाते हैं, जिनमें उसे समय सीमा या कुछ बोलने की बातें बता दी जाती है। यूं तो पर्ची हमारे जीवन का अटूट हिस्सा है। शादी विवाह में हलवाई की पर्ची, पंसारी को सामान की पर्ची, उधार की पर्ची, तो नगद की पर्ची। कई लोग पर्चियों से लाटरी भी खोलते हैं। मगर पिछले कुछ समय से राजनीति में भी पर्चियां चल रही हैं। कई लोगों को कहते सुना जाता है कि पर्ची से मुख्यमंत्री बनन लगे हैं। हाल ही प्रधानमंत्री ने भी धीरेन्द्र शास्त्री बागेश्वर बाबा की पर्ची खोली है। अरे भाई! पर्ची में बहुत पावर होता है। पर्ची के माध्यम से किसी को भी अंदर और किसी को भी बाहर किया जा सकता है। विधानसभा में कवरेज को जाने वाले पत्रकारों के लिए भी पर्ची चलने लग गई है। पहले के समय का तो पता नहीं, मगर जिस समय अशोक गहलोत तीसरी बार मुख्यमंत्री बने थे और सी.पी. जोशी को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया था। उस समय कुछ पत्रकारों के पास बने थे, बाकी जिसको विधानसभा में जाना हो, वे पर्ची बनवाओ और अंदर आओ का नियम सा बना दिया गया था। वो समय तो चला गया, मगर पर्ची सिस्टम अभी भी यथावत लागू है। चलो कोई नहीं, पर्ची ही सही, जिसको विधानसभा जाना होगा वह पर्ची भी बनवाएगा। मगर, इस बार विधानसभा सत्र में नई बात सामन आ गई। पत्रकारों की पर्ची बनी और पत्रकार अंदर चले गए। मगर, पिछले सप्ताह चलते सत्र के दौरान ही पर्ची से प्रवेश करने वाले कुछेक पत्रकारों से यह कहते हुए पर्ची ले ली गई, कि आपका कार्ड बनेगा, पर्ची वापस दे दो। पत्रकारों ने पर्ची वापस दे दी। कुछ ने नहीं दी तो उन्हें पत्रकार दीर्घा में जाने से रोक दिया गया। फिर पता नहीं क्या विचार हुआ, कि पर्ची पुन: पत्रकारों को लौटा दी और विधानसभा की कार्रवाई कवरेज के लिए प्रवेश मिल गया। ऐसा ही होता है भाईजी, पर्ची की मर्जी है चले तो चले, नहीं तो नहीं चले।

shivdayalmishra@gmail.com

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

मुख्यमंत्री ने किया केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान की प्रदर्शनी का अवलोकन

जयपुर/टोंक @ जागरूक जनता। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर द्वारा 19वीं पीएम किसान सम्मान के अवसर पर आयोजित राजस्थान सरकार के राज्यस्तरीय कार्यक्रम राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा मे संस्थान की तकनिकीयों की प्रदर्शनी की स्टॉल लगाई गई। प्रदर्शनी पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संस्थान की तकनिकीयों का अवलोकन किया। निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को संस्थान द्वारा राजस्थान के किसानो के लिए किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। साथ ही, भेड़पालको के हित के लिए "भेड़ ऊन विकास मंडल की स्थापना" की बात भी कही। इनके अलावा कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना, सी आर चौधरी अध्यक्ष राजस्थान किसान आयोग ने भी प्रदर्शनी को अवलोकन किया।

सनराइज सिटी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। सनराइज सिटी निवारू रोड झोटवाड़ा शिव मंदिर के पास एक विशाल निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर AMRC HOSPITAL PARK GROUP एवं श्री श्याम कृपा चैंबर्स के संयुक्त तत्वाधान में लगाया गया। शिविर में 130 मरीज का निशुल्क BP, SUGAR हृदय की जांच हुई व निशुल्क दवाई भी दी गई। एडवोकेट कृष्ण वीर यादव ने बताया कि श्याम कृपा चैंबर की ओर से समय-समय पर इस प्रकार के कैंप जन सेवा के कार्यक्रम आगे भी समय-समय पर होते रहेंगे ताकि स्थानीय लोगों को इसका निशुल्क लाभ मिल सके। शिविर में AMRC PARK HOSPITAL डॉ तूफान सिंह झांझरिया, एवं स्टाफ मिस पूजा चौधरी, कमलेश ने अपनी सेवई थी अन्य गणमानी लोगों में संदीप पारीक, जितेंद्र सिंह पलाड़ा, प्रदीप यादव, मनीष यादव, ललित शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

भालुओं की मॉनिटरिंग जयपुर व करौली वन क्षेत्र से होगी

जयपुर/अलवर @ जागरूक जनता। सरिस्का में चार साल पहले लाए गए तीन भालू दूसरे जंगलों में चले गए हैं। एक जयपुर तो बाकी भालू करौली के जंगल में विचरण कर रहे हैं। अब उनकी मॉनिटरिंग भी वहीं का वनखंड कर रहा है। एक भालू सरिस्का के जंगल के पास ही बताया जा रहा है। सरिस्का में चार साल पहले एक भालू ट्रांसलॉकेट किया गया था। जैसे ही भालू सरिस्का के जंगल में आया तो उसने सीधा चट्टानों की ओर रुख कर लिया। पर्यटक जोन से बाहर हो गया। मॉनिटरिंग के दौरान एक भालू ने एक कार्मिक को भी हमला करके घायल कर दिया था। उसके बाद दो और भालू लाए गए। कुल मिलाकर तीनों भालू पर्यटन जोन से बाहर हो गए। दो भालू राजगढ़ जंगल की ओर से भी गए। सरिस्का प्रशासन ने मॉनिटरिंग की, लेकिन आखिर में एक भालू जयपुर वन क्षेत्र व दूसरा करौली में चला गया। तीसरा भालू सरिस्का की सीमा के पास ही बताया जा रहा है। बताते हैं कि भालुओं के लिए खाने के इंतजाम जंगल में नहीं होने के कारण वह दूसरे जंगल में चले गए।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये निर्देश

स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर को बनाएं अव्वल-सोनी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर जिले को स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल बनाने के लिए जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये हैं। बुधवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत जागरुकता अभियान के संबंध में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में अभियान से जुड़े हितधारकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों पर चर्चा हुई।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान को जन-जन का अभियान बनाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार के लिए निर्देशित किया। साथ ही जिला कलक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था एवं कचरा निस्तारण व्यवस्था को और भी अधिक प्रभावी बनाने एवं सभी निर्धारित मानकों का धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। अधिकारियों को अपने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने एवं वेस्ट टू वंडर थीम पर यथासंभव कचरे का रचनात्मक निस्तारण अथवा पुनःउपयोग करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को शहर में पर्याप्त संख्या में कचरा पात्र रखने एवं उनके रखरखाव की उचित व्यवस्था करने, कच्ची बस्तियों में सफाई, खुले में शौच के प्रतिबंध की पूर्णतः पालना करवाने, नालों की सफाई करवाने, कचरा पॉइंट से समय-समय पर कचरे का उठाव करवाने, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। वहीं, बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने निजी कोचिंग संचालकों एवं अन्य हितधारकों को जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था में अपना सक्रिय भागीदारी निभाने, कोचिंग भवनों एवं आसपास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिये।

बैठक में आयुक्त जयपुर नगर निगम ग्रेटर रुक्मणी रियार, आयुक्त जयपुर नगर निगम हैरिटेज अरुण कुमार हसीजा, अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, कोचिंग संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित अन्य हितधारकों ने शिरकत की।

27 को ढेहर के बालाजी स्टेशन से चलेगी रीट स्पेशल ट्रेन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। रीट परीक्षार्थियों को रेलवे का तोहफा। रीट परीक्षार्थियों के लिए रेलवे ने परीक्षा स्पेशल ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ढेहर के बालाजी (जयपुर)-ग्वालियर (1 ट्रिप) स्पेशल ट्रेन ढेहर के बालाजी स्टेशन से 27 फरवरी को शाम 7 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 4 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। ग्वालियर से यह ट्रेन 28 फरवरी को सुबह 8.30 बजे रवाना होकर शाम 5.55 बजे ढेहर के बालाजी स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन आवाजाही के दौरान जयपुर, गांधीनगर, दौसा, बांदीकुई, दौसा, आगरा कैंट समेत कई स्टेशनों पर ठहराव करेगी। जोधपुर-ग्वालियर-ढेहर के बालाजी परीक्षा स्पेशल ट्रेन (1 ट्रिप) 25 फरवरी को जोधपुर से रात 11 बजे रवाना होकर सुबह 4 बजे जयपुर स्टेशन पर आएगी।

ग्वालियर से 26 फरवरी को शाम 7.30 बजे होगी रवाना

दस मिनट के ठहराव के बाद रवाना होकर दोपहर 12.30 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। ऐसे ही ग्वालियर-ढेहर के बालाजी स्पेशल ट्रेन (1 ट्रिप) ग्वालियर से 26 फरवरी को शाम 7.30 बजे रवाना होकर सुबह 4.30 बजे ढेहर के बालाजी स्टेशन पर पहुंचेगी।

27 और 28 को परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की ओर से राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) का आयोजन 27 फरवरी और 28 फरवरी को होगा।

बियानी की एमसीए की छात्राओं ने आरटीयू मेरिट लिस्ट में लहराया सफलता का परचम, कॉलेज गौरवान्वित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप्स ऑफ कॉलेजेस की एमसीए की दो छात्राओं ने राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम गौरवान्वित किया है। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा घोषित मेरिट लिस्ट में एमसीए 2022-2024 बैच की छात्राएं पलक राठौड़ और विभा कुमावत ने वरीयता सूची में स्थान बनाया है, जो कि बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज के लिए गौरव का विषय है। इस विशेष अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी , डीन व प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल और आईटी विभाग की एचओडी नेहा तिवाड़ी ने छात्राओं का माला पहनाकर एवं बुके भेंट कर स्वागत किया। साथ ही, उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। छात्राओं ने अपनी इस सफलता का श्रेय एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी के मोटिवेशन, शिक्षकों के मार्गदर्शन, कॉलेज से प्राप्त तकनीकी प्रशिक्षण और परिवार के सहयोग को दिया।

शिवरात्रि पर छुट्टी के दिन भी होगी रजिस्ट्री

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। इस बार महाशिवरात्रि के पर्व भी उप पंजीयक कार्यालयों में राजकार्य होगा। इस दिन इन कार्यालयों में सामान्य दिनों की भांति पंजीयन एवं मुद्रांक संबंधी सभी कामकाज किए जाएं गे। उप महानिरीक्षक,मुद्रांक डॉ गोरधन लाल शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर अवकाश के दिन भी जयपुर जिले के समस्त उप पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे। इसी प्रकार मार्च के सभी शनिवार एवं रविवार को भी सभी उप पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे।

राजधानी को सौगातें : तीन नई आवासीय योजनाओं का ऐलान

नए एलिवेटेड- फ्लाईओवर, सीतापुरा से अंबाबाड़ी मेट्रो

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के बजट में प्रदेश के सभी जिलों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई। राजधानी जयपुर के लिए भी अहम घोषणाएं हुई। जयपुर में मेट्रो फेज टू के लिए सर्वे कराए जाने का ऐलान किया। मेट्रो का दूसरा फेज सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक बनाया जाना प्रस्तावित है। केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार सर्वे का कार्य शुरू करेगी। साथ ही शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड बनाने की घोषणाएं भी की गई। जयपुर धार्मिक नगरी के रूप में भी जानी जाती है। ऐसे में जयपुर के आराध्य देव गोविंददेव जी मंदिर के भक्तों की श्रद्धा को देखते हुए यहां सालभर धार्मिक आयोजन कराने की भी घोषणा की गई।

गुलाबी नगरी के लिए घोषणाएं...

» सड़कों के विकास के लिए 250 करोड़ रुपए किए जाएंगे खर्च।
» गोविंददेवजी मंदिर में कला महोत्सव के तहत साल भर कार्यक्रम आयोजित होंगे। सरकार 50 करोड़ रुपए खर्च करेगी।
» जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइंस एंडमिरनल शुरू होगा। इसके लिए 60 करोड़ की लागत आएगी।
» जयपुर में बालिका सैनिक स्कूल की स्था पना होगी।
» टूरिज्म के लिए द्रव्यवती नदी का अपग्रेडेशन कि या जाएगा।
» अल्बर्ट हॉल म्यूजियम के लिए 25 करोड़ रुपए।
» एसएमएस स्टेडियम में बैडमिंटन एकेडमी, जयपुर में रहने की सुविधा के साथ शूटिंग रेंज की स्थापना होगी।
» चित्रकूट और विद्याधर नगर स्टेडियम में रनिंग का सिंथेटिक ट्रैक बनाया जाएगा।
» राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सर्वि स (रिम्स) को बेहतर बनाने के लिए 500 करोड़ आवंटित।

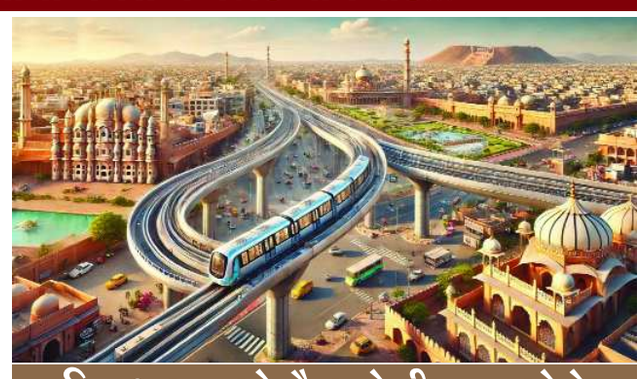

विद्याधर नगर से दौड़ सकेगी जयपुर मेट्रो

राजधानी के बढ़ते हुए बाहरी क्षेत्रों में जयपुर मेट्रो का विस्तार होगा। मेट्रो फेज-2 सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से विद्याधर नगर (टोडी मोड़) तक के मार्ग का काम हो सकेगा। केन्द्र सरकार के सहयोग इस पर करीब 12 हजार करोड़ खर्च से करीब 30 किलोमीटर लंबे इस रूट पर काम शुरू किया जाएगा। इस रूट के बनने से करीब 20 लाख से अधिक आबादी को फायदा मिलेगा। इसके अलावा जयपुर मेट्रो की तैयारी के अनुसार एक रूट प्रताप नगर में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) से शुरू होकर जगतपुरा होते हुए टोंक रोड, बीटू बायपास, मानसरोवर से वैशाली नगर तक तैयार होगा।

एलिवेटेड रोड से सफर होगा आसान

अपेक्स सर्किल-जगतपुरा आरओबी तक 2.40 किमी का एलिवेटेड रोड बनेगा। इस पर 130 करोड़ रुपए खर्च होंगे। झोटवाड़ा आरओबी से खातीपुरा आरओबी तक 65 करोड़ रुपए, ओटीएस चौराहे पर 80 करोड़ रुपए, रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर 185 करोड़ रूपए और नारायण सर्किल से पुराना रामगढ़ मोड़ तक, खानियां से बगराना आगरा रोड तथा अरण्य भवन से ट्रांसपोर्ट नगर तक एलिवेटेड रोड बनाने की डीपीआर 3 करोड़ 50 लाख रूपए की लागत से तैयार की जाएगी।

बीआरटीएस कॉरिडोर हटाया जाएगा

करीब डेढ दशक पहले जयपुर में बीआरटीएस कॉरिडोर बनाया गया। यानी बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम लागू किया गया। शहर के सीकर रोड, अजमेर रोड और न्यू सांगानेर रोड पर बीआरटीएस कॉरिडोर बनाया गया। मगर यह कॉरिडोर बेकार साबित हुआ। राज्य सरकार ने बजट में बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने का ऐलान किया। इस संबंध में जेडीए में पहले ही कई अहम बैठकें हो चुकी थी जिसमें बीआरटीएस को उपयोगी नहीं माना गया था। अब बीआरटीएस हटाया जाएगा जिससे सीकर रोड, अजमेर रोड और न्यू सांगानेर रोड और चौड़ी हो जाएंगी और यातायात सुगम हो जाएगा।

135 करोड़ बजट से सड़कें होंगी चकाचक

जयपुर की सड़कों को चकाचक करने के लिए राज्य सरकार ने 250 करोड़ रुपए खर्च करने की घोषणा की गई। सांगानेर, जगतपुरा, झोटवाड़ा और घाट की गूणी की सड़कों के रेनोवेशन के काम पर 135 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। जयपुर के ओटीएस चौराहे पर 185 करोड़ की लागत से एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी। अपैक्स सर्किल से जगतपुरा बालाजी ति राहा तक 130 करोड़ रुपए की लागत से 2.40 कि लोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। झोटवाड़ा आरओबी से खातीपुरा आरओबी तक भी 65 करोड़ रुपए की लागत से एलिवेटेडरोड का निर्माण कराया जाएगा। इसी तरह नारायण सर्किल से पुराना रामगढ़ मोड़ तक, खानियां से बगराना आगरा रोड और अरण्य भवन से ट्रांसपोर्ट नगर तक एलिवेटेड रोड की बनाने की डीपीआर भी तैयार की जाएगी।

पत्नी के साथ प्रॉपर्टी खरीदना पड़ेगा सस्ता

50 लाख तक की प्रॉपर्टी पत्नी के साथ मिलकर खरीदना अब सस्ता होगा। क्योंकि अब स्टांप ड्यूटी आधा फीसदी कम लगेगी। सरकारी डीएलसी निर्धारण के हिसाब से 50 लाख रुपए तक की प्रॉपर्टी खरीदने पर पहले 6 प्रतिशत स्टांप ड्यूटी (शहरी क्षेत्र) के हिसाब से 3 लाख रुपए चुकाने पड़ रहे थे। पहले जहां 50 लाख की प्रॉपर्टी पर कुल स्टांप ड्यूटी 3 लाख रुपए चुकानी पड़ रही थी, वह अब घटकर 2 लाख 75 हजार रुपए रह जाएगी। साथ ही स्टांप ड्यूटी पर लगने वाली 30 प्रतिशत सरचार्ज राशि भी कम लगेगी। पहले 50 लाख की वैल्यू के हि साब से 3 लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी पर 30 प्रतिशत के हिसाब से 90 हजार रुपए सरचार्ज लगता था। वो अब 3 लाख की बजाय 2 लाख 75 हजार रुपए के हिसाब से काउंट होगा। सरचार्ज राशि 82 हजार 500 रुपए ही लगेगी।

कई फ्लैट आवासीय योजनाओं का ऐलान

जयपुर शहर के प्रताप नगर क्षेत्र में 400 फ्लैट की आवासीय योजना लाए जाने का ऐलान किया गया। इंदिरा गांधी नगर में भी 144 और मानसरोवर में 160 फ्लैट की दो आवासीय योजनाएं लाई जाएंगी। साथ ही जयपुर के स्वर्ण जयंती पार्क वि द्याधर नगर को ऑक्सीजन जोन के रूप में विकसित किया जाएगा।

पंचांग

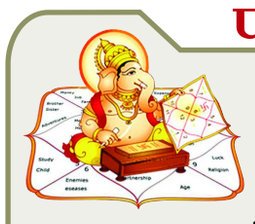

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 26/02/2025

सूर्योदय : 06:57 **सूर्यास्त :** 18:22 **चन्द्रोदय :** 05:45 **चन्द्रास्तः** 16:42 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** माघ **पूर्णिमांत :** फाल्गुन **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** मकर **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** त्रयोदशी, 11:06 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक-वैदि अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : श्रावण, 17:11 तक
योग : परिघा, 26:49 तक
प्रथम करण : वणिजा, 11:06 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 22:01 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:09 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:34 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:29 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:17 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:19 पी एम से
अमृत काल	07:28 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:09 ए एम, फरवरी 27 से 12:59 ए एम, फरवरी 27

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : केतु
कुंभ चक्रः कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:56 - 08:22	उद्वेग	: 18:21 - 19:55
अमृत	: 08:22 - 09:47	शुभ	: 19:55 - 21:29
काल काल वेला	: 09:47 - 11:13	अमृत	: 21:29 - 23:04
शुभ	: 11:13 - 12:39	चर	: 23:04 - 00:38
रोग वार वेला	: 12:39 - 14:04	रोग	: 00:38 - 02:12
उद्वेग	: 14:04 - 15:30	काल	: 02:12 - 03:47
चर	: 15:30 - 16:55	लाभ	: 03:47 - 05:21
लाभ	: 16:55 - 18:21	उद्वेग	: 05:21 - 06:55

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

त्रयोदशी : राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म,

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, कृष्ण, त्रयोदशी, 2081 बुधवार, 26 फरवरी - 4 मार्च, 2025

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

तीन आपराधिक कानूनों के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक : आपराधिक गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों के प्रकरणों में हो सख्त कार्रवाई, प्रभावी निगरानी के लिए गिरफ्तार व्यक्ति के लिए जाएं फिंगरप्रिंट्स

नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में नहीं होगी संसाधनों की कमी-मुख्यमंत्री

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रदेश में क्रियान्वयन के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को सुरक्षा एवं त्वरित न्याय देना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है, जिसके क्रम में राज्य सरकार ने कई नीतिगत निर्णय लिए हैं। साथ ही, गृह विभाग को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्य बजट 2025-26 में कई प्रावधान भी किए गए हैं।

शर्मा ने गृह विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरने एवं पदोन्नति करने के निर्देश दिए ताकि पर्याप्त मानव संसाधन के नियोजन से प्रदेश के हर क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगे। उन्होंने कहा कि गृह विभाग आगामी वर्षों में रिक्त होने वाले पदों का भी पूर्ण विवरण तैयार करे ताकि कार्मिक के सेवानिवृत्त होते ही तुरंत भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गृह विभाग से जुड़े शत प्रतिशत कार्मिकों को नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षण देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों से संपत्तियां अर्जित करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्तियां जब्त की जाए जिससे उनके हौंसले पस्त हों। उन्होंने प्रत्येक गिरफ्तार व्यक्ति के फिंगरप्रिंट लेने एवं ई-सम्मन की प्रभावी तामील कराने के निर्देश दिए ताकि अपराधियों पर सतत् निगरानी के साथ प्रभावी नियंत्रण भी रहे। उन्होंने कहा कि पहली बार अपराध करने वाले को नवीन कानूनों में एक तिहाई सजा पूर्ण होने पर रिहा करने का प्रावधान है। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता रखते हुए शीघ्र निर्णय लिया जाए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गत दिनों केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं केन्द्रीय गृह सचिव द्वारा ली गई बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुसार नए कानूनों के क्रियान्वयन की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के कुल 84 प्रतिशत से अधिक कार्मिकों को नवीन कानूनों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा 98.5 प्रतिशत जांच अधिकारी भी प्रशिक्षण ले चुके हैं। नए कानूनों के तहत प्रदेश में अब तक 1 लाख 12 हजार से अधिक एफआईआर दर्ज हुई हैं, जिनमें से 75 हजार से अधिक का निस्तारण भी किया जा चुका है। इस दौरान विधि विज्ञान प्रयोगशाला के सुदृढ़ीकरण, जीरो एफआईआर, ई-साक्ष्य जैसे विषयों पर भी गहन चर्चा की गई। बैठक में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव, विधि एवं विधिक कार्य ब्रजेन्द्र

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पेमासर में किसान प्रदर्शनी का किया अवलोकन

कौशल विकास और पशुपालन आधारित उद्योग लगाए प्रदेश के किसान-बागड़े

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाएं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ें, ग्रामीण क्षेत्रों में युवा और महिलाओं के कौशल का विकास करें। राज्यपाल बागडे ने बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में किसानों से संवाद करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए। बागडे ने खेती में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हुई है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी बेहद हानिकारक है। इससे कैंसर जैसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके

राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह

पूरे देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा-शर्मा

प्रदेश के 72 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित

विकसित भारत के निर्माण में कृषकों का उत्थान महत्वपूर्ण

किसानों के सशक्तीकरण के लिए बजट में की अहम घोषणाएं

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसान कल्याण केन्द्र सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को अच्छा बीज, सस्ती एवं पर्याप्त खाद, सिंचाई की सुविधा, पशुओं को बीमारी में रखरखाव, आपदा के समय नुकसान से सुरक्षा के लिए तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए गरीब, अन्नदाता किसान, युवा शक्ति तथा महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी बिहार के भागलपुर से किसान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देशभर में 9 करोड़ 80 लाख किसानों को 22 हजार करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना 6 वर्ष पहले शुरू की गई थी। अब तक 3 लाख 70 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में पहुंच चुके हैं। हमारी सरकार द्वारा पीएम फसल बीमा योजना भी शुरू की गई जिससे आपदा के समय किसानों को बीमा क्लेम वितरित किए गए। साथ ही, लखपति दीदी योजना के तहत अब तक सवा करोड़ लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बीते दशक में दुग्ध उत्पादन भी 14 करोड़ टन से बढ़कर 24 करोड़ टन हो गया है। वर्तमान में दुग्ध उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है।

किसानों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह से वीसी के माध्यम से राष्ट्र स्तरीय कार्यक्र म से जुड़े। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों-पशुपालकों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। अन्नदाता की सेवा, उन्नति और खुशहाली को एकमात्र ध्येय मानकर राज्य सरकार ने नीतिगत निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के किसान कल्याण और उत्थान के संकल्प को पूरा करने में हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लाभान्वित किसानों को बधाई देते हुए कहा कि योजना के तहत आज प्रदेश के 72 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि 19वीं किस्त के रूप में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि आज का यह समारोह प्रधानमंत्री के किसानों को खुशहाल बनाने के संकल्प और समर्पण की एक मिसाल है। देश को प्रधानमंत्री की गारंटी पर पूरा भरोसा है।

शिक्षा, सेवा और समपर्ण के पर्याय है डॉ. ओमेन्द्र सिंह शेखावत

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। वर्तमान समय मे परीक्षा से हताश व निराश हो रहे युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन रहे डॉ. ओमेन्द्र जी का कहना है कि यदि मन मे कुछ करने का जुनुन और दृढ़ शक्ति व आत्मविश्वास हो तो कुछ भी कार्य असम्भव नही है। डॉ. ओमेन्द्र सिंह शेखावत जो वर्तमान मे केशव विद्यापीठ मे व्याख्याता पद पर कार्यरत है । हमारे संवाददाता अनिल जैन को उन्होंने बताया कि उन्होंने 1995 मे बीएससी प्रथम श्रेणी से प्राप्त कर अध्ययन कार्य प्रारंभ किया । परिवारिक व सामाजिक कार्य के निर्वाहन करते हुए एमएससी (राजनिति विज्ञान) से स्वयंपाठी के रूप मे पढाई प्रारम्भ कि परन्तु सफल नही हो सकने के बाद हिन्दी एमए का फॉर्म भरा परन्तु उसमें भी सफलता प्राप्त नही हुई। कहा जाता है हर सफलता के पीछे एक नारी का हाथ होता है। ऐसे ही शेखावत जी की धर्मप%ी श्रीमती मनोज कंवर शेखावत जी ने उन्हे उनकी लगातार असफलता से उन्हें निराश नही होने दिया तथा सफलता के लिए प्रेरित किया। यही से ही उन्होंने उच्च शिक्षा कि पुनः शुरुआत करते हुए लगातार परीक्षाएं दी । जिस के बाद उन्होंने एमए हिन्दी मे प्रथम स्थान व स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा महामहिम राज्यपाल मार्गेट अल्वा ने उन्हे स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात लगातार परीक्षाएं देते रहे जिसमे एमए (हिन्दी, राजनिति, इतिहास, समाज शास्त्र ,मनोविज्ञान) व शिक्षा, मे एमए प्रथम श्रेणी से व स्वर्ण पदक से उत्तीर्ण कि । शिक्षा के सफर को यही खत्म नही करते हुए उन्होंने वाणिज्य का भी अध्ययन किया तथा व्यवसाय प्रबन्ध मे एमकॉम किया। प्राकृतिक चिकित्सा मे भी नाड़ी विज्ञान का कोर्स किया। शेखावत जी एक अच्छे गुरु भी है। विद्यार्थियों के लिए उन्होंने अपने कौशल मे और अधिक विकास हेतु "वास्तव मे शिक्षा क्या है " का गहन अध्ययन करने के लिए एमएड व एम ए तथा यूजीसी नेट परीक्षा भी उर्त्तीण की । तथा उन्हे कई विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा मे शत प्रतिशत अंक दिलवाने पर गुरु विशिष्ट सम्मान व अन्य सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। पिछले दिनो वनस्पति विज्ञान मे पीएचडी की उपाधि. भी प्राप्त की जिसमे केलोटोपस व केपेरिस पर भारी धातुओं के प्रभाव पर शोध कार्य किया।

डॉ. ओमेन्द्र सिंह शेखावत ने पारिवारिक व सामाजिक दायित्वों के साथ साथ धार्मिक कार्य मे भी अपना पूर्ण योगदान देते है। तथा गौ सेवा को परम लक्ष्य मानते हुए 3 वर्ष पहले कुछ साथियों के मिलकर श्री राम कृष्ण गौशाला ट्रस्ट एवं सुन्दरकाण्ड मण्डल का गठन किया जो क्षेत्र मे निशुल्क सुन्दरकाण्ड पाठ एवं गौसेवा कार्य करते है। अभी तक 270 सुन्दरकाण्ड पाठ पूर्ण कर लिए है।इनका कहना है कि यदि समय का सही नियोजन एवं सदुपयोग, आत्मविश्वास, पूर्ण समर्पण हो तो प्रत्येक असम्भव कार्य को भी सम्भव बनाया जा सकता हैं। शेखावत ने अपनी सभी उपलब्धियों का श्रेय ईश्वर की कृपा,

प्ररूप – 10
(नियम 6 (7) देखिए)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक 7616 दिनांक 25.02.2025

लोक सूचना

गुरु रविन्द्र नाथ टैगोर शिक्षण संस्थान जरिये सचिव बलवीर सिंह सहारण अध्यक्ष कृष्ण कुमार कोषाध्यक्ष पुष्पा रानी निवासी तारानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर–कृषिक प्रयोजन (संस्थागत शैक्षणिक हेतु) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :–

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
चूरू तहसील तारानगर	तारानगर	1916/879	4916.39 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनो के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर – भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में सयह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 25.02.2025 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

सम्पादकीय

जीवनशैली संबंधी बीमारियों के खिलाफ अभियान चले

भारत में जीवनशैली संबंधित रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। मोटापा, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, कैंसर, थायराइड जीवनशैली संबंधी रोग माने जाते हैं। हाल में ही सरकार ने 30 वर्ष की उम्र से अधिक करीब 89 करोड़ लोगों की देशभर में स्वास्थ्य जांच करवाने का फैसला लिया है। सरकार राष्ट्रीय अभियान चलाकर इस उम्र के लोगों में डायबिटीज, बीपी, कैंसर की जांच करवाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में देश में मोटापे पीड़ितों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है और लोगों से दस फीसदी कम फैट के सेवन का आह्वान किया है। हाल के दशकों में भारतीयों की लाइफस्टाइल से शारीरिक श्रम कम होता गया है और सिडेंट्री लाइफ अधिक हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में करीब 21 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, 19 करोड़ लोग बीपी के शिकार हैं, 14 करोड़ लोग मोटापा व करीब 9 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार के कैंसर से पीड़ित हैं। 15 करोड़ से अधिक महिलाएं थायराइड की शिकार हैं। देश में करीब 40 करोड़ से अधिक लोग जीवनशैली से संबंधित बीमारियों से पीड़ित हैं। देश में फास्टफूड का चलन बढ़ा है, बाहर खाने की चाहत बढ़ी है। इन कारणों से लाइफस्टाइल संबंधित मरीजों की संख्या बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वस्थ देश के लिए मोटापे की समस्या से निपटने पर बल देते हुए रविवार को देशवासियों से खाने के तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती करने का आह्वान किया है। इसके दो फायदे हैं। खानपान में तेल की खपत कम होने से स्वास्थ्य ठीक रहेगा और देश को तेल कम आयात करना होगा। चिकित्सकों के मुताबिक, नारियल तेल, सरसों तेल, जैतून तेल व शुद्ध घी स्वास्थ्य के लिए अच्छे पैट माने जाते हैं, जबकि अन्य रिफाइंड आयल ठीक नहीं माने जाते। भारत बड़ी मात्रा में पाम समेत कई प्रकार के रिफाइंड तेल आयात करता है। पीएम ने फिट इंडिया का भी आह्वान किया था, जिसमें लोगों से योग व्यायाम को जीवनशैली में अपनाने के लिए कहा था। आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है और बीते कुछ वर्षों में ऐसे मामले दोगुने हो गए हैं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2022 में दुनियाभर में करीब 250 करोड़ लोगों का वजन आवश्यकता से भी कहीं ज्यादा था। स्वास्थ्य संबंधी चीजें खतरनाक न हो जाए, देश में महामारी न बन जाए, इसके लिए आवश्यक है कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाया जाय, जिसमें काम और आराम में संतुलन हो। सरकार को इसी के साथ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। आज के शहरी जीवन में तनाव, अवसाद जैसे मानसिक समस्याओं के पीड़ितों की संख्या बढ़ रही है। ये मानसिक समस्याएं भी लाइफस्टाइल के चलते हो रही हैं। भारत में करीब 15 करोड़ लोग टेंशन, डिप्रेशन आदि मानसिक समस्याओं से पीड़ित हैं। आमजन के स्वास्थ्य के प्रति सरकार को सजग होना ही चाहिए, लेकिन इसके साथ ही देश में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए वर्ल्ड क्लास का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी बनाया जाना चाहिए। इस क्षेत्र में भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं। स्वास्थ्य मद में जीडीपी का छह फीसदी से अधिक बजट आवंटन होना चाहिए। मोदी सरकार को स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर बड़ा निवेश करना चाहिए और उपाचार के लिए हॉलिस्टिक एप्रोच अपनाना चाहिए। चिकित्सा के प्रिवेंटिव हेल्थ पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

यूएसएड की गहन षड्यंत्रकारी जड़ें

यूएसएड अर्थात अमेरिकी वित्तीय सहायता विषय देशी-विदेशी राजनीति के केंद्र में है। दूसरी बार सत्तारूढ़ होने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जिन आक्रामक नीतियों को त्वरित गति से क्रियान्वित किया है, उनमें भारत समेत दुनिया के अनेक देशों को मिलती रही यूएसएड को रोकना भी शामिल है। उन्होंने अमेरिकी नव विदेशी नीति की समीक्षा होने तक दुनिया के भिन्न-भिन्न देशों को मिलने वाली अमेरिकी वित्त सहायता पर रोक लगा दी है। यूएसएड के अधिकारियों के अनुसार गत 7 फरवरी को पूरे विश्व में एजेंसी के सभी मानवीय कार्य रोक दिये गये थे। इस संबंध में मस्क के आधिकारिक वक्तव्य से पहले ही एजेंसी की वित्त सहायता से संबंधी वेबसाइट बंद कर दी गई थी। राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा की दुर्भावनावश डेमोक्रेट्स समर्थक न्यायालय द्वारा ट्रंप का वह आदेश रोक दिया गया था जिसमें शासकीय कार्यकुशलता विभाग (डीओजीई) के कर्मचारियों को अवकाश पर भेजा जा रहा था। व्यवसायी एलन मस्क विद्यमान अमेरिकी शासन के जिस डीओजीई के प्रमुख चुने गये हैं, उसी के अनुसंधान पर यूएसएड के संबंध में तरह-तरह की शंकायें प्रकट हुई हैं। बाइडेन के कार्यकाल में ऐसी सहायता की आड़ में अमेरिका ने अलग-अलग देशों में अपने प्रतिकूल संचालित हो रहे शासन और शासकों को अपदस्थ करने में अरबों रुपये का अपव्यय किया। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि भारतीय चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले शासन को पराजित करने के मंतव्य से वहां के विपक्षियों को यूएसएड का अनुचित वितरण किया गया।

इसके बाद बाइडेन शासन पर संदेह उभरता है कि क्या 2.1 करोड़ डॉलर की एड भारत में इसी षड्यंत्र पूर्ति के लिए दी गई। इस संदेहास्पद वातावरण में ट्रंप से लेकर भारतीय सत्ताधारी दल भाजपा के नेताओं द्वारा प्रश्न पूछे जाने लगे हैं कि क्या बाइडेन यह सब कुछ कांग्रेस को सत्तारूढ़ करने के लिए कर रहे थे। इस प्रसंग पर विदेश मंत्रालय, विभाग और विदेश कार्य का समग्र कार्यकारी तंत्र संदेह की परतें हटाने और सत्योद्घाटन करने की दिशा में कार्यरत हो चुका है। वास्तव में बीसवीं सदी के वर्ष 1961 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी यूएसएड विदेशी सहायता एजेंसी की स्थापना की थी। तात्कालिक रूप में इस सहायता का उद्देश्य अमेरिकी दृष्टि में अति पिछड़े देशों में जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। इन आवश्यकताओं के अंतर्गत ऐसे देशों में भोजन, वस्त्र, औषधि, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए वार्षिक रूप में यूएसएड भेजी जाने लगी। जैसे-जैसे अमेरिका ने दुनिया में अपना प्रभुत्व फैलाना आरंभ किया, वैसे-वैसे अन्य गरीब, पिछड़े देश भी अमेरिकी आर्थिक सहायता प्राप्त करने लगे। इन देशों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, म्यांमार, नाइजीरिया, कांगो, सोमालिया, यमन, सूडान, इत्यादि भी शामिल थे। धीरे-धीरे अमेरिका ने विकासशील देशों में भी यूएसएड की आड़ में अपनी राजनीतियों का क्रियान्वयन आरंभ कर दिया। कालांतर में सोमालिया, सूडान, इराक, सीरिया, यमन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और यहां तक कि भारत में भी अमेरिकी वित्तीय सहायता आतंक फैलाने, मादक पदार्थों की तस्करी करने और लोकतांत्रिक माध्यम से स्थापित सत्ताओं के विरुद्ध तरह-तरह का दुष्प्रचार करने में खर्च होने लगी। कैनेडी ने

1961 में जिस मानवीय सहायता के भावनावश यूएसएड आरंभ की थी, आज 63 वर्ष बाद यह सहायता बाइडेन के नेतृत्व में अमेरिका के लिए देशों के विरुद्ध षड्यंत्र करने-फैलाने और सहायता पाने वाले अधिसंख्य मुस्लिम देशों के लोगों के लिए जन्मसिद्ध अधिकार होने का पर्याय बन गई है। 63 वर्ष पूर्व सहायता पाने वाली जिस वैश्विक आबादी में सहायता की प्रतिक्रिया में धन्यवाद की भावना होती थी, अब उस आबादी की वर्तमान पीढ़ी धन्यभावना भूल चुकी है। वह हक की नजर से सहायता लेती है और सहायता के बदले देश-विदेश में कुछ भी कोई भी अराजक कांड करने का माध्यम बन जाती है।

यूएसएड को हक मानकर हड़पने वालों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, इत्यादि देशों के आतंकवादी और अवैध काम करने वाले ही नहीं है, बल्कि इन देशों के शासकीय तंत्र के पक्ष और विपक्ष के नेता भी शामिल हैं। इस प्रकरण में भारत अपवाद नहीं है। यहां भी यूएसएड के संदर्भ में उपरोक्त देशों जैसी इंसानी और तंत्रगत दुष्प्रवृत्तियां हावी रही हैं। अमेरिकी वित्तीय सहायता कार्यक्रम हेतु दुनियाभर के 60 देशों में यूएसएड एजेंसी के कार्यालय हैं। इस एजेंसी का वार्षिक बजट 40 अरब डालर है। भारत तीसरे स्थान पर है जिसे सबसे अधिक एड मिली है। यहां यह वित्तीय सहायता शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्रों हेतु दी जाती है। यह एड मानवों की भलाई के लिए दी जा रही है। किंतु भारत के संदर्भ में तो स्पष्ट दिखता है कि यहां क्रिश्चिन मिशनरीज के माध्यम से अंग्रेजी शिक्षा, भाषा, जीवनशैली, रहन-सहन और अन्यान्य गतिविधियों में भारत के लोगों को झोंके रखने के मकसद से ही यूएसएड वितरित होती रही है। गत दस वर्षीय भारतीय शासन ने अमेरिकी वित्तीय सहायता के चालचरित्र को पहचान कर उसके प्रतिरोध के लिए जो व जितने भी शासकीय उपाय किये हैं, उनके प्रभाव में ही ट्रंप व एलन मस्क के माध्यम से आज यह रहस्योद्घाटन हो रहा है कि ऐसी सहायता का दुरुपयोग तो भारत में आम चुनाव तक को प्रभावित करने के लिए किया जाता रहा है। दुनिया के शांत व समझदार लोग स्पष्ट देखते आये हैं कि अमेरिका में डेमोक्रेट्स और भारत में कांग्रेस के शासनकाल में कितना राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पराभव घटित होता रहा है। इतना ही नहीं, ऐसे शासन की शासकीय अयोग्यताओं द्वारा अमेरिका और भारत दोनों के ही पड़ोसी देशों में भी भयंकर अराजकता व अस्थिरता उत्पन्न होती रही है। अमेरिकी डेमोक्रेट्स की शासकीय अयोग्यता का दुष्परिणाम दूरी दुनिया ने म्यांमार, श्रीलंका, अफगानिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश में तख्तापलट के रूप में देखा ही है। यूक्रेन, रूस, इजरायल व फिलीस्तीन में युद्धगत विनाश के रूप में भी डेमोक्रेट्स का लालच स्पष्ट दृष्टिगोचर है। बांग्लादेश में तो भारत विरोधी राजनीतिक वातावरण निर्मित करने के लिए डेमोक्रेट्स ने यूएसएड की आड़ में 2.9 करोड़ डॉलर फूंके।

वास्तव में हिंदुत्व के विचार के साथ समृद्ध हो रहे भारत को अमेरिका की क्रिश्चियन गुप्त शक्तियां अस्थिर करना चाहती हैं। इस कोशिश में इस्लामिक ताकतें भी समानांतर रूप में हाथ-पैर मार रही हैं। भाजपा के नेतृत्व में आरूढ़ वर्तमान भारतीय शासन ऐसी ताकतों को फूटी आंख नहीं सुहा रहा। अमेरिका में जब-जब डेमोक्रेट्स शासन सत्तारूढ़ हुआ, तब-तब उसके गुप्त शासकीय कार्यक्रमों में शत्रु देशों के विरुद्ध कूटनीतियां बना उन्हें क्रियान्वित करना सदैव प्राथमिकता में रहा। डेमोक्रेट्स के शासन में राजनेता बने कई व्यवसायियों का हथियार विनिर्माण का धंधा है। ऐसे धंधे के फलित होने के लिए दुनिया में युद्ध होते रहने चाहिए ताकि इनके द्वारा निर्मित हथियारों की खपत होती रहे और इनका लाभ बढ़ता रहे। भारत के विरुद्ध भी डेमोक्रेट्स की ऐसी ही योजना थी।

(ये लेखक के अपने विचार है)

> दूसरी बार सत्तारूढ़ होने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जिन आक्रामक नीतियों को त्वरित गति से क्रियान्वित किया है, उनमें भारत समेत दुनिया के अनेक देशों को मिलती रही यूएसएड को रोकना भी शामिल है। उन्होंने अमेरिकी नव विदेशी नीति की समीक्षा होने तक दुनिया के भिन्न-भिन्न देशों को मिलने वाली अमेरिकी वित्त सहायता पर रोक लगा दी है। गत 7 फरवरी को पूरे विश्व में एजेंसी के सभी मानवीय कार्य रोक दिये गये थे। इस संबंध में मस्क के आधिकारिक वक्तव्य से पहले ही एजेंसी की वित्त सहायता से संबंधी वेबसाइट बंद कर दी गई थी। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि भारतीय चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले शासन को पराजित करने के मंतव्य से वहां के विपक्षियों को यूएसएड का अनुचित वितरण किया गया।

ओपिनियन

कॉलेज कैम्पस के माहौल को सुधारने की जरूरत

देश के विभिन्न हिस्सों में उच्च शिक्षा संस्थानों के कैम्पसों से लगातार क्षेत्र नस्ल रंग भेद को लेकर सहपाठी छात्र-छात्राओं के साथ अमानवीयता भरा दुर्व्यवहार करने के समाचार आते रहते हैं। इनका सबसे दुखद पहलू यह है कि कई मामलों में पीड़ित छात्र-छात्रा उत्पीड़न से तंग आकर सुसाइड जैसे कदम उठा रहे हैं। यह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक विषय है। सवाल उठता है कि हमारे कैम्पसों का माहौल टार्चर सेंटर में तब्दील क्यों हो रहा है? सीनियर छात्र जूनियर छात्रों को रैगिंग के नाम पर उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की हदें पार क्यों कर रहे हैं? ताजा मामलों में ओडिशा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के हॉस्टल में एक नेपाली छात्रा का शव बरामद हुआ। आरोप लगाया गया है कि छात्रा को उत्पीड़न कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। इस मामले में अब तक 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। छात्रा के बैचमेट भारतीय छात्र के साथ ही मंगलवार को केआइआइटी के तीन डायरेक्टर और दो सिक्योरिटी गार्ड्स को अरेस्ट किया गया। वहीं एक अन्य घटना कर्नाटक के एक मेडिकल कॉलेज में कश्मीरी छात्र के साथ मारपीट और रैगिंग की सामने आयी है। अनंतनाग जम्मू-कश्मीर के रहने वाले सेकेंड ईयर के एमबीबीएस छात्र हमीम के साथ अल-अमीन मेडिकल, विजयपुरा में मंगलवार को क्रिकेट मैच के दौरान यह घटना घटी। 2019 बैच के सीनियर छात्रों ने हमीम को रैगिंग का शिकार बनाया, उसे धमकाया और मारा-पीटा। उन्होंने उसे जबरन माफी मांगने का वीडियो भी रिकॉर्ड करवाया। जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने इस घटना की निंदा की है और कर्नाटक के मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। हाल ही में 15 जनवरी को कोच्चि के त्रिपुनीधारा में 15 साल के एक नाबालिग छात्र मिहिर ने हॉस्टल की छब्बीसवीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी थी। आरोप है कि उसे रंगभेद की वजह से सहपाठियों द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। इससे पहले गुजरात के एक मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्र अनिल मेघानिया को सीनियर छात्रों द्वारा रैगिंग के नाम पर तीन घंटे लगातार डांस करने के लिए मजबूर किया गया। छात्र की मौके पर ही मौत हो गई थी। यह मामले तो नमूनाभर हैं, आए दिन हमारे कॉलेज कैम्पसों से शारीरिक मानसिक दैहिक शोषण की खबरें आ रही हैं। बता दें कि नेपाली छात्रा से जुड़े ताजा मामले की जांच के लिए ओडिशा सरकार ने मंगलवार को गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव और उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव वाली हाई लेवल फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है। दरअसल, 16 फरवरी की शाम बी-टेक थर्ड ईयर की स्टूडेंट प्रकृति लामसाल का शव कॉलेज के हॉस्टल में मिला था। कहा गया कि उसने आत्महत्या की है। छात्रा की मौत पर कॉलेज के अन्य इंटरनेशनल छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रकृति के बैच का ही भारतीय छात्र उसे प्रताड़ित कर रहा था। स्टूडेंट्स का कहना है कि शिकायतों के बाद भी यूनिवर्सिटी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। वहीं, सोशल मीडिया पर यूनिवर्सिटी के नेपाली छात्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि लड़की का मर्डर किया गया था। एक छात्र ने बताया कि हम लोग प्रदर्शन कर रहे थे। यूनिवर्सिटी स्टाफ आए और हॉस्टल खाली करने को कहा। जो लोग जल्दी से सामान पैक नहीं कर रहे थे, उन्हें मारा गया। हमें जबरन हॉस्टल खाली करने पर मजबूर कर दिया गया। दो बसों में भरकर हमें कटक रेलवे स्टेशन पर उतार दिया गया। ओडिशा के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी कैंपस में प्रदर्शनकारी स्टूडेंट के साथ गलत व्यवहार पर स्टाफ और यूनिवर्सिटी ने माफी मांग ली है। यह प्रदर्शन यूनिवर्सिटी की एक नेपाली स्टूडेंट के सुसाइड के बाद हुआ था। प्रदर्शन से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था। वीडियो में यूनिवर्सिटी की एक प्रोफेसर मंजूषा पांडे कहती हैं कि हम 40 हजार से ज्यादा स्टूडेंट को मुफ्त में खाना खिला रहे और पढ़ा रहे हैं। वहीं एक महिला कर्मचारी जयंती नाथ ने चिल्ला कर कहा कि यह आपके देश के बजट के बराबर है। सवाल उठता है कि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को हैवानियत का निशाना बनाकर कब तक मौत के मुंह में जाने के लिए मजबूर किया जाएगा? क्या हमारे कैंपस अव्याशी और अपराध के अड्डे बन रहे हैं? कई राज्यों के कालेज कैंपसों में नशीले पदार्थों की सप्लाई और नशाखोरी के समाचार भी चिंताजनक हैं। सरकार को कैंपसों को बरबाद होने से बचाने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए।

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी

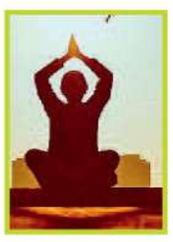

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

ऐसे काम न करें, जिनसे समाज में गलत संदेश जाएं

संकलित
प्रेरणा

परमहंस जी अपने शिष्यों को नियमित रूप से उपदेश दिया करते थे। एक दिन जब वे उपदेश दे रहे थे, उस समय एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन साधु-संतों के लिए इतने कठोर नियम क्यों हैं? परमहंस जी ने शिष्य से कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिनसे समाज को अच्छा संदेश मिलता है। ये बात साधु-संतों को खासतौर पर ध्यान रखनी चाहिए। आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम कर सकते हैं, लेकिन साधु-संत को हर हाल में गलत कामों से दूर ही रहना चाहिए। साधु-संतों को धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से भी बचना चाहिए। तभी वे समाज को अच्छा संदेश दे सकते हैं। शिष्य ने फिर पूछा कि साधु-संतों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों हैं? जबकि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं। परमहंस जी ने शिष्य को समझाया कि त्याग का संदेश साधु-संत नहीं देंगे तो और कौन दे सकता है। साधु-संत अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देते हैं। साधु-संत हमें बताते हैं कि हमें किसी भी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। परमहंस जी ने साधु-संतों के माध्यम से संदेश दिया है कि अगर हम घर-परिवार और समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं तो हमें इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

कहानी बड़ी सुहानी : कोई वजन नहीं

हरिओम गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

एक महात्माजी तीर्थयात्रा के सिलसिले, में पहाड़ पर चढ़ रहे थे ।
पहाड़ ऊंचा था ।
दोपहर का समय था और
सूर्य भी अपने चरम पर था ।
तेज धूप, गर्म हवाओं और शरीर से टपकते पसीने की वजह से महात्मा काफी परेशान होने के साथ दिक्कतों से बेहाल हो गए थे ।
महात्माजी सिर पर पोटली रखे हुए, हाथ में कमंडल थामे हुए दूसरे हाथ से लाठी पकड़कर जैसे-तैसे पहाड़ चढ़ने की कोशिश कर रहे थे ।
बीच-बीच में थकान की वजह से वह सुस्ता भी लेते थे, पहाड़ चढ़ते -चढ़ते जब महात्माजी को थकान महसूस हुई तो वह एक पत्थर के सहारे टिककर बैठ गए ।
थककर चूर हो जाने की वजह से उनकी सांस ऊपर-नीचे हो रही थी, तभी उन्होंने देखा कि एक लड़की पीठ पर बच्चे को उठाए पहाड़ पर चढ़ी आ रही है ।
वह लड़की उम्र में काफी छोटी थी और पहाड़ की चढ़ाई चढ़ने के बाद भी उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी, वह बगैर थकान के पहाड़ पर कदम बढ़ाए चली आ रही थी ।
पहाड़ चढ़ते-चढ़ते जैसे ही वह लड़की महात्मा के नजदीक पहुंची, महात्माजी ने उसको रोक लिया, और लड़की के प्रति दया और सहानुभूति जताते हुए उन्होंने उस लड़की को कहा कि बेटी पीठ पर वजन ज्यादा है, धूप तेज गिर रही है, थोड़ी देर सुस्ता लो ।
उस लड़की ने बड़ी हैरानी से महात्मा की तरफ देखा और कहा कि महात्माजी, आप यह क्या कह रहे हैं ?? वजन की पोटली तो आप लेकर चल रहे हैं मैं नहीं ।
मेरी पीठ पर कोई वजन नहीं है,
मैं जिसको उठाकर चल रही हूं, वह मेरा छोटा भाई है, और इसका कोई वजन नहीं है ।
महात्मा के मुंह से उसी वक्त यह बात निकली - क्या अद्भुत वचन है।
ऐसे सुंदर वाक्य तो मैंने वेद, पुराण, उपनिषद और दूसरे धार्मिक शास्त्रों में भी नहीं देखे हैं...!!!
सच में जहां आसक्ति है, ममत्व है, वहीं पर बोझ है वजन है.....
किन्तु जहां प्रेम है वहां कोई बोझ नहीं वजन नहीं है।

- ये लेखक के अपने विचार हैं

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

उनकी माया (अहंबुद्धि) से आत्मा का स्वरूप ढक गया है इसी से जीव अपने स्वरूप को नहीं जान पाता। वे अनन्त हैं उनकी महिमा अपार है। सर्वान्तर्यामी परमात्मा इस समस्त ब्रह्माण्ड को सब ओर से व्याप्त करके स्थित है। ब्रह्माण्ड में व्यापक होते हुए भी इससे परे भी है। सब जीवों का शासक सबको नियम के अंदर रखने वाला व परमात्मा ही है। भूत, भविष्य और वर्तमान काल से संबंध रखने वाला जितना भी जगत है, य सब उस पुरुष की महिमा है, परमात्मा की विभूति का विस्तार है। वह अमृत स्वरूप अविनाशी है। वह परमात्मा अज्ञान के कार्यभूत इस संसार से पृथक्, यां के गुण दोषों से अछूता है। उसका एक अंश मात्र माया के सम्पर्क में आकर यां जगत रूप में उत्पन्न हुआ फिर वह मायावश जड़ चेतन सभी नाना प्रकार की सृष्टि के रूप में स्वयं ही फैलकर सब ओर व्याप्त हो गया। उस आदि पुरुष परमात्मा ने इस ब्रह्माण्ड की रचना कर उसमें जीव रूप से प्रवेश किया। उस परमात्मा की ही यज्ञ पुरुष के रूप में कल्पना की गई है। उसी से समस्त पशु (जीव) आदि उत्पन्न हुए। उसी से चारों वेद, गायत्री आदि छन्द उत्पन्न हुए। उसी से प्रजापति आदि, चारों वर्ण, सूर्य, चन्द्रमा, अग्नि और वायु उत्पन्न हुए। उसी से सब लोक, समुद्र आदि उत्पन्न हुए। कहने का तात्पर्य है समस्त जगत उस परमात्मा का ही विस्तार है। **क्रमशः**

करंट अफेयर

अफगानिस्तान महिला रेडियो स्टेशन का प्रसारण होगा बहाल

अफगानिस्तान में तालिबान शासन द्वारा लगाई गई रोक हटाए जाने के बाद एक अफगान महिला रेडियो स्टेशन का प्रसारण फिर से शुरू होगा। तालिबान ने लाइसेंस का अनुचित उपयोग करने का हवाला देते हुए स्टेशन का संचालन रोक दिया था।'रेडियो बेगम' की शुरुआत मार्च 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुई थी। इसके पांच महीने बाद ही अमेरिका और नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के सैनिकों की वापसी के बीच तालिबान ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। स्टेशन पर प्रसारित की जाने वाली सामग्री अफगान महिलाओं द्वारा तैयार की जाती है। इसका सहयोगी उपग्रह चैनल 'बेगम टीवी' फ्रांस से संचालित होता है और सातवीं से 12वीं कक्षा तक के अफगान स्कूली पाठ्यक्रम को कवर करने वाले कार्यक्रम प्रसारित करता है। तालिबान ने देश में महिलाओं और लड़कियों की छठी कक्षा से आगे की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया है। तालिबान के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय ने शनिवार रात जारी एक बयान में कहा कि 'रेडियो बेगम' ने परिचालन पुनः आरंभ करने की अनुमति के लिए 'कई बार अनुरोध' किया था।

ऑफ बीट

घुटने के गठिया में एक्स-रे से सर्जरी की संभावना ज्यादा

गठिया, जोड़ों में होने वाले बदलावों और जोड़ों द्वारा अपनी सामान्य स्थिति बरकरार रखने के लिए अतिरिक्त मेहनत करने के कारण होता है। यह हड्डियों, कार्टिलेज, स्नायुबंधन और मांसपेशियों सहित पूरे जोड़ को प्रभावित करता है। घुटने के गठिया से पीड़ित कई लोगों को लगातार दर्द महसूस होता है और उन्हें रोजमर्रा की गतिविधियों जैसे चलने और सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई होती है। यद्यपि गठिया के लिए इस तरह की सर्जरी को अक्सर अपरिहार्य माना जाता है, लेकिन इस पर केवल उन लोगों के लिए विचार किया जाना चाहिए जिनके लक्षण गंभीर हैं और जिन्होंने पहले से ही दवाओं से उपचार की कोशिश की है। सर्जरी से रक्त का थक्का जमने या संक्रमण जैसी गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का खतरा रहता है, तथा हर कोई पूरी तरह ठीक भी नहीं हो पाता। केवल एक्स-रे के आधार पर सर्जरी से जुड़े फैसले लेने पर भी कई सवाल खड़े होते हैं। यही कारण है कि घुटने के गठिया के उपचार संबंधी निर्णय लेने के लिए नियमित एक्स-रे की सिफारिश नहीं की जाती है।

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ की आगामी आमसभा 1 मार्च को

प्रदेश की 247 मण्डियां, दाल मीलें, तेल मीलें, आटा मीलें व मसाला उद्योग 2 मार्च तक रहेंगे बंद

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ की साधारण आमसभा आज दिनांक 25-02-2025 को संघ के चेयरमेन बाबूलाल गुप्ता की अध्यक्षता में दोपहर 2.00 बजे राजधानी मण्डी परिसर में आयोजित हुई। जिसमें प्रदेशभर से 247 मण्डियों के व्यापारी, तेल मिल, दाल मिल, आटा मिल व मसाला उद्योगों के व्यापारी एवं इनके प्रतिनिधियों सहित करीब एक हजार लोग मीटिंग में शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में संघ की तीन मुख्य मांगों सहित जिसमें कृषक कल्याण फीस समाप्त नहीं करने, बाहर से आयात होने वाली कृषि जिंसों पर मण्डी टैक्स व कृषक कल्याण फीस समाप्त नहीं करने, मोटे अनाज श्रीअन्न पर आड़त 2.25 प्रतिशत नहीं करने एवं अन्य मांगे प्रतिवेदन के अनुसार; का समाधान राज्य सरकार द्वारा नहीं करने पर भारी रोष व्यक्त किया गया और जब तक राज्य द्वारा इन सभी मांगों का समाधान नहीं किया जायें तो बंद को आगे बढ़ाने पर सभी की राय रही। इसके बाद साधारण आमसभा की मीटिंग में यह प्रस्ताव पास किया गया कि प्रदेश की 247 मण्डियों, तेल मीलों, दाल मीलों, आटा मीलों व मसाला उद्योगों का 23 फरवरी से 26 फरवरी तक चार दिवसीय बंद को 2 मार्च तक बढ़ाया जाता है और राजस्थान संघ आगामी साधारण आमसभा 1 मार्च, शनिवार को आयोजित की जायेगी, जिसमें आंदोलने की अग्रिम रूपरेखा तय की जायेगी। आमसभा में प्रदेश भर से व्यापारी शामिल हुए। जिसमें अलवर, बीकानेर, नोहर, हनुमानगढ़ जंक्शन, हनुमानगढ़ टाउन, पीलीबंगा, श्रीविजयनगर, उदयपुर, रावला मण्डी, बूंदी, चौमू, दौसा, विजयनगर, बड़ौदामेव, मण्डावरी, बयाना, खाजूवाला, खैरथल, खेरली, गोलूवाला, केकड़ी, कुचामनसिटी, सुमेरपुर, श्रीमाधोपुर, श्रीगंगानगर, मेड़तासिटी, जयपुर, गुलाबपुरा, राजसमन्द, कांकरोली, बांदीकुई, बारां, नागौर, लालसोट, गंगापुरसिटी, भादरा, भवानीमण्डी, हिण्डौनसिटी, टोंक, महवा, रावतसर आदि मण्डियों से मण्डी व्यापारी एवं मिलर्स एवं उद्योगपति बड़ी संख्यया में शामिल हुए।

आंदोलन के मुख्य बिन्दु कृषक कल्याण फीस समाप्त की जानी चाहिये, बाहर से आयात होने वाली कृषि जिंसों पर मण्डी टैक्स व कृषक कल्याण फीस समाप्त की जानी चाहिये, मोटे अनाज श्रीअन्न पर आड़त 2.25 प्रतिशत की जायें, मण्डी सेस 1 प्रतिशत किया जायें, जीरा व ईसबगोल पर मण्डी सेस व आड़त यथावत रहेगी, धनिया पर मण्डी सेस जीरे की तरह प्रभावी किया जायें आदि।

हनुमानगढ़ व गंगानगर जिलों में सभी कृषि जिंसों की खरीद आड़तियों के मार्फत समर्थन मूल्य पर की जायें, नाम परिवर्तन पर 0.50 प्रतिशत राशि वसूल की जायें, प्याज को मसाला की कैटेगरी में लाया जायें, राजस्थान की सभी मण्डियों में व्यापार संघों को लैब लगाने की स्वीकृति दी जायें, किराये की दुकानों का मालिकाना हक देते समय दुकान की लागत में डिडक्शन किया जायें; धनिया, कस्तूरी मेथी, ईसबगोल, जीरा आदि के लिये अलग से उद्योग पार्क बनायें जायें, गंगापुरसिटी की 67 बीघा भूमि में भूखण्ड आवंटन किये जायें, सरसों पर मण्डी टैक्स समाप्त किया जायें, पुरानी मीलों को भी नयी मीलों की भांति कम-से-कम 50 प्रतिशत छूट दी जायें, बयाना मण्डी के 40 साल पूर्व के पट्टों को रिवेलिडेट किया जायें, अजमेर मण्डी की तीन वर्ष पूर्व जली दुकानों को शीघ्र बनाया जायें, सभी व्यापार संघों को निःशुल्क भूखण्ड आवंटित किये जायें, दुकानों के निर्माण की उंचाई 8 फीट की जगह 15 फीट की स्वीकृति दी जायें, अनाज मण्डी मुहाना को व्यापार भवन हेतु रियायती दर पर भूखण्ड आवंटित किया जायें, आवंटित भूखण्डों की बकाया राशि पर ब्याज-पेनल्टी माफ की जायें, टोडारायसिंह में प्लेटफॉर्म बनायें जायें, सभी दुकानों के विभाजन स्वीकार किया जायें, बिलाड़ा मण्डी में टीनशेड बनायें जायें; नोखा, बीकानेर व सुमेरपुर के गोदामों को नियमितिकरण किया जायें; श्रीगंगानगर, कुचामनसिटी व अन्य मण्डियों में भी धर्मकांटा लगाये जायें, फतेहनगर मण्डी में डोम बनायें जायें, बड़ी सादड़ी में महिला शौचालय बनाये जायें, मण्डी प्रीमियर लीग की योजना लायी जायें, भरतपुर मण्डी में 17 साल से लम्बित भूखण्डों का आवंटन किया जायें, हनुमानगढ़ जंक्शन मण्डी में सड़कें व नालियां बनायी जायें, छोटे जिलों में स्थित अनाज मण्डी व फल-सब्जी मण्डी में विकास एवं सफाई हेतु राज्य सरकार अनुदान राशि दें तथा फल-सब्जी मण्डी में कृषक कल्याण फीस समाप्त कर यूजर चार्ज लगाया जायें। इनका समाधान शीघ्र निदेशक महोदय के स्तर पर अपेक्षित है। राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ के चेयरमेन बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि उक्त सभी मांगों एवं समस्याओं का समाधान राज्य सरकार द्वारा नहीं करने पर भारी रोष व्यक्त किया गया और जब तक राज्य द्वारा इन सभी मांगों का समाधान नहीं किया जायें तो बंद को आगे बढ़ाने पर सभी की राय रही। इसके बाद आमसभा की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया कि प्रदेश की 247 मण्डियों, तेल मीलों, दाल मीलों, आटा मीलों व मसाला उद्योगों का 23 फरवरी से 26 फरवरी तक चार दिवसीय बंद 2 मार्च तक बढ़ाया जाता है और राजस्थान संघ साधारण आमसभा 1 मार्च, शनिवार को आयोजित की जायेगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी सम्मानित

डीजीपी ने केंद्रीय गृह मंत्री पदक, अति उत्कृष्ट सेवा पदक, उत्कृष्ट सेवा पदक, एवं डीजीपी डिस्क से किया सम्मानित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में राजस्थान पुलिस अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को केंद्रीय गृह मंत्री पदक,डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्ट सेवा पदक व उत्कर्ष सेवा पदक प्रदान कर सम्मानित किया। परेड में चतुर्थ एवं पांचवी बटालियन आरएसी, जयपुर आयुक्तालय की महिला पुलिसकर्मी, आयुक्तालय जयपुर के पुरुष पुलिस कर्मी व यातायतकर्मी, हाड़ी रानी महिला बटालियन, अजमेर, ईआरटी पांचवी बटालियन आरएसी, जयपुर एवं राजस्थान पुलिस अकादमी से एक-एक कुल आठ प्लाटून सम्मिलित हुई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी आने वाले समय में और अधिक जोश में ऊर्जा के साथ अपने कार्य क्षेत्र में प्रदत्त कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा के साथ पालन करें।

8 को केंद्रीय गृहमंत्री पदक से सम्मान

केंद्रीय गृह मंत्री पद से सम्मानित होने वालों में उप महानिरीक्षक पुलिस गौरव यादव, पुलिस उपायुक्त अमित कुमार,सहायक पुलिस उपायुक्त गुमानाराम, पूर्व पुलिस निरीक्षक अमित सिहाग (मरणोपरांत) , पुलिस निरीक्षक सज्जन कँवर एवं पूनम चौधरी,सहायक पुलिस निरीक्षक मदनलाल मीणा, हेड कांस्टेबल पूसाराम शामिल है। कार्यक्रम में मरणोपरान्त गृह मंत्री पदक से सम्मानित अमित सिहाग की पत्नी संतोष चौधरी ने सम्मान प्राप्त किया।

डीजीपी डिस्क से सम्मानित

डीजीपी डिस्क से सम्मानित होने वालों में महानिदेशक (एसीबी) डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा,महानिदेशक (इंटेलिजेंस) संजय अग्रवाल, महानिदेशक (जेल) गोविंद गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सिविल राइट्स एंड एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) मालिनी अग्रवाल, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) विशाल बंसल, अतिरिक्त महानिदेशक (एटीएस एवं एसओजी) विजय कुमार सिंह, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विपिन कुमार पांडे, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (जेल) रूपिंदर सिंघ,अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (आरपीए) लता मनोज कुमार, महानिरीक्षक प्रफुल्ल कुमार, राजेश मीणा,गौरव श्रीवास्तव, एस.प्रमिला,ओमप्रकाश, जयनारायण शेर एवं कैलाश चंद्र जाट (सेवानिवृत्त),उप महा निरीक्षक हरेंद्र कुमार महावर, राहुल कोटोकी, डॉक्टर राहुल जैन, राजेंद्र प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप,उप महानिरीक्षक प्रदीप मोहन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ रामेश्वर सिंह, पुलिस अधीक्षक गौरव यादव, अरशद अली, चूनाराम जाट एवं सुधीर चौधरी शामिल हैं।

11 को अति उत्कर्ष सेवा पदक सम्मान

महानिदेशक, एसीबी डॉ रवि प्रकाश मेहरडा, महानिदेशक एससीआरबी हेमंत प्रियदर्शी, महा निरीक्षक पुलिस रवि दत्त गौड़, पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह, महानिरीक्षक पुलिस जय नारायण, महानिरीक्षक पुलिस सत्येंद्र सिंह, महानिरीक्षक पुलिस (सेवानिवृत्त) सवाई सिंह गोदारा , उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, उप महानिरीक्षक (सेवानिवृत्त) समीर कुमार सिंह , उपमहानिरीक्षक जगदीश चंद्र शर्मा, उप महानिरीक्षक पुलिस राजेंद्र प्रसाद गोयल शामिल है।

विशेषः राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी

हमारे सौर मंडल में एक प्राकृतिक सूरज तो है ही, जिससे असीमित ऊर्जा निरंतर निकलती रहती है। लेकिन अब भारतीय वैज्ञानिकों समेत दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर एक कृत्रिम छोटा सूरज यानी मिनी सन का निर्माण कर रहे हैं। कैसा है धरती का यह सबसे बड़ा और महंगा प्रोजेक्ट, कैसे करेगा यह अपना कार्य? इसके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

भारतीय वैज्ञानिकों की मदद से बन रहा

धरती पर पहला मिनी सन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

हाल ही में फ्रांस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) यानी दुनिया के उस प्रोजेक्ट को देखने गए, जिसके तहत धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश हो रही है। यह कोशिश दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भी हैं।

सबसे बड़ा-महंगा प्रोजेक्टः दुनिया के इस सबसे बड़े एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 2006 में फ्रांस के राष्ट्रपति भवन एलिसी पैलेस में हुई, जहां दुनिया के कई देश इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर साथ-साथ काम करने को राजी हुए। ये देश थे- अमेरिका, यूरोपीय यूनियन के देश, रूस, चीन, भारत और दक्षिण कोरिया। आज इस प्रोजेक्ट में 30 देश अपना योगदान दे रहे हैं।

हमारा देश न केवल इस प्रोजेक्ट की लागत में हिस्सेदारी कर रहा है, बल्कि हमारे कई वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट की कोर टीम का हिस्सा भी हैं। दरअसल, सूरज में जिस प्रक्रिया से ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस प्रोजेक्ट का मकसद उसी प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न करना है। एक तरह से वैज्ञानिक धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अब तक का दुनिया का सबसे महंगा और महत्वाकांक्षी एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट है, जो अगर सफल हुआ तो असीमित मात्रा में बिजली पैदा करेगा।

असीमित ऊर्जा का होगा उत्पादनः इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की सबसे बड़ी 'टोकामक' बनाई जा रही है। टोकामक रशियन शब्द है, जिसका मतलब एक ऐसी मशीन है, जिसका इस्तेमाल परमाणु नाभिकीय संलयन से ऊर्जा पाने के लिए किया जाता है। वास्तव में यह एक एक्सपेरिमेंटल डिवाइस है, इसमें चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके प्लाज्मा को 'डोनट' के आकार में सीमित कर दिया जाता है। इस आकार को वैज्ञानिकों की भाषा में टोरस कहते हैं। यह वैक्यूम वेसल 'सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट' होता है। टोकामक में गरम प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया होता है। टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इंसुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।

आसान नहीं है यह प्रोजेक्टः इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है, न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन में महारत हासिल करना। न्यूक्लियर फ्यूजन, सूर्य और बाकी तारों में होने वाली एक प्रक्रिया है, जिससे उनमें गर्मी पैदा होती है। हालांकि पृथ्वी पर न्यूक्लियर फ्यूजन की नकल करके एक मिनी सूरज बना लेना बेहद मुश्किल है। यदि ऐसा हो गया तो हमें असीमित मात्रा में ऊर्जा मिल सकती है। साथ ही यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी नहीं करेगी। दुनिया में जो न्यूक्लियर एनर्जी इस्तेमाल की जाती है, वो परमाणु विखंडन यानी न्यूक्लियर फिजन से हासिल होती है, इस प्रक्रिया में रेडियोएक्टिव कचरा पैदा होता है, जबकि न्यूक्लियर फ्यूजन में किसी तरह का कचरा नहीं निकलता।

मिनी सन का स्ट्रक्चर-फंक्शनिंगः इस प्रोजेक्ट के तहत जो मिनी सूरज बनाया जा रहा है, उसमें असीमित ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए दो हाइड्रोजन परमाणुओं को बहुत अधिक वेग से एक-दूसरे की तरफ धकेला जाता है, इससे ये दोनों जुड़कर हीलियम परमाणु बनाते हैं। साथ ही इस दौरान न्यूट्रॉन भी बनता है, जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निकलती है। प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों का मानना है कि फ्यूजन से एनर्जी पैदा करना अपने आप में कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इसे लगातार बनाए रखना मुश्किल है। इसी तकनीक को हासिल करने के लिए वैज्ञानिक और टेक्निकल एक्सपर्ट दशकों से मेहनत कर रहे हैं। आईटीईआर प्रोजेक्ट का आकार इतना बड़ा है, जिसमें 39 बड़ी इमारतें बन सकती हैं। न्यूक्लियर फ्यूजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस टोकामक का वजन 23,000 टन है। यह वजन तीन एफिल टावर के संयुक्त वजन के बराबर है। इस रिएक्टर में दस लाख घटक शामिल हैं, जो कम से कम एक करोड़ छोटे भागों में बंटे हुए हैं। रिएक्टर में लगभग 4,500 कंपनियों से जुड़े सैकड़ों वैज्ञानिक और कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। शुरू में प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5 अरब डॉलर थी, समय के साथ यह बढ़कर 22 अरब डॉलर हुई। अब अमेरिका के ऊर्जा विभाग का अनुमान है कि प्रोजेक्ट की कीमत 65 अरब डॉलर तक हो सकती है। इस खर्च को देखते हुए ही इसे दुनिया का सबसे मंहगा वैज्ञानिक प्रोजेक्ट कहा जा रहा है।

शुरू होने में लगेंगे कुछ वर्षः प्रोजेक्ट की शुरुआत में माना जा रहा था कि यह प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन जुलाई 2024 तक रिएक्टर सिर्फ पूरी तरह से असेंबल हो पाया था। अब अनुमान है कि 2039 तक यह प्रोजेक्ट काम करना शुरू कर सकता है। *

एक्सपर्ट कमेंट

इस मिनी सूरज प्रोजेक्ट का सात सालों तक नेतृत्व करने वाले फ्रांस के बर्नार्ड बिगोट ने एक बार कहा था, 'हम यहां जो करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर उसमें सफल रहे यानी मिनी सूरज बना लिया तो फिर इंसान द्वारा बनाया गया यह सूरज कभी नहीं डूबेगा' यानी यह 'फ्यूजन पावर प्लांट' हर समय चलता रहेगा।'

भारत की है महत्वपूर्ण भूमिका

भारत इस प्रोजेक्ट का शुरू से ही हिस्सा है। हम इस प्रोजेक्ट में 10 प्रतिशत खर्च की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। हमने इस प्रोजेक्ट के लिए 17,500 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। साथ ही करीब 25 से 30 भारतीय वैज्ञानिक हमेशा इस प्रोजेक्ट में मौजूद होते हैं। यूरोपीय संघ प्रोजेक्ट की लागत का 45 प्रतिशत खर्च उठा रहा है। हमारा इस मायने में एक और अहम योगदान है कि रिएक्टर को ठंडा करने के लिए जिस 'क्रायोस्टेट फ्रीजर' का इस्तेमाल हो रहा है, उसे हमारी लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने ही बनाया है। यह क्रायोस्टेट फ्रीजर दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा फ्रीजर है। यह टोकामक के अंदर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट और वैक्यूम वेसल के बाहर लगता है और इससे रिएक्टर को -193 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाएगा। क्रायोस्टेट 54 यूनिट्स से मिलकर बना है, इसे 2020 में फ्रांस भेजा गया था। इस क्रायोस्टेट का वजन 3,800 टन है और इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार की आधी है। इस फ्रीजर की वजह से प्रोजेक्ट में भारत की भागीदारी बहुत अहम हो गई है।

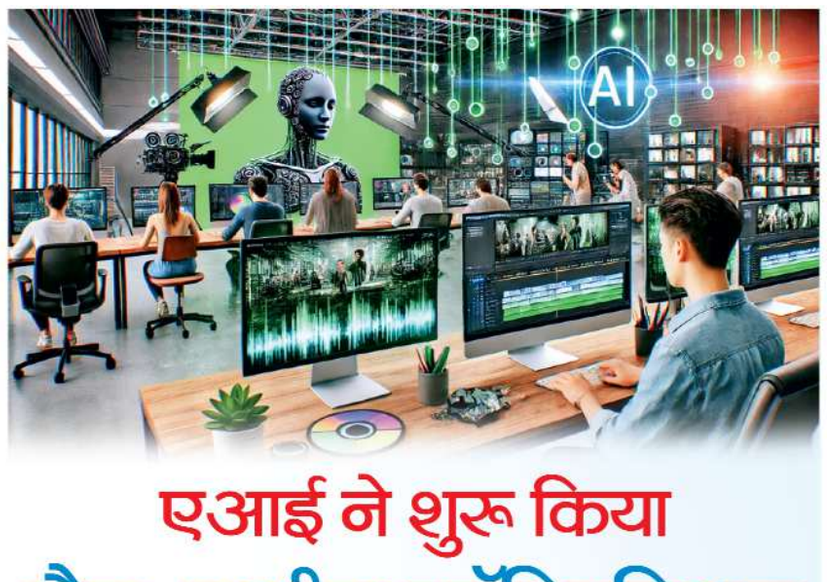

एआई ने शुरू किया मैन-मशीन कॉम्पिटिशन

वैज्ञानिक प्रगति आज उस मुकाम पर पहुंच चुकी है कि इंसान के द्वारा निर्मित मशीन, इंसान को ही चुनौती दे रही है। हालात ये हो गए हैं कि कई स्तरों पर एआई, इंसान को मात देने लगी है। इनके कॉम्पिटिशन का परिणाम क्या होगा, वक्त ही बताएगा।

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

हालांकि दशकों से कहा जा रहा है कि इंसान और मशीन में वर्चस्व की जंग शुरू होने वाली है। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में मशीन वाकई इंसान के साथ प्रतिस्पर्धा के कई मोर्चों पर इंसान की क्षमताओं को मात देकर आगे निकल रही है।

कई मामलों में बहुत आगे है मशीनः आज डेटा प्रोसेसिंग के मामले में जीनियस से जीनियस इंसान भी एआई यानी आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का सामना नहीं कर सकता। डेटा प्रोसेसिंग मामले में इंसान एआई के सामने कहीं नहीं टिकता है। यहां एआई इंसान से सैकड़ों नहीं हजारों गुना तेज और कुशल हो चुका है। लेकिन बात यहीं तक सीमित नहीं है। मशीन अब सिर्फ कैलकुलेट भर नहीं करती, वह सोचने में भी सक्षम है। यही नहीं इस कारण से मशीन जटिल निर्णय लेने में भी माहिर हो रही है। डीप लर्निंग, नैनो प्रोसेसिंग और न्यूरल नेटवर्क्स ने एआई की संभावनाओं को चमत्कारिक बना दिया है।

मशीन से सीख रहा इंसानः इंसान कई मामलों में न केवल एआई से बहुत कुछ सीख रहा है बल्कि उससे प्रेरित भी हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की चुनौतियों के चलते इंसान ने अपनी सोचने और समझने की क्षमता को कहीं ज्यादा तीव्र, परिष्कृत और नए आयामों तक पहुंचने के संदर्भ में निखारा है। क्योंकि इसे जंग कहें या न कहें लेकिन इंसान ने इस बात को भली-भांति जान लिया है कि अगर वह नई तकनीक को अपनाने में पीछे रहेगा तो मशीन उसे हर हाल में पछाड़ देगी। इसके बावजूद कि भले लेखन, संगीत, चित्रकला और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एआई क्रिएटिव रोल निभाता दिख रहा हो, लेकिन यह भूमिका उसके सेल्फ डिसीजन का नतीजा नहीं है, यह उसे हासिल निर्देशों का रिजल्ट होता है। लेकिन कौन जाने जीपीटी-4, डीएएलएल-ई, डीएएलएल-ई 2 और डीएएलएल-ई 3 जैसे टूल्स के बाद मशीन ओरिजिनल क्रिएटिविटी के मामले में भी इंसान को मात देने की कोशिश करे।

लाजवाब है रोबोटिक टेक्नीकः हाल के दिनों में मशीन ने जिन और कई क्षेत्रों में इंसान को हैरान या कहें कि हतोत्साहित किया है, वह सेल्फ ड्राइविंग, ऑटोएक्टिव ड्रोन और रोबोटिक असिस्टेंस का तकनीकी क्षेत्र है। आज इंसान से कहीं बेहतर कार ड्राइविंग एआई नियंत्रित रोबोट कर रहा है। ऑटोड्राइवर ड्रोन भी इंसान के अनुमान से कहीं ज्यादा सटीक लक्ष्य पर वार कर रहा है। विभिन्न सहायता क्षेत्रों में जिस तरह की असिस्टेंस आज एआई प्रदान कर रही है, निःसंदेह वह इंसान के बस में नहीं है। कहना चाहिए आटोनोमस सिस्टम को एआई ने सिर्फ क्रांतिकारी ही नहीं बनाया हैरान करने की हद तक उपयोगी और सटीक भी बनाया है।

मैन्युफेक्चरिंग और हेल्थ केयर के मामले में भी मशीन, इंसान से किसी हद तक जंग जीत चुकी है या कहें वह अपर हैंड है। जितनी सफाई से आज कोई रोबोट, सर्जन की सर्जरी के दौरान मदद करता है, कोई भी नर्स उतनी सफाई से मदद नहीं कर पाती। लेकिन हां, एक मामले में एआई नर्स के सामने पिछड़ जाता है कि नर्स बिना किसी कमांड के भी कई निर्णय अपनी बुद्धिमत्ता से ले लेती है, जो एआई के बस में नहीं है।

कुछ घटी-कुछ बढ़ी हैं जॉब्सः एआई के कारण आज ऑटोमेशन के कई सेक्टर में इंसान के लिए जॉब या तो खत्म हो गए हैं या बहुत कम रह गए हैं। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि एआई ने नई इंडस्ट्रीज और रोजगार के क्षेत्र भी बनाए हैं। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग, एआई विकसित इंडस्ट्रीज हैं। रोजगार के क्षेत्र में एथिक्स और लर्निंग को एआई ने नए आयाम दिए हैं।

सच तो यह है कि जिस तरह से एआई ने हाल के सालों में इंसान को चौंकाया, छकाया और कई क्षेत्रों में हराया भी है, उससे आदमी प्रेरित होकर खुद चौकन्ना हो रहा है, जिससे कि वह एआई के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके और पहली बार दुनिया में मैन-मशीन की आशंकित जंग के बजाय एक साझा युग शुरू हो। *

क्रिएटिविटी में इंसानों से पीछे मशीन

हालांकि डेटा एप्लीकेशन का निर्णय लेने के मामले में, उसके संदर्भों को एनालाइज करने में इंसान एआई से आज भी कोसों आगे है। इसी तरह देखें तो क्रिएटिविटी के मामले में भी भले एआई, इंसान को टक्कर दे रही हो, लेकिन उसकी यह टक्कर अभी क्रिएटिविटी को सिमुलेट करने तक ही सीमित है, जबकि इंसान अपनी कल्पनाशीलता से नई सोच और नए रेफरेंस विकसित करने में भी माहिर है।

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

प्राचीन-भव्य-विलक्षण
श्रंगेरी मठ के मंदिर

भारत के चारों कोणों पर स्थित भव्य मठों में से एक श्रंगेरी मठ कर्नाटक में स्थित है। आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित इस मठ में कई ऐसे भव्य मंदिर हैं, जो धार्मिक आस्था का तो केंद्र हैं ही, वास्तुकला के भी अद्वितीय उदाहरण हैं। इस मठ और इसके कुछ मंदिरों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

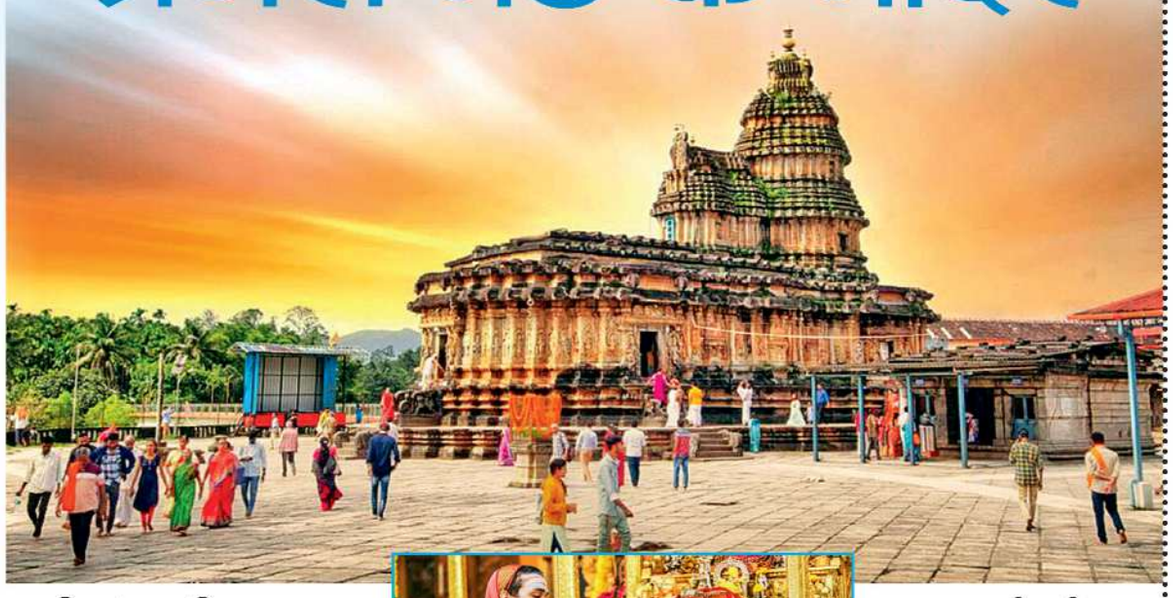

भारत की विविधवर्णी धार्मिक आस्थाओं और संस्कृति का दिग्दर्शन भारत के मंदिरों में निहित है। उत्तर से दक्षिण तक विभिन्न स्थानों पर स्थित हमारे मंदिरों में धार्मिक ज्ञान के अतिरिक्त चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की ओर प्रेरित करने का संदेश भी निहित है।

शंकराचार्य ने की श्रंगेरी मठ की स्थापना

आदि गुरु शंकराचार्य ने चारों धामों की स्थापना में सर्वप्रथम मंडन मिश्र को शास्त्रार्थ में पराजित कर दक्षिण भारत में तुंगा नदी के तट पर श्रंगेरी शारदा पीठ की स्थापना की थी। वर्तमान कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर में यह मठ स्थित है। मंडन मिश्र को सुरेश्वराचार्य नाम देकर, यहां धर्म प्रचार के लिए उनको मठ का प्रथम आचार्य बनाया। तभी से इस श्रंगेरी मठ की सनातन धर्म के मतावलंबियों में बहुत प्रतिष्ठा और मान्यता है।

शारदांबा मंदिर

श्रंगेरी मठ के परिसर में कई मंदिर स्थित हैं। पहला मंदिर मां शारदांबा को समर्पित है। माना जाता है कि यहां ज्ञान की देवी मां शारदा की सबसे प्रचीन प्रतिमा स्थापित है। सोने से बनी मां शारदा की प्रतिमा, बहुत भव्य और मनमोहक है। इस क्षेत्र ही नहीं इसके आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोग भी अपने बच्चों को विद्याध्ययन के आरंभ का संस्कार, मां शारदांबा का आशीर्वाद लेने और उनके सान्निध्य में पूर्ण कराने आते हैं। मंदिर की परिक्रमा में सोने और चांदी से बनी मयूर, वृषभ, गरुड़, सिंह, अश्व, हाथी, वीणा और कामदेव की सुंदर मूर्तियां स्थापित की गई हैं।

विद्याशंकर मंदिर

शारदांबा मंदिर के बाहर, बारहवीं सदी में बने विद्याशंकर मंदिर की शिल्पकला वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है और देखने में अनुपम है। यह मंदिर विजयनगर साम्राज्य के यशस्वी राजा हरिहर-बुक्का द्वारा बारहवीं सदी में बनवाया गया था। यह मंदिर रथनुमा संरचना पर बना है। ऐसी मान्यता है कि रथ के चारों पहिए धरती के अंदर स्थित हैं। भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर की विशेषता यह है कि इसमें बने बारह स्तंभ, बारह राशियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक संक्रांति पर सूर्य जिस राशि में प्रवेश करता है, उस राशि के स्तंभ पर सूर्य की किरण क्रमानुसार पड़ती है। मंदिर के चारों ओर की दीवारों पर पौराणिक कथाओं को दर्शाती

भगवान चंद्र मौलीश्वर की पूजा-आराधना करते आचार्य

हुई अनेक मूर्तियां उत्कीर्ण की गई हैं। इनमें एक प्रतिमा तीर्थंकर भगवान महावीर की भी है, जो हमारे राष्ट्र की धार्मिक एकात्मता का श्रेष्ठ उदाहरण है।

करी जाती है विधिवत पूजा

श्रंगेरी मठ के परिसर में स्थित मां शारदांबा का भव्य मंदिर

मठ के वर्तमान आचार्य पूज्य भारती तीर्थ, रात्रि के समय स्वयं अपने निवास के समीप बने एक विशाल प्रांगण में भगवान चंद्र मौलीश्वर की पूजा करते हैं। सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में दर्जनों विद्वान ब्राह्मणों द्वारा समवेत स्वर में ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद के मंत्रों के साथ भगवान शिव की पूजा की जाती है। इन पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन अपने आप में अलौकिक अनुभव कराते हैं।

मठ स्थापना से जुड़ी पौराणिक मान्यता

श्रंगेरी, श्रंगी ऋषि के नाम पर तुंगा नदी के तट पर बसा एक नगर है। ये वही महान ऋषि के पुत्र श्रंगी थे, जिन्होंने राजा दशरथ का पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। मान्यता है कि वे राजा दशरथ के दामाद थे, जिनका भगवान राम की बहन शांता के साथ विवाह हुआ था। जब आद्य शंकराचार्य नदी पर आए तो उन्होंने यहां एक अद्भुत दृश्य देखा। एक सांप मादा मेंढक के ऊपर, जो गर्भवती थी, अपने फन से छाया किए हुए था। इस करुणामय दृश्य को देखकर ही उन्होंने यहां मठ स्थापित करने का निर्णय लिया। यह दृश्य आज भी नदी के तट पर पाषाण रूप में मौजूद है।

ईश्वरीयगिरि मंदिर

मठ से लगभग 200 मीटर की दूरी पर श्रंगी ऋषि के पिता विभांडक ऋषि का ईश्वरीयगिरि मंदिर है। यहां 165 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। मुख्य सड़क पर बाहर 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मंदिर भी है। यह होयसाल वंश के राजाओं ने बनवाया था। मंदिर में सभी 24 तीर्थंकरों की छोटी मूर्तियों के साथ पार्श्वनाथ की बड़ी प्रतिमा के दोनों ओर सर्प सुशोभित हैं। ऐसी दुर्लभ प्रतिमा शायद ही अन्यत्र हो।

श्रंगेश्वर मंदिर

मठ से दस किलोमीटर की दूरी पर किगा गांव है। यहां श्रंगी ऋषि को समर्पित श्रंगेश्वर मंदिर स्थित है। मंदिर भारत के पौराणिक अतीत का जागृत प्रमाण है। इन्हें बारिश का देवता माना जाता है। मान्यता है कि इस क्षेत्र में जब वर्षा नहीं होती तो इस मंदिर में इनकी विशेष पूजा की जाती है। *

कब जाएं-कहां ठहरें

श्रंगेरी कर्नाटक राज्य के मंगलौर से 108 और उडुपी से 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां अनेक निजी होटल्स के अतिरिक्त मठ की ओर से कम शुल्क में ठहरने और भोजन की निःशुल्क उत्तम व्यवस्था है। यूं तो यहां दर्शन के लिए वर्ष में कभी भी आया जा सकता है, लेकिन सर्दी के अलावा गर्मी से पूर्व का वासंती मौसम यहां आने के लिए सबसे अनुकूल होता है।

समस्त शिवभक्तों के लिए वर्ष का सबसे बड़ा पर्व होता है महाशिवरात्रि। इस दिन पूर्ण समर्पण से पूजन करने पर शिव जी की कृपा प्राप्त होती है। आनंदेश्वर भगवान शिव के स्वरूप और उनसे संबद्ध प्रतीकों के निहितार्थ के बारे में जानिए।

शिव आराधना का महापर्व
कल्याणकारी महाशिवरात्रि

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

महाशिवरात्रि कल्याण की रात्रि है। अपने शिवत्व के जागरण की रात्रि है। इस जागरण के लिए सबसे पहले साधन, व्रत, नियम, उपवास, प्रवचन, संत-सन्निधि आदि से अंतःकरण की शुद्धि हो जाती है। ऐसा होने से ही तो जागरण होगा। जब हम अपने शिवत्व जागरण की बात कहते हैं, तब यह अंतर्निहित है कि हम भी शिव के ही अंश हैं। हम भी अविनाशी (जिसका विनाश न हो) ही हैं। आत्मा चूंकि ऊर्जा है, तो उसका नाश होगा नहीं, इसलिए अविनाशी कहा जाता है।

शिव हैं आनंद के ईश्वरः श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है, 'ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः।' अर्थात वह मेरा ही अंशी है, मुझसे भिन्न नहीं है। वे परम आत्मा हैं और हम आत्मा हैं। ऐसे में दिव्यगुणों से अनुप्राणित होकर हम देवात्मा तो हो ही सकते हैं। कहा भी गया है कि मनुष्य देवता और राक्षस के बीच का पुल है। ऊपर उठ जाए तो देवता और नीचे गिर जाए तो राक्षस। अभी तो बस हमारे शरीर में प्राण हैं, इसलिए हम प्राणी हैं। प्राण निकले, निर्वाण हो उससे पहले दिव्यगुणों से भरकर दिव्यप्राणी या दिव्यता से भरकर 'देवता' हो सकते हैं। जब ऐसा हो जाता है, तब जीवन मधुर हो जाता है, क्लेश और संताप मिट जाते हैं और जब संताप मिट जाते हैं, तो आनंद का उद्रेक आता है। हम नंदित हो जाते हैं, नंदी हो जाते हैं। नंदी को शिव की सवारी, जब हम कहते हैं तो उसका प्रतीकात्मक अर्थ है–शिव अर्थात सर्वकल्याणकारी सत्ता की सवारी। इसलिए तो शिव को नंदीश्वर अर्थात 'आनंद का ईश्वर' कहा गया है। अतः, नंदी बैल को देखकर हमें इस प्रतीक को समझना चाहिए।

त्रिशूल-धतूरा के निहितार्थः शिव से जुड़े सभी प्रतीकों को सही अर्थ में समझने की आवश्यकता है। त्रिशूल हमारी त्रिगुणात्मक (सत्त्व, रजस, तमस) प्रकृति है, जो एक दंड पर साधित रहती है। भूत-गण कुछ नहीं, अपितु काम, क्रोध, लोभ, मद और मोह के पंच-भूत हैं, जिन्हें उचित ही विकराल रूप दिया गया है। ये पंचभूत प्रतीकों में सौम्य रूप पा ही नहीं सकते हैं। शिव पूजन में जो धतूरा हम अर्पित करते हैं, वह अपने अंदर के विषैले तत्त्व को अर्पित कर देने का व्यंजक है, जिससे जीवन में मधुरता आए। कहा भी गया है, 'मधुरातायते मधुरक्षरन्ति सैंधवा।' शिव के पास रुद्रवीणा है। वह उसका वादन करते हैं, जिसे उनके अनन्य भक्त रावण द्वारा बनाया गया था। सर्प उनकी देह से लिपटे रहते हैं। त्रिशूल उनका अस्त्र है। यह त्रिशूल त्रयी का प्रतीक है। नृत्य करते समय वह डमरू थामे रहते हैं। उनके डमरू का नाद इस ब्रह्मांड की ऊर्जा के कंपन को प्रतिध्वनित करता है। नटराज शिव इस सृष्टि के कण-कण में समाए हुए हैं।

पूजन में बिल्वपत्र की महत्ताः बिल्व वृक्ष को शिव जी का ही एक स्वरूप माना गया है। इसका एक नाम श्रीवृक्ष भी है। श्री महालक्ष्मी का एक नाम है। इस वृक्ष की जड़ों में देवी गिरिजा, तने में देवी महेश्वरी, शाखाओं में देवी दक्षायनी, पत्तियों में देवी पार्वती, फूलों में मां गौरी और फलों में देवी कात्यायनी वास करतीं हैं। पत्तियों में देवी पार्वती का वास होने से शिवलिंग पर इसे खासतौर पर चढ़ाया जाता है। शिवमहापुराण में इसका महत्व खासतौर से बताया गया है। साथ ही बताया गया है कि बिना बिल्वपत्र के शिवपूजा अधूरी होती है। वहीं, अगर शिवजी की पूजा के लिए कई तरह की चीजें उपलब्ध न भी हों और सिर्फ एक बिल्वपत्र चढ़ा दिया जाए तो उससे पूजा का पूरा फल मिलता है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक जब देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए तपस्या और पूजा की थी तब सबसे पहले उन्होंने ही भगवान शिव को बिल्वपत्र चढ़ाया था।

महाशिवरात्रि की महिमाः शिव आराधना की दृष्टि से महाशिवरात्रि की विशेष महत्ता है। जब सर्वव्यापक, सर्वसमर्थ, सर्वज्ञानी, सर्वशक्तिमान, अच्युत, अखंड, रसप्रद, सुखरूप, आनंदस्वरूप, विपत्तिभंजक, अघनाशक, दुःखहर्ता, सुखकर्ता, मंगलमूरत, करुणानिधान, पतितपावन भगवान शिव (आशुतोष) की पूर्ण समर्पण से भक्ति की जाती है, तो वे जल्द (आशु) ही प्रसन्न (तुष्ट) हो जाते हैं। तो आइए, इस महाशिवरात्रि, उस शिव का स्मरण करें, अपने अंदर के शिवत्व का जागरण करें। ॐ नमः शिवाय। *

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

अच्छा जॉब, इनकम होने के बावजूद आज की अधिकांश युवा पीढ़ी के पास फ्यूचर सेविंग्स की प्लानिंग का अभाव दिखता है। इसकी क्या वजहें हैं और इन पर कैसे करें कंट्रोल, जानिए।

युवा पीढ़ी की फितरत
गुड इनकम-नो सेविंग

एक बार बस यात्रा के दौरान मेरे बगल में बैठे एक बुजुर्ग सज्जन किसी मित्र सहयात्री को अपनी पीड़ा कुछ इस तरह बता रहे थे, 'हमार बचवा बहुते कमात है। पर पॉकेट में कुछो नहीं जात है। जौन पैसा आवत है, सब ही उड़ाए जात हैं।' उनकी आवाज में हल्की तल्खी, साथ-साथ पीड़ा भी थी। बस में ज्यादा यात्री नहीं थे इसलिए सभी यात्रियों ने उनकी बात को सुन लिया था। मैंने चारों तरफ नजर घुमाई तो पाया कि अधिकतर लोग मौन भले ही थे पर उनकी बात से सहमत नजर आ रहे थे। एक सज्जन बोल पड़े, 'यह लाइफस्टाइल क्रीप्स हैं। ज्यादातर यंगस्टर्स समझते ही नहीं कि लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन उनकी जिंदगी को बर्बाद कर देगा। कुछ कहो तो मुंह फुला लेते हैं।'

आपके भी मन में सवाल उठ रहा होगा कि लाइफस्टाइल क्रीप और लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन क्या होता है?

लाइफस्टाइल क्रीप या इन्फ्लेशनः माधवी एक मल्टीनेशनल कंपनी में अच्छे पद पर काम करती है। उसकी सैलरी अच्छी खासी है और समय-समय पर प्रमोशन-इंक्रीमेंट भी मिलता रहता है। लेकिन उसकी बढ़ती हुई इनकम के साथ-साथ खर्च भी बढ़ता चला जाता है। क्योंकि हाथ में ज्यादा पैसा देखकर उसकी खर्च करने की आदतें भी बदलती जाती हैं। नतीजतन वह हमेशा अपने आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च को नियंत्रित न रखकर बढ़ाते रहने और बचत की प्रवृत्ति पर ध्यान न देने की यही प्रवृत्ति 'लाइफस्टाइल क्रीप' या 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन' कहलाती है।

क्यों होता है लाइफस्टाइल इन्फ्लेशनः बढ़ती आकांक्षाओं और सोशल स्टेटस को ऊंचा रखने के फिराक में अकसर युवा लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन का शिकार हो जाते हैं। कॉर्पोरेट कंपनियां, बड़े ब्रांड, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर, विज्ञापनों का मायाजाल और साथ ही दिखावे की संस्कृति ने मिलकर हमें खुद के वश में ना रहने देने के लिए मानो बीड़ा उठा रखा है। ऐसे में जो व्यक्ति योजना बनाकर नहीं चलता, अपने वास्तविक लक्ष्यों के प्रति समर्पित नहीं रहता, वह आसानी से इनके झांसे में आ जाता है।

पीयर प्रेशर भी है वजहः न्यू एज के लोग पीयर प्रेशर के कारण भी बेतहाशा खरीदारी करते हैं। ब्यूटी, फिटनेस, वेलनेस को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करने वाली सोशल मीडिया रील्स और अन्य कंटेंट्स नई पीढ़ी को साज-सज्जा और फिटनेस पर जरूरत से ज्यादा महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने को उकसाते हैं। तमाम सुविधाओं वाली सोसायटीज या कॉम्प्लेक्स में महंगे फ्लैट्स खरीदना, जिनकी कीमत आसमान छू रही है, महंगी कारें, ब्रांडेड कपड़े, जूते, चश्मा, मोबाइल आदि खरीदना और इन्हें बार-बार बदलना पॉकेट पर भारी पड़ता चला जाता है। नतीजतन कई बार युवा अवसाद और तनाव में घिर जाते हैं।

कैसे करें कंट्रोलः अपनी जीवनशैली में कुछ आदतों को छोड़कर और कुछ आदतें अपनाकर आप लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन जैसी सिचुएशन से बचे रह सकते हैं। गैरजरूरी खर्च पर आपका नियंत्रण बेहद जरूरी है। खर्च नियंत्रित करने और बचत करने के लिए कुछ उपाय-

- हर महीने का बजट तय करें और रेंट, ग्रॉसरी, यातायात, मेडिसिन आदि के खर्चों को प्राथमिकता देते हुए अनावश्यक खर्चों पर पूरी तरह नियंत्रण रखें।
- अपनी वित्तीय स्थिरता और सुरक्षित सेवानिवृत्त जीवन की प्लानिंग अभी से करें।
- हर माह निवेश और बचत के पैसे अलग रखें।
- बोनस या एक्स्ट्रा इनकम को अपने बड़े वित्तीय लक्ष्य के लिए इकट्ठा करें।
- ज्यादा शॉपिंग एप्स मोबाइल में ना रखें। सिर्फ ग्रॉसरी और मेडिसिन के एक-दो जरूरी और उपयोगी एप्स पर्याप्त हैं। *

भगवान शिव की आराधना का महापर्व-महाशिवरात्री

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

श्वेता यादव
सामाजिक कार्यकर्ता
@jagrukjanta.net

महाशिवरात्रि हिन्दू धर्म के महत्वपूर्ण तिथिओं में से एक है, जो प्रतिवर्ष विद्वान शिव को समर्पित करता है। यह पवित्रीक पर प्रति वर्ष की चतुर्थी चतुर्थी तिथि में मनाया जाता है। महा शिवरात्रि का अर्थः महा शिवरात्रि का अर्थ है शिव की महान रात्री यानी शिव की रात्री की बढ़ी रात्री। यह पावन की मानता रात्री और भक्ति का प्रतीक है।

महा शिवरात्रि की पूजाः

- लोग रात की खोज रखते हैं और व्रत रात्री के माहन भगवान करते हैं।
- भक्ति रखने, योग करने और विशेष करने का खास रखते हैं।
- मंदिरों में जाकर रुद्राभिषेक बिल्वपान किया जाता है।

महा शिवरात्रि की महत्व

महा शिवरात्रि की पूजा और भक्ति करने से शिव की कृपा प्राप्त होती है और जीवन की कष्टियां मिटतती है। यह दिन शिव और शक्ति की संयोगीता का प्रतीक है, जो मानवीय और प्रकृति को एकत्रित करती है।

- हिंदू पंचांग के अनुसारए शिवरात्रि का पर्व माघ मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है। यह दिन भगवान शिव को समर्पित है और इसकी उत्पत्ति से जुड़ी कई कथाएँ प्रचलित हैं। इनमें से एक कथा के अनुसार,ए महाशिवरात्रि भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की वर्षगांठ के रूप में मनाई जाती है।
- समुद्र मंथन और विषपान की कथा : प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, देवताओं और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से हलाहल 'विष' निकला, जो संपूर्ण सृष्टि के लिए घातक था। इस विष से संसार की रक्षा करने के लिए भगवान शिव ने इसे अपने कंठ में धारण कर लिया, जिससे उनका कंठ नीला हो गया। इसी कारण वे नीलकंठ कहलाए। इस घटना की स्मृति में महाशिवरात्रि मनाई जाती है।
- पृथ्वी की रक्षा और शिव की कृपा : एक अन्य कथा के अनुसार, जब पृथ्वी पर विनाश का संकट आयाए तब माता पार्वती ने भगवान शिव से संसार की रक्षा करने की प्रार्थना की। उनकी तपस्या और प्रार्थना से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने पृथ्वी को बचाने का वचन दियाए लेकिन साथ ही यह शर्त रखी कि लोग सच्चे मन से उनकी आराधना करेंगे। तब से इस दिन को 'महाशिवरात्रि' के रूप में मनाया जाने लगा और शिव भक्त पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ व्रत और पूजन करते हैं।

भारत में महाशिवरात्रि के विभिन्न रूप

- कर्नाटक में बच्चे इस दिन शरारत करने की छूट पाते हैं और फिर प्रतीकात्मक रूप से दंड मांगते हैं, जो शिव द्वारा ब्रह्मा को झूठ बोलने पर दंड देने की कथा से प्रेरित है।
- कश्मीरी ब्राह्मणों के यहाँ यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के उत्सव के रूप में 3.4 दिन पहले से ही मनाया जाता है।

विशेष महत्व

- वर्षभर में कुल 12 शिवरात्रियाँ आती हैं, लेकिन महाशिवरात्रि को सबसे अधिक शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है।
- इस दिन रात्रि जागरण 'शिव आराधना, व्रत, और शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र चढ़ाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह रात्रि विशेष मानी जाती है, क्योंकि इस दिन ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है कि ध्यान और साधना करने से ऊर्जा का स्तर उच्चतम होता है।
- महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भक्ति, ध्यान और आत्मसाक्षात्कार का विशेष अवसर है, जिसमें शिवभक्त पूरी श्रद्धा से भगवान शिव की आराधना करते हैं।

हर हर महादेव।

शिवत्व की राह पर आत्मबोध और संतुलन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

आयुष शर्मा
स्वतंत्र लेखक
@jagrukjanta.net

शिव, केवल एक देव नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का संतुलन और आत्मसंयम का सर्वोच्च प्रतीक हैं। महादेव की हर अभिव्यक्ति–त्रिनेत्र, गंगा, नाग, डमरू और तांडव–गहरे आध्यात्मिक और वैज्ञानिक संदेश छुपाए हुए है। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर आइए हम शिव के स्वरूप से जीवन के गूढ़ रहस्यों को समझने का प्रयास करें।

त्रिनेत्रः अंतर्ज्ञान और स्पष्ट दृष्टि

भगवान शिव का तीसरा नेत्र केवल विनाश का प्रतीक नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि केवल बाहरी दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आत्मबोध और अंतर्ज्ञान से जीवन को देखना चाहिए। जब यह नेत्र खुलता है, तो अज्ञान का नाश होता है और ज्ञान का प्रकाश फैलता है।

जटाओं में विराजमान गंगाः निरंतर प्रवाह और शुद्धता

शिव की जटाओं में बहती गंगा हमें यह सिखाती है कि जीवन में प्रवाह बनाए रखना आवश्यक है। गंगा की तरह हमें भी निरंतर आगे बढ़ना चाहिए और अपनी आंतरिक तथा बाह्य शुद्धता का ध्यान रखना चाहिए।

कंठ का सर्पः आत्मनियंत्रण और शक्ति

शिव के कंठ में लिपटा नाग आत्मसंयम, जागरूकता और कुंडलिनी ऊर्जा का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि जीवन की कठिनाइयों के बावजूद, हमें धैर्य और नियंत्रण बनाए रखना चाहिए।

चंद्रमाः शांति और संतुलन

भगवान शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा शीतलता और संतुलन का प्रतीक है। यह संदेश देता है कि हमें अपने जीवन में धैर्य और ठंडे दिमाग से निर्णय लेने चाहिए, ताकि हम उग्रता से बचकर संतुलित जीवन जी सकें।

डमरूः अनंत ऊर्जा और सृष्टि की लय

भगवान शिव के डमरू की ध्वनि ब्रह्मांडीय कंपन (कॉस्मिक वाइब्रेशन) का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि हमारी चेतना भी कंपन है, जिसे सकारात्मकता और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर रखना चाहिए।

तांडवः सृजन और विनाश का चक्र

शिव तांडव नृत्य केवल विनाश का प्रतीक नहीं, बल्कि सृजन, परिवर्तन और पुनरुत्थान का भी प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। जीवन में नकारात्मकता को हटाकर हमें आत्मिक और मानसिक उत्थान की ओर बढ़ना चाहिए।

शिवत्व को अपनाएं

महाशिवरात्रि केवल उपवास और रात्रि-जागरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मबोध, संयम और जीवन में संतुलन बनाए रखने का पर्व है। इस पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि शिव की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाकर शांति, धैर्य और सकारात्मकता से अपने व्यक्तित्व को निखारेंगे।

ग्रामीणों ने एक स्वर में उठाई ग्राम पंचायतों के परिसीमन की मांग

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से ग्रामीणों ने ग्राम पंचायतों के परिसीमन की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। बस्सी तहसील ऑवलहेड़ा पटवार हल्का व ग्राम पंचायत के राजस्व ग्राम बल्दरखा को नई ग्राम पंचायत में परिसीमन किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि बल्दरखा ऑवलहेड़ा ग्राम पंचायत में कुल 11 वार्डपंच है, जिसमें से 4 वार्ड बल्वरखा में है। जिसको बल्दरखा में नई पंचायत बना दी जाय तो भी घोसुण्डी व ऑवलहेड़ा पंचायत जनगणना 3000 से अधिक है एवं दोनो पंचायतो में 7-7 वार्ड पंच रह जायेंगें। बल्दरखा नई पंचायत बनने पर दोनो पंचायतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ग्रामीणो ने मांग की कि नियमानुसार कार्यवाही कर बल्दरखाग्राम को नई पंचायत गठन कर किसानो व श्रमिको को अनुग्रहीत करे। इसी प्रकार नवसृजित ग्राम पंचायत सोमावास को न बनाकर पुन या तो नपावली में जोडा जावे या ग्राम सादल खेडा को नई ग्राम पंचायत बनायी जाने की मांग की गई। ग्राम वासियों ने बताया कि ग्रामवासी ग्राम सादलखेडा के निवासी है व वर्तमान में नवसृजित ग्राम पंचायत सोमावास को नपावली ग्राम पंचायत से तोडकर नई ग्राम पंचायत सोमावास बनायी जा रही है। अतः नवसृजित ग्राम पंचायत न बनाकर पुन या तो नपावली में जोड़ा जावे या ग्राम सादल खेडा को नई ग्राम पंचायत बनाये जाने का आदेश प्रदान करे अन्यथा समस्त ग्रामवासियों को आगे अग्रिम कार्यवाही करनी पडेगी। इसी क्रम में पंचदेवला ग्राम पंचायत सुखवाडा में बडा गांव है तथा गांव पंचदेवला की आबादी ग्राम पंचायत सुखवाडा के ग्राम सुखवाडा की आबादी से भी ज्यादा है परन्तु ग्राम पंचदेवला में ग्राम पंचायत नहीं है। जबकि ग्राम पंचायत सुखवाडा बहुत बडी पंचायत है, इसमें ग्राम पंचदेवला, सरलाई, वजीरगंज, भोई कॉलोनी, सुखवाडा, घरोल, तिकियों का खेडा, होडा, हसमतगंज, गणपत खेडा, इम्ब्राहीमगंज आदि गांव है तथा इन सभी गांवों की ग्राम पंचायत सुखवाडा है, जो कि काफी बडी पंचायत है। इसलिए ग्राम पंचदेवला को नई ग्राम पंचायत बनवायी जाये एवं इसमें ग्राम पंचदेवला, सरलाई, वजीरगंज, भोई कॉलोनी, इम्ब्राहीमगंज को शामिल करते हुए ग्राम पंचायत पंचदेवला नवगठित की जाये। ग्राम ढाणी वर्तमान में ग्राम पंचायत सामरी पंचायत के अधीन चला आ रहा है। नये पंचायतो के सृजन के तहत सिंदवडी को भी ग्राम पंचायत बनाया जाना प्रस्तावित है। सभी ग्रामवासीयान ग्राम ढाणी को ही ग्राम पंचायत बनवाना चाहते है।

ग्राम ढाणी को पंचायत बनाये जाने पर आसपास के कई गावो को लाभ प्राप्त होगा। ढाणी के आसपास कई गांव लगते है जिससे वहां के निवासियो को दूर बनाई जा रही पंचायत सिंदवडी के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेगे, इसलिये सिंदवडी के स्थान पर ढाणी को पंचायत बनाये जाने का प्रस्तावित पारित करवाने की मांग की गई। इस दौरान शेर, वाहेद खान, युसूफ खान, आसिफ, गुलाम हुसैन खान, यासीन खान, मोहनलाल जाट, शंकर जाट, पृथ्वीराज जाट, सोनू सेन, राम निवास, राम लाल, परमेश्वर, लक्ष्मीनारायण, प्रभुलाल, जमनालाल, बालूराम, सोहनलाल, राजेंद्र सिंह, नाथू भील, भवंर सिंह सहित अन्य गांवो के ग्रामीण उपस्थित थे।

जागरूक खबरें

कृषि विवि जोबनेर 10 व 11 मार्च को किसान मेला आयोजित करेगा

जोबनेर @ जागरूक जनता। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में 10-11 मार्च को राज्य स्तर पर दो दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। कुलपति डॉ बलराज सिंह ने बताया की मेले मे विभिन्न जिलों के किसान बड़ी संख्या मे भाग लेंगे। मेले मे बड़े स्तर पर कृषि प्रदर्शनी लगेगी जिसमे उन्नत कृषि तकनीकों और नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा।

खोर ग्रामवासियो ने किया आक्या का अभिनन्दन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा पेश किये गये बजट में विधानसभा क्षेत्र चित्तौडगढ़ के ग्राम घटियावली से खोर सड़क के मध्य गंभीरी नदी पर पुलिया निर्माण हेतु 27 करोड़ की राशी स्वीकृत होने पर ग्रामीणो में हर्ष व्याप्त है। बड़ी संख्या में खोर ग्रामवासियों ने विधायक चंद्रभानसिंह आक्या का उपरना ओढ़ाकर स्वागत अभिनन्दन किया। इस अवसर पर तेजपाल सिंह, देवराज चौधरी, नरेश जाट, अंबालाल जाट, राजनारायण जाट, गोपाल जाट, रामनारायण जाट, किशोर जाट, रामनिवास जाट, अशोक कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सोहन अहीर को डॉक्टरेट की उपाधि

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। गांव रामाखेडा के किसान परिवार में जन्मे एवं महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से कला संकाय में स्नातक एवं भूगोल विषय में स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त करने वाले सोहनलाल अहीर को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर ने विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की है। सोहनलाल ने इस विश्वविद्यालय के पृथ्वी विज्ञान संकाय के भूगोल विभाग से जिले में दुग्ध उद्योग का विकास एक भौगोलिक विश्लेषण विषय पर राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर की भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष एवं आचार्य डॉ. संध्या पठानिया के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया।

छात्राओं को बतायें विज्ञान के महत्व

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विधालय टोड़ारायसिंह मे छात्राओ को विज्ञान के महत्व पर विस्तार से सम्बोधन दिया। देश को आगे ले जाने मे सभी को अपने प्रतिभा कौशल विकास से भागीदारी करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर अविकानगर के सीनियर साइंटिस्ट डॉ अमरसिंह मीना ने रोजगार परक शिक्षा लेने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन सुमन कंवर ने किया। निदेशक का स्वागत एवं धन्यवाद प्रस्ताव प्रिंसिपल जगदीश प्रसाद जाट ने किया।

चवा, आदर्श चवा की पहली महिला एएसआई बनी बबरी

रावतसर @ जागरूक जनता। निकटवर्ती ग्राम पंचायत चवा और आदर्श चवा से कोई महिला पहली बार पुलिस विभाग में एएसआई पर पहुंची है जिससे दोनों ग्राम पंचायत के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। दरअसल 1998 मे कांस्टेबल बनी बबरी सियाग मूलतः सरली निवासी हैं और ससुराल आदर्श चवा में है। कांस्टेबल के उस समय भी सिणधरी पंचायत समिति की पहली महिला कांस्टेबल भी थी। हाल ही में एएसआई पद पर पदोन्नति मिली है।

सेमलपुरा में 31 छात्राओं को साइकिल वितरण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राज्य सरकार की छात्रों को निशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत राउमावि सेमलपुरा में 31 छात्राओं को साइकिल वितरण की गई, जिससे छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ.शारदा शर्मा ने सभी छात्राओं को बधाई देकर अध्ययन में निरंतरता बनाये रखने की सलाह दी। उप प्रधानाचार्य प्रेमप्रकाश विजयवर्गी ने बताया कि योजना का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन करना एवं छात्राओं को विद्यालय आवगमन में सुविधा प्रदान करना है। उधर, राबाउमावि चंदेरिया में सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए निःशुल्क साइकिल वितरण के कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9 मे अध्ययनरत 30 छात्राओ को साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर कैलाश अग्रवाल ने बोर्ड परीक्षा में प्रथम आने वाली छात्राओ को ग्यारह हजार नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

सड़क के गड्ढे दे रहे हादसों को दावत, निकल गई कंक्रीट

गुड़ामालानी @ जागरूक जनता। गुड़ामालानी। उपखंड क्षेत्र के पिपराली से भाम्भुओं का वास जाने वाली सड़क आठ किलोमीटर 2006-2007 में ग्रेवल सड़क बनी हुई है,। आज 17-18 साल बीत जाने के बाद भी इस सड़क का रिपेयर कार्य नहीं हुआ है। इस सड़क के डामरीकरण की लोग लंबे समय से मांग कर रहे है, लेकिन आज दिन तक इस पर डामरीकरण नहीं किया गया। इस पर क्षतिग्रस्त ग्रेवल सड़क व सड़क पर बिखरी हुई कंक्रीट से आवागमन में हर दिन ग्रामीणों को बड़ी परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों का कहना है कि इस ओर अभी तक किसी का ध्यान नहीं गया है। जबकि ग्रामीणों ने इस समस्या के बारे में और डामरीकरण करवाने की मांग को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा चुका है। लेकिन महज आश्वासन के अलावा धरातल पर किसी भी प्रकार का कार्य नजर नहीं आ रहा है। सड़क बनने के बाद से अब तक सही मरम्मत तक नहीं करवाई। इस पर जगह-जगह से टूटी ग्रेवल सड़क में बड़े बड़े गड्ढे व कंकरीट से आवागमन में हर दिन ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ती है।

फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर आयोजित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। क्षेत्र के ग्राम पंचायत संगराणियो बेरी में दो दिवसय फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर का आयोजन प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की आईडी कैंप में 292 किसान फार्मर आईडी की रजिस्ट्री हुई। शिविर के माध्यम से प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की गई। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल से बनाई गई। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके प्रधानमंत्री किसान/ मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, विभाग की अन्य योजनाओं के लाभ के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी। सरपंच शिवनारायण सियाग, मोटाराम सियोल, उप सरपंच हरजी राम बैरड, भिखाराम भांभु, जियाराम जीएसएस अध्यक्ष, दोलाराम सियाग, vdo मोडाराम, ताजाराम सियाग किसान नेता, ldc नगाराम सियोल, हिरकनराम पटवारी, राणाराम vdo, जशु, अशोक, लिखमाराम ईमित्र, नरेश जांगिड़ शिविर में उपस्थित थे ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में जम्भ भक्ति दर्शन कैलेंडर का हुआ विमोचन

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

सांचौर। एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सांचौर में किया गया। यह संगोष्ठी गुरू जम्भेश्वर जी की वाणी में जुगती मुगती की अवधारणा पर केंद्रित थी, जिसमें जाम्भाणी साहित्य अकादमी और विवेक विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांचौर ने संयुक्त रूप से आयोजन किया था। इस आयोजन में राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री केके विश्नोई ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और जम्भ भक्ति दर्शन कैलेंडर का विमोचन किया। इसके अलावा, पूर्व राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई, पूर्व विधायक हीरालाल बिश्नोई, जाम्भाणी साहित्य अकादमी की राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ इंद्राजी बिश्नोई, विवेक विद्या मंदिर निदेशक बिरबल पुनिया सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आयोजन में भाग लिया। यह संगोष्ठी जाम्भाणी साहित्य और गुरू जम्भेश्वर जी की वाणी के महत्व को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। इस आयोजन ने जाम्भाणी साहित्य और गुरू जम्भेश्वर जी की वाणी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्टार सोसायटी ने कुलपति डॉ बलराज सिंह को किया एसोसिएट फेलो अवार्ड से सम्मानित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जोबनेर। स्टार सोसाइटी जयपुर व श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के सहयोग से राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह को एसोसिएट फेलो अवॉर्ड के साथ 50,000 की राशि से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय ने कॉर्पस फंड की नई पहल की है जिसमे गरीब एवं अनाथ छात्रों के लिए राशि एकत्रित कि जाएगी, उल्लेखनीय है कि कुलपति डॉ बलराज सिंह ने 50 हज़ार की राशि कॉर्पस फंड को डोनेट करने की घोषणा की है।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के कृषि क्षेत्र में योगदान पर चर्चा करना व कृषि में नवीन तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना, कृषि शिक्षा में सुधार हेतु सुझाव प्रदान करना व कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था। संगोष्ठी के दौरान डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि राजस्थान पशुधन की संख्या में देश में प्रथम स्थान पर है और दूध उत्पादन में द्वितीय स्थान रखता है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान ने उद्यानिकी के क्षेत्र में अनार, अमरूद, जीरा, अनाज, दलहन और तिलहन के उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है।

विशेष रूप से, बाड़मेर और जालौर जैसे पिछड़े संसाधन वाले क्षेत्र अब अनार और जीरा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहे हैं, जो किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों के योगदान को दर्शाता है।

केवीके पर 'किसान सम्मान समारोह' आयोजित

झालावाड़ @ जागरूक जनता। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. टी. सी. वर्मा ने बताया कि केन्द्र पर दिनांक 24 फरवरी 2025 को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के 6 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तरीय कार्यक्रम किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त हस्तांतरण का सजीव प्रसारण कार्यक्रम भी दिखाया गया। कार्यक्रम में 18 अधिकारियों व कर्मचारियों सहित 172 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। केन्द्र द्वारा किसान सम्मान समारोह के उपलक्ष्य में जिले के 4 प्रगतिशील कृषक जयेन्द्र सिंह, लखन लोधा, ओमप्रकाश लोधा, रामराज लोधा का प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कैलाश चन्द मीणा, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार), झालावाड़, डॉ. टी.ए. बन्सोड़, संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, झालावाड़, ओ.पी. जैन, प्रबंध निदेशक, सहकार भवन, झालावाड़, वासुदेव मीणा, डीडीएम, नाबार्ड, झालावाड़, विमल शास्त्री, प्रसारण कार्यकारी अधिकारी, आकाशवाणी, झालावाड़, कमल प्रसाद मीणा, कार्यक्रम प्रमुख, आकाशवाणी, झालावाड़, डॉ. बाबूलाल मीणा, परियोजना निदेशक, आत्मा, झालावाड़, बालमुकुन्द सुमन एवं बीनू शर्मा, कम्पीयर, आकाशवाणी, झालावाड़, शालू कुमारी मीणा, उपनिदेशक एवं पदेन परियोजना निदेशक आत्मा, झालावाड़ उपस्थित थे।

एक लाख 51 हजार पार्थिव शिवलिंग का होगा महारूद्राभिषेक

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ द्वारा अपनी परंपरा अनुसार कल्याणेश्वरमहादेव एवं ठाकुर श्री कल्लाजी की महति अनुकम्पा से फाल्गुन कृष्णा त्रयोदशी के पावन अवसर पर वेदपीठ परिसर में महाशिवरात्रि का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसकी सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। वेदपीठ के प्रवक्ता ने बताया कि भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्ति के लिए अब तक 251 यजमान युगलों द्वारा महारूद्राभिषेक में भागीदारी के लिए पंजीयन करवाया जा चुका हैं। ओम नमः शिवाय के पुरुश्चरण जाप अनरवत शिवरात्रि को होंगे। बुधवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वेदपीठ परिसर में एक लाख 51 हजार पार्थिव शिवलिंग का 21 द्रव्यों से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महारूद्राभिषेक किया जाएगा। वेदपीठ के आचार्यों के मार्गदर्शन में बटुकों एवं शिल्पियों द्वारा पार्थिव शिवलिंग एवं जलहरियों का निर्माण किया गया हैं। वेदपीठ के प्रवक्ता ने बताया कि ठाकुर जी की संध्या महाआरती के पश्चात चार प्रहर के धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालु कई प्रकार के पदार्थों को न्यौछावर करने के साथ ही भगवान आशुतोष का उनके प्रिय 21 द्रव्यों से महारूद्राभिषेक किया जाएगा। द्रव्यों में शुद्ध जल, कुशोदक, गन्ना रस, शहद, दूध, शक्कर, मिश्रित जल, सरसो, तेल, घी, दही, तीर्थ जल, आमरस, छाछ, दुर्वारस, सात फ्लो का रस, गाय का दूध, केसर, विजया, भांग, इत्र, चमेली का तेल, चंदन और बिल्व फल का रस इन द्रव्यों के द्वारा शिवरात्रि पर विभिन्न मनोकामना हेतु महारुद्राभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भौर तक चलने वाले इस अनुष्ठान के पश्चात श्रद्धालुओं एवं भक्तों को 108 रूद्राक्ष की मालाएं सुलभ कराई जाएगी।

मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान

आज भी कई गाँव मोबाइल नेटवर्क में नहीं

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। उपखंड क्षेत्र के कई गांवों में आज भी मोबाइल नेटवर्क की कनेक्टिविटी नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान है। सोशल मीडिया और संचार क्रांति के इस दौर में मोबाइल नेटवर्क के अभाव में शासन की ऑनलाइन योजनाओं और सुविधाओं का लाभ भी ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।अमरजेंसी की जरूरत पड़ने पर ग्रामीणों को नेटवर्क की तलाश में भटकना पड़ता है। बीएसएनएल और निजी कंपनी का टावर भी आए दिन बंद होने से उपभोक्ता परेशान होते है।

पूंजाबेरी, भाम्भुओं का वास, पाबुबेरा सहित आसपास के गांवों में मोबाइल नेटवर्क चुनौती बना हुआ है। अन्य गांवों और मझरों टोलों में रहने वाले हजारों लोग मोबाइल नेटवर्क नहीं मिलने से परेशान है। आधुनिक इस दौर में गांव-गांव मोबाइल नेटवर्क पहुंचाने के दावे यहां खोखले साबित हो रहे है। ग्राम पंचायतों में भी नेट की सुविधा नहीं होने से ऑनलाइन योजनाओं के लाभ से ग्रामीण वंचित है। पूंजाबेरी सहित अन्य गांव रेतिले धोरों के क्षेत्र से घिरा होने के कारण दूर-दूर तक मोबाइल टॉवर नहीं मिलता है। ग्रामीणों ने बताया कि दिन के समय अगर किसी को बहुत जरूरी बात करनी हो तो बड़े, बड़े रितेले धोरों जाना पड़ता है। रात के समय कोई इमरजेंसी होने पर सुबह का इंतजार करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर ऐसे हालात रहे तो डिजीटल इंडिया का सपना कैसे पूरा होगा। केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं में मिलने वाली सब्सिडी से लेकर समर्थन मूल्य पर बेची जाने वाली उपज आदि की जानकारी के लिए मोबाइल पर ओटीपी और मैसेज आते है। क्षेत्र में नेटवर्क नहीं मिलने से हितग्राहियों और ग्रामीणों को परेशानी होती है। एक ओर जहां सरकार ऑनलाइन प्रक्रिया को बढ़ावा दे रही है वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क ही नहीं मिल पा रहा है।

क्षेत्र में में लगे टावरों की कनेक्टिविटी बढ़ाई जानी चाहिए प्राइवेट कंपनियों के टावरों की कनेक्टिविटी नहीं होने से असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इन प्राइवेट कंपनियों के अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

भावेश डगला, सामाजिक कार्यकर्ता

परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन फार्म भरने में परेशानी

विभिन्न परीक्षाओं और योजनाओं की प्रक्रिया ऑनलाइन हो चुकी है। लेकिन पूंजाबेरी के अधिकांश अंचलों में नेट नहीं चलने से ऑनलाइन सेंटर भी नहीं चल पा रहे हैं। ऐसे में ऑनलाइन बैंकिंग, बिजली के बिल जमा करने सहित अन्य जरूरी कार्य नहीं हो पा रहे है। साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर भी नहीं मिल पा रहे है। कई गांवों में तो मोबाइल का कवरेज मिलना बंद हो जाता है, लोगों को आपात स्थिति में परेशानी होती है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म

दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

Jagruk Janta World | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26 | /jagrukjanta | /jagrukjantanews | jagruk_janta
जयपुर, बुधवार 26 फरवरी - 4 मार्च, 2025 | जागरूक दुनिया | 08 | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net

फटाफट खबरें

शेयर बाज़ार में गिरावट से लाखों करोड़ डूबे

शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट से निवेशकों को 4.22 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अमेरिकी बाजारों में तेज गिरावट, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी और अमेरिकी शुल्क दर को लेकर चिंताओं के बीच सेंसेक्स सोमवार को 75,000 अंक से नीचे चला गया। यह 856.65 अंक गिरकर 74,454.41 पर बंद हुआ।

टनल में फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश जारी

तेलंगाना के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने सोमवार को बताया कि दो दिन पहले श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग के निर्माणाधीन हिस्से के आंशिक रूप से ढहने के बाद उसमें फंसे आठ लोगों के बचने की संभावना अब 'बहुत कम' है। हालांकि, उन तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

SAU के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (SAU) में 2025-26 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की शुरुआत हो गई है। नए सेशन में इंजिनियरिंग, मैनेजमेंट में पॉपुलर ग्रैजुएशन कोर्सेज भी शुरू किए गए हैं। दिल्ली के मैदानगढ़ी-राजपुर रोड पर बनी SAU में पिछले साल तक मास्टर लेवल, पीएचडी प्रोग्राम और ग्रैजुएशन में केवल बीटेक कोर्स ही पढ़ाया जाता था।

के दारनाथ मंदिरकी 4 साल में आय दोगुनी हुई

देहरादून @ जागरूक जनता। उत्तराखंड के के दारनाथ मंदिर की आय पिछले चार सालों में 2.3 गुना बढ़ गई। वहीं मंदिर को मिलने वाले दान, चढ़ावे और विभिन्न सेवाओं से होने वाली आय साल 2020-21 में 22.04 करोड़ रुपए थी, जो 2023-24 में बढ़कर 52.9 करोड़ रुपए हो गई। इस बाबत जानकारी श्री बद्रीनाथ-के दारनाथ मंदिर समिति ने आरटीआई कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा सूचना के अधिकार आवेदन के जवाब में दी।

सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टली

प्रयागराज (उप्र) @ जागरूक जनता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के भीतर स्थित कथित शिवलिंग को छोड़कर वुजूखाना क्षेत्र का एएसआई से सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी। उच्चतम न्यायालय के 12 दिसंबर के निर्देश के मद्देनजर इस मामले में सुनवाई टाली गई। उच्चतम न्यायालय ने देशभर की अदालतों से धार्मिक स्थलों से संबंधित मुकदमों में आदेश पारित करने से मना किया है।

सुप्रीम कोर्ट में बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सुप्रीम कोर्ट ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग करने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कु मार की बेंच ने की। बेंच ने कहा, 'मामला भारत के विदेश नीति से जुड़ा है और भारत की न्यायपालिका इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। किसी दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।' दरअसल, लुधियाना के व्यवसायी राजेश ढांडा ने याचिका में कहा था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति खराब है। इसी याचिका में नागरिकता (संशोधन) कानून, 2019 (सीएए) के तहत शरणार्थियों के लिए 31 दिसंबर 2014 की कट-ऑफ तारीख बढ़ाने की मांग भी की गई थी।

भारत पर होगा अमेरिकी शुल्क में वृद्धि का असर

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल में कई एशिया- प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं को उच्चशुल्क का सामना करना पड़ सकता है, जबकि भारत, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड पर इस जवाबी कदम का सबसे अधिक असर होगा। रेटिंग एजेंसी एसएं डपी ग्लोबल ने रिपोर्ट 'अमेरिकी व्यापार शुल्क से एशिया-प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ने की संभावना' में कहा कि वियतनाम, ताइवान, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया जैसी अर्थव्यवस्थाओं का अमेरिका के प्रति आर्थिक जोखिम अपेक्षाकृ त अधिक है।

मेला प्रशासन के मुताबिक महाकुंभ में स्नान करने वालों का आंकड़ा सोमवार को 63 करोड़ के पार पहुंचा।

कुंभ स्नान कर आस्था का सैलाब अब काशी में

महाशिवरात्री आज, व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

◆ जागरूक जनता नेटवर्क www.jagrukjanta.net

महाकुंभ में अबतक डुबकी लगा चुके करोड़ों श्रद्धालुओं में कई फिल्मी सितारे भी शामिल हो चुके हैं। सोमवार को अक्षय कुमार, कटरीना कैफ, प्रीति जिंटा ने भी संगम में डुबकी लगाई। वहीं कई राजनीतिक हस्तियां भी महाकुंभ पहुंचीं। कल महाशिवरात्रि पर्व है। महाकुंभ में स्नान के बाद श्रद्धालु बड़ी संख्या में काशी का रुख कर रहे हैं। ऐसे में वहां ड्रोन से नजर रखी जा रही है। सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए 25 से 27 फरवरी तक 'वीआईपी दर्शन' पर रोक लगा दी गई है।

विश्वनाथ मंदिर में 27 तक VIP दर्शन पर रहेगी रोक

वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में विभिन्न अखाड़ों के साधु, संत और नागा साधु श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इस अवसर पर नागा अखाड़ों की ओर से शोभा यात्रा निकाल कर दर्शन पूजन किया जाएगा, जिससे मंदिर के गेट नंबर 4 से सामान्य लोगों का प्रवेश बंद रहेगा।

सभी ज़िलों के लिए अलर्ट जारी

महाकुंभ और महाशिवरात्रि को लेकर डीजीपी ने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि महाकुंभ के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु सभी प्रदेशों से आ रहे हैं, जो प्रयागराज के साथ-साथ अन्य धार्मिक जिलों जैसे अयोध्या, वाराणसी, मिर्जापुर में भी दर्शन के लिए जा रहे हैं। इसलिए सभी जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

बॉलिवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने महाकुंभ में लगाई डुबकी। कई और हस्तियां भी पहुंचीं।

आंबेडकर की फोटो हटाने के आरोप, सदन में हंगामा

◆ जागरूक जनता नेटवर्क www.jagrukjanta.net

दिल्ली विधानसभा में सोमवार को सत्र का पहला ही दिन काफी हंगामेदार रहा। दोपहर में सीएम रेखा गुप्ता से उनके दफ्तर में मिलकर आने के बाद नेता विपक्ष आतिशी ने दावा किया कि सीएम ऑफिस में लगी भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटा दी गई हैं। उन्होंने बीजेपी पर दलित और सिख विरोधी होने का आरोप लगाते हुए पुरानी तस्वीरें दिखाईं, जब वह मुख्यमंत्री थीं और उनकी कुर्सी के पीछे भगत सिंह और आंबेडकर की तस्वीरें लगी हुई थीं। विपक्षी विधायकों ने सदन में भी इस मुद्दे को उठाया और तस्वीरें फिर से लगाने की मांग की। विपक्षी विधायकों ने इस मुद्दे को ऐसे पेश किया, जैसे सीएम ऑफिस से ये दोनों तस्वीरें पूरी तरह हटा दी गई हैं, लेकिन कुछ देर बाद मीडिया को सीएम ऑफिस में बुलाकर दिखाया गया कि दोनों तस्वीरें वहां लगी थीं, केवल उनकी जगह बदल गई थीं।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि अपने भ्रष्टाचार को बाबा साहब और शहीद भगत सिंह के पीछे छुपाने का ये इनका प्रपंच है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सरकार के हेड हैं। सीएम ऑफिस में क्या उनकी तस्वीरें नहीं लगनी चाहिए? राष्ट्रपिता कहे जाने वाले महात्मा गांधी की तस्वीर नहीं लगनी चाहिए? भगत सिंह और बाबा साहब हम सबके लिए पूजनीय, आदरणीय और मार्गदर्शक हैं और रहेंगे। विपक्ष की हर बात का जवाब देना मेरा काम नहीं है। मैं दिल्ली की जनता के प्रति जवाबदेह हूं।

विपक्ष के आरोप दिल्ली सरकार ने नकारे

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को विधानसभा सत्र के पहले दिन नेता प्रतिपक्ष और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी से गर्मजोशी के साथ मिलीं।

> विपक्ष की हर बात का जवाब देना मेरा काम नहीं है। मैं दिल्ली की जनता के प्रति जवाबदेह हूं। - रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री

बीजेपी के विजेंद्र गुप्ता निर्विरोध स्पीकर चुने गए

रोहिणी से बीजेपी के विधायक विजेंद्र गुप्ता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष बन गए हैं। विधानसभा सत्र के पहले दिन विधायकों के शपथ लेने के बाद प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली ने स्पीकर का चुनाव कराने की औपचारिकता पूरी की। विपक्ष की तरफ से किसी भी विधायक ने इस पद के लिए दावा पेश करते हुए चुनाव में खड़े होने के लिए नॉमिनेशन फाइल नहीं किया था, ऐसे में विजेंद्र गुप्ता निर्विरोध स्पीकर निर्वाचित हो गए। इससे पहले, प्रोटेम स्पीकर लवली ने स्पीकर की चेयर संभाली और सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई।

पहले ही दिन स्पीकर नाराज़

■ **विधानसभा में** विपक्ष की नेता आतिशी ने विजेंद्र गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा विधानसभा में मजबूती से लोगों के मुद्दे उठाए हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जैसे ही सीएम ऑफिस से आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटाने का दावा किया, वैसे ही हंगामा शुरू हो गया। स्पीकर ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए विपक्षी विधायकों को बैठने का निर्देश दिया। उन्होंने विपक्षी दलों के विधायकों के व्यवहार को अमर और असंसदीय भी करार दिया। ▸▸पेज 4

PM बोले, राम मंदिर से चिढ़े लोग कुंभ को कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे

◆ जागरूक जनता नेटवर्क www.jagrukjanta.net

पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर में कहा कि राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं, लेकिन ऐसे लोगों को बिहार कभी भी माफ नहीं करेगा। पीएम का इशारा RJD के प्रमुख लालू प्रसाद द्वारा महाकुंभ को लेकर हालिया टिप्पणी की ओर था।

RJD चीफ लालू यादव पर पीएम का निशाना

किसान सम्मान निधि की 19 वीं किस्त जारी होने को लेकर कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा, 'यह जो जंगल राज वाले हैं, इनको हमारी धरोहर से, हमारी आस्था से नफरत है।' उन्होंने कहा, 'इस समय प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है। पूरे यूरोप की जितनी जनसंख्या है, उससे भी ज्यादा लोग अब तक महाकुंभ में डुबकी लगा चुके हैं। ▸▸पेज 9

सोमवार को भागलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान PM और सीएम नीतीश कुमार

नीतीश को बताया लाडला सीएम

नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तारीफ करते हुए जहां 'लाडला मुख्यमंत्री' बताया, वहीं मुख्यमंत्री ने भी प्रधानमंत्री की तारीफ करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों की भी सराहना की। इसके अलावा, पीएम सोमवार को भोपाल में एक कार्यक्रम में बी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश पसंदीदा व्यापार स्थल बन रहा है। राज्य में निवेश करने का यह सही समय है।

चैंपियंस ट्रोफी: भारत, न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में

» जेजे न्यूज@ मुंबई: भारत और न्यूजीलैंड ने ICC चैंपियंस ट्रोफी के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। सोमवार को न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को ग्रुप ए के मैच में 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। भारत और न्यू जीलैंड के 2 मैचों में 4 पॉइंट्स हो गए हैं और उनका इस ग्रुप से पहले 2 स्थानों पर रहते हुए सेमीफाइनल राउंड में पहुंचना पक्का हो गया है। ग्रुप की 2 अन्य टीमें पाकिस्तान (2 मैचों में कोई अंक नहीं) और बांग्लादेश (2 मैचों में 0 अंक) सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई हैं।

मोटापे के खिलाफ PM की मुहिम, साथ देंगी हस्तियां

◆ जागरूक जनता नेटवर्क www.jagrukjanta.net

पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मोटापे के खिलाफ मुहिम शुरू की। इसका हिस्सा बनने के लिए पीएम ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, उद्योगपति आनंद महिंद्रा और ऐक्टर मोहनलाल सहित अलग-अलग क्षेत्रों की 10 हस्तियों को नॉमिनेट किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मैं मोटापे के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने और भोजन में तेल की खपत को कम करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कुछ लोगों को नामित करना चाहूंगा। मैं उनसे यह भी अनुरोध करता हूं कि वे भी आगे ऐसे 10 और लोगों को नामित करें ताकि हमारा आंदोलन बड़ा हो सके।' मोदी ने भोजपुरी ऐक्टर निरहुआ, निशानेबाज मनु भाकर, वेटलिफ्टर मीराबाई चानू, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि, आर. माधवन, श्रेया घोषाल और सुधा मूर्ति के नाम भी नॉमिनेट किए हैं।

लोगों से जागरूकता बढ़ाने की अपील भी की।

श्रेया घोषाल को भी नॉमिनेट किया है

यूक्रेन युद्ध पर UN में प्रस्ताव पास, भारत वोटिंग से दूर

■ **एपी, वॉशिंगटन :** संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGC) में यूक्रेन युद्ध पर एक प्रस्ताव पेश किया गया। इसमें युद्ध को जल्द खत्म करने और शांति बहाल करने की अपील की गई थी। वोटिंग में 93 देशों ने समर्थन दिया, 18 देशों ने विरोध किया, जबकि 65 देशों ने वोटिंग से दूरी बना ली। भारत उन्हीं 65 देशों में शामिल रहा जिन्होंने वोटिंग से परहेज किया। प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। इसमें मांग की गई है कि रूस तुरंत अपनी सेना वापस बुला ले। युद्ध को 3 साल पूरे हो गए हैं।

रूस से तुरंत सेना वापस बुलाने की मांग की गई

मौसम खुशनुमा, ग्रैप-2 की पाबंदियां 4 महीने बाद हटीं

PTI

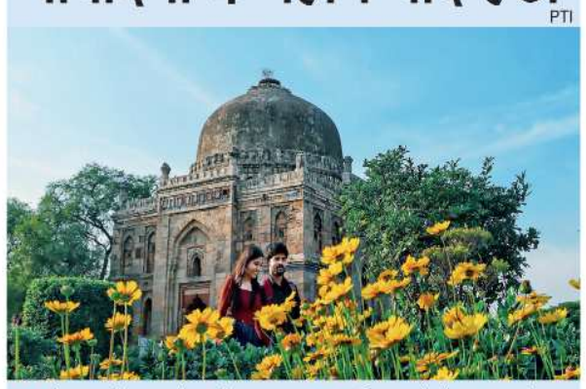

■ सोमवार को प्रदूषण के कंट्रोल स्थिति में पहुंचने के बाद दिल्ली-NCR से 4 महीने के बाद ग्रैप-2 की पाबंदियों को हटा लिया गया।

■ पाबंदियां हटने से अब इंटरस्टेट बीएस-4 डीजल बसों पर से भी रोक हटा ली गई है। सोमवार को AQI 186 रहा।

यूपी सरकार SC में- कुआं, मस्जिद सरकारी भूमि पर

» जेजे न्यूज@ नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि यूपी के संभल में शाही जामा मस्जिद के पास विवादित कुआं सरकारी भूमि पर है, जिसे याचिकाकर्ता शाही मस्जिद मैनेजमेंट कमिटी कब्जाने का प्रयास कर रही है। कुआं ही नहीं, विवादित धार्मिक स्थल भी सार्वजनिक भूमि पर है। कोर्ट ने 10 जनवरी को यूपी सरकार से कुएं पर स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी, जिसपर यूपी सरकार ने ये जवाब दाखिल किया है। कमिटी ने मांग की थी कि कुएं पर यथास्थिति रखी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कुएं पर मांगी थी रिपोर्ट

बांग्लादेश में एयरफोर्स अड्डे पर हमला, एक की गई जान

◆ जागरूक जनता नेटवर्क www.jagrukjanta.net

बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी तटीय शहर कॉक्स बाजार में एयरफोर्स अड्डे पर सोमवार को भीड़ ने हमला कर दिया। इस दौरान एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कई घायल हो गए। रक्षा मंत्रालय के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन्स निदेशालय ने कहा कि उपद्रवियों ने दोपहर के समय कॉक्स बाजार के समिति पारा के पास एयरफोर्स अड्डे पर अचानक हमला कर दिया। पुलिस ने बताया, 'झड़प के दौरान 30 साल के स्थानीय व्यापारी शिहाब कबीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई।' हालांकि, रिपोर्टों में कहा गया है कि यह घटना हवाई अड्डे के विस्तार की परियोजना के कारण हुई। इसके लिए पड़ोस के लोगों को कहीं और शिफ्ट करने की जरूरत है और इस प्रस्ताव का कुछ लोगों ने विरोध किया था।

अचानक हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं।

गृह मंत्रालय के बाहर भी प्रदर्शन हुआ।

'गंदी बात' के लिए यूट्यूबर रणवीर से 5 घंटे पूछताछ

जेजे न्यूज@ मुंबई: महाराष्ट्र साइबर सेल ने सोमवार को यूट्यूबर्स रणवीर इलाहबादिया और आशीष चंचलानी से 'इंडियाज़ गॉट लेटेंट' शो विवाद में पांच घंटे तक पूछताछ की। दोनों पहले समन टाल चुके थे और सोमवार सुबह नवी मुंबई के मुख्यालय पहुंचे। शो में अश्लील टिप्पणियों को लेकर रणवीर पर कई एफआईआर दर्ज हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देते हुए पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 मार्च को होगी।

रणवीर इलाहाबादिया

जर्मनी चुनाव में बदली सत्ता, मर्ज बन सकते हैं नए चांसलर

◆ जागरूक जनता नेटवर्क www.jagrukjanta.net

जर्मनी में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। कंजर्वेटिव विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्ज (Friedrich Merz) ने संसदीय चुनाव में जीत हासिल कर ली है। उनकी पार्टी 'क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन' की अगुआई वाला गठबंधन सीडीयू/सीएसयू विजेता के रूप में उभरा है। लिहाजा, 69 साल के नेता फ्रेडरिक जर्मनी के चांसलर बन सकते हैं। उनकी पार्टी को करीब 28% वोट मिलने का अनुमान है। सरकार बनाने के लिए गठबंधन करना होगा, क्योंकि बहुमत के लिए 630 में से 316 सीटें चाहिए, और कोई भी पार्टी अकेले यह आंकड़ा छूती नहीं दिख रही। मौजूदा चांसलर ओलाफ शोल्ज ने अपनी सेंटर लेफ्टिस्ट विचारधारा वाली 'सोशल डेमोक्रेट्स' की हार स्वीकार कर ली है। चुनाव में दूसरे सबसे बड़े दल के रूप में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी AFD उभरी है। इसे 151 सीटें मिलने का अनुमान है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार जर्मनी में किसी कट्टरपंथी दक्षिणपंथी पार्टी ने इतनी सीटें जीती हैं।

69 साल के नेता फ्रेडरिक मर्ज ने जर्मनी के चुनाव में जीत हासिल की

ANCHOR | **शिवरात्री विशेष**

भद्रा क्या है? इसकी उत्पत्ति कहां से हुई और इसका दोष कहां लगता है

◆ जागरूक जनता नेटवर्क www.jagrukjanta.net

जयपुर। भद्रा! धार्मिक कार्य हो या सामाजिक मांगलिक कार्य। इनमें सबसे पहले भद्रा पर विचार किया जाता है। भद्रा पर विचार क्यों किया जाता है। हम देखते हैं कि होली जलाने से पहले, राखी बांधने से पहले और विवाह में पंडितजन भद्रा को बचाते हैं। अभी हाल ही में शिवरात्रि पर भद्रा को लेकर कुछ ज्योतिषाचार्यों की टिप्पणियां अखबारों में प्रकाशित हुई। उनमें शिवरात्रि पूजन को भद्रा से बचाते हुए अपनी राय प्रकट की थी। इस विषय में विद्वान ज्योतिषविद् पं. केदार दाधीच ने शास्त्रों का हवाला देते हुए बताया कि हमें सबसे पहले तो यह जानना होगा कि भद्रा क्या है और इसकी उत्पत्ति कैसे हुई। मुहुर्त चिंतामणि में वर्णित है कि एक बार देवता और दानवों में युद्ध हुआ था, उस समय दानवों ने देवताओं को हरा दिया था। उस समय देवता भगवान शंकर के पास गये और अपनी व्यथा सुनाई। उसके बाद भगवान शंकर ने दानवों के संहार और देवताओं को राज्य वापस दिलाने के लिए भद्रा को अपने भाल नेत्र (तीसरे नेत्र) से प्रकट किया था। भद्रा का रूप बड़ा ही भयावह और विकराल है। उसके तीन पैर हैं, खर (गधा) मुखी, सात हाथ, सिंह के समान जिसकी गर्दन, प्रेतवाहिनी के रूप में प्रकट होकर दैत्यों का संहार कर दिया। इसके बाद भद्रा ने भगवान शंकर से याचना की कि अब मैं अपना उदर कैसे भरूंगी। क्या व्यवस्था है मेरे लिए। इस पर भगवान शंकर ने कहा कि मैं कुछ तिथियां निर्धारित करता हूं। उन तिथियों में जो भी शुभ और मांगलिक कार्य होंगे, उनका फल तुम्हें प्राप्त होगा। इसलिए मांगलिक कार्यों का फल भद्रा को नहीं चला जाए, इससे बचने के लिए ज्योतिषाचार्यों द्वारा भद्रा की तिथियों को बचाया जाता है। भद्रा का निवास तीनों ही लोकों में माना गया है, इसलिए मृत्यु लोक में भद्रा निवास काल को शास्त्रों में त्याज्य बताया है। अब बात शिवरात्रि पर पूजन की करें, तो भद्रा भगवान शंकर द्वारा प्रकट की गई है इसलिए शिव पूजन में भद्रा को बचाने की जरूरत नहीं है। शिव रात्रि 26 फरवरी को है और भद्रा प्रातः 11 बजकर 9 मिनट से प्रारंभ होकर रात्रि 10 बजकर 2 मिनट तक रहेगी। जबकि शिवरात्रि (चतुर्दशी) अगले दिन यानी 27 फरवरी को प्रातः 8 बजकर 55 मिनट तक रहेगी। इसके बाद अमावस्या रहेगी। इसलिए भद्रा का कोई विचार ही नहीं है। अगर भद्रा के विषय में किसी को शंका हो तो वह 9929508286 पर सम्पर्क कर सकता है।

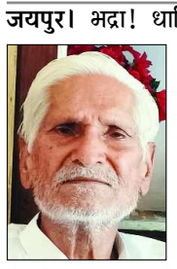

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर का आज होगा आयोजन

जागरूक जनता @ गुड़ामालानी। क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूजाबेरी में दो दिवसय फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर का आज होगा आयोजन प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की सभी किसानों को फार्मर आईडी की रजिस्ट्री होगी। शिविर के माध्यम से प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जाएगी। किसानों को आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर से बनाई जाएगी। आधार से मोबाइल नंबर लिंक होना जरूरी, भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी कोई भी किसान इस फार्मर रजिस्ट्री आईडी से वंचित न रहे। पटवारी हिरकराम ने दी जानकारी।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 21वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

किसानों तक शोध, अनुसंधान का लाभ पहुंचाने की कड़ी के रूप में काम करें कृषि विश्वविद्यालय - राज्यपाल

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों तक शोध, अनुसंधान का लाभ पहुंचाने की कड़ी के रूप में काम करें। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही इसका उत्पादन है। इसलिए सभी पानी की बचत में सहयोग करें। राज्यपाल बागडे बीकानेर जिले में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। राज्यपाल ने कहा कि 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।राज्यपाल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी।

समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया। उन्होंने स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा के भवन और छात्रावास भवन का किया लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए 'आपणो कृषि बाजार' का लोकार्पण भी किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि अपने उत्पादों के विपणन के लिए भी सजग रहें। उन्होंने फसलों के साथ खाद्य प्रसंस्करण और डेयरी उत्पादों के बाजार की दृष्टि से आपनो बाजार को महती बताया।

दौसा जिले में विद्यार्थियों ने जाने तंबाकू के दुष्परिणाम

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

दौसा। दौसा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ दौसा एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दौसा जिले के 3 ब्लॉक दौसा, सिकराय, एवं लालसोट क्षेत्र में निजी एवं राजकीय विद्यालयों/ महाविद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया गया, दौसा जिला क्षेत्र में स्कूल कॉलेज में सोसाइटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिषद के 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ निबंध एवम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाकर विधार्थियो व शिक्षको का आमुखीकरण किया गया सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में सोसाइटी के परियोजना अधिकारी बतौर प्रतिनिधी गौरव मिश्रा, दिनेश, बनवारी गिर्राज, हेमलता शर्मा द्वारा उक्त कार्यक्रमों को आयोजित किया गया है साथ ही समस्त विद्यालयों को कोटप्पा अधिनियम 2003 के बारे में जानकारी दी गई। एवम समस्त स्टाफ और विधार्थियो को तंबाकू मुक्त परिसर रखने एवं तंबाकू उत्पादों का सेवन नही करने के लिए शपथ दिलवाई गई कार्यक्रम के आयोजन में बच्चो ने बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लिया

"देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान के प्रथम चरण के समापन समारोह में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को मिला प्रथम पुरस्कार

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान के प्रथम चरण का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह मुंबई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव, सार्वजनिक आरोग्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबिटकर, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष वैद्य जयंत देवपुजारी, और "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान के सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा को "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं समर्पित सेवा के लिए तीन प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ने पूरे देश में स्नातकोत्तर महाविद्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए संस्थान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, राजस्थान राज्य ने अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए देश में संख्यात्मक दृष्टि से चतुर्थ स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए राज्य को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। राजस्थान प्रदेश की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रोफेसर संजीव शर्मा ने प्राप्त किया। कुलपति प्रो. संजीव शर्मा एवं सदस्य, सलाहकार समिति, "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान को भी इस अभियान में उनकी उत्कृष्ट भागीदारी एवं समर्पण के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने बतौर सलाहकार समिति के सदस्य इस अभियान को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई। उनके जागरूक प्रयास एवं समर्पण को प्रेरणादायक बताते हुए आयोजकों ने उनकी सराहना की।

मृदा संसाधन मानचित्रण और प्रबंधन की नवीनतम तकनीक आधारित 21 दिवसीय शीतकालीन स्कूल का समापन

भू-स्थानिक तकनीकों के अनुप्रयोगों से मृदा संसाधन प्रबंधन में ज्ञान और कौशल को बढ़ाने पर जोर

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

उदयपुर। 21-दिवसीय आईसीएआर-प्रायोजित शीतकालीन स्कूल "आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों से मृदा संसाधन मानचित्रण और प्रबंधन" का समापन समारोह आईसीएआर-एनबीएसएस एंड एलयूपी, आरसी, उदयपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य भू-स्थानिक तकनीकों के अनुप्रयोगों के माध्यम से मृदा संसाधन प्रबंधन में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना था। इस सत्र में विभागीय प्रमुखों, क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुखों, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, तकनीकी स्टाफ और देशभर से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शोभा डॉ. एन.जी. पाटिल, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएसएस एंड एलयूपी, नागपुर, ने मुख्य अतिथि के रूप में बढ़ाई। शिवप्रसाद नकाते, आबकारी आयुक्त, उदयपुर, और डॉ. एम.जी. शिंदे, प्रोफेसर एवं प्रमुख, एमपीकेवी, राहुरी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत गर्मजोशी से स्वागत और प्रतिष्ठित अतिथियों के सम्मान के साथ हुई, जिसे डॉ. बी.एल. मीना, प्रमुख, आरसी, उदयपुर ने किया। डॉ. आर.पी. शर्मा, पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें प्रमुख अंतर्दृष्टि और उपलब्धियों को उजागर किया गया। प्रतिभागियों ने अपने फीडबैक साझा किए और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त समृद्ध सत्रों और व्यावहारिक अनुभव के लिए सराहना व्यक्त की। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को उनके सफल समापन के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अतिथियों ने सभा को संबोधित किया और आधुनिक मृदा संसाधन प्रबंधन में भू-स्थानिक तकनीकों के महत्व पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. एम.जी. शिंदे ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की आधुनिक कृषि पद्धतियों में भूमिका पर प्रकाश डाला। शिवप्रसाद नकाते ने भू-स्थानिक तकनीकों की उन्नति के महत्व, भूमि क्षरण, मरुस्थलीकरण और मृदा संबंधित समस्याओं के आकलन और उनके समाधान पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि डॉ. एनजी पाटिल ने प्रतिभागियों को अपने व्यावसायिक प्रयासों में प्राप्त ज्ञान को लागू करने के लिए प्रेरित किया और डिजिटल कृषि में भू-स्थानिक तकनीकों के महत्व पर विशेष रूप से बल दिया। इस कार्यक्रम का समापन डॉ.बृजेश यादव, पाठ्यक्रम समन्वयक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। समापन समारोह ने एक अत्यंत सूचनात्मक और प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति को चिह्नित किया, जिससे मृदा संसाधन प्रबंधन में भू-स्थानिक अनुप्रयोगों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र

जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

जो दिखेगा वही बिकेगा

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम

शिक्षण संस्थानों में बताये तंबाकू से होने वाले दुष्परिणाम

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में जयपुर प्रथम जिले के ब्लॉक जमवा रामगढ़, आंधी, आमेर, शाहपुरा, जालसू, चौमू , सिरसी, जयपुर शहर क्षेत्र में निजी एवं सरकारी विद्यालयों/ महाविद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय एवं तंबाकू मुक्त महाविद्यालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमे छात्र- छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया गया साथ ही विधार्थियो को तंबाकू सेवन न करने हेतु शपथ का आयोजन भी किया जा रहा है जयपुर प्रथम जिला क्षेत्र में स्कूल कॉलेज में सोसाइटी द्वारा विभिन्न प्रकार के बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिसर में 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर कोटपा अधिनियम 2003 से अवगत कराया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है तथा प्रथम आने वाले विद्यार्थी को सम्मानित भी किया जा रहा है सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया इस क्षेत्र में सोसाइटी के परियोजना अधिकारी बतौर प्रतिनिधि गौरव मिश्रा, वैभव मिश्रा अनिल, प्रेम मेहरा द्वारा उक्त कार्यक्रमों को आयोजित किया जा रहा है।

काव्य कुंभ 2 को, कई काव्य रसों का होगा महासंगम

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। काव्यम् के सीजन-3 काव्य कुंभ में हास्य-व्यंग्य, श्रृंगार और वीर रस की रचनाओं का महासंगम होगा, जहां दानिशमंद श्रोता डुबकी लगाएंगे। साहित्य, कला-संस्कृति की काव्यम् संस्था के प्रणेता राजेश शर्मा ने बताया कि कवि सम्मेलन का मकसद रोजमर्रा की जिन्दगी में खुशनुमा रंग भरना है ताकि लोग कुछ लम्हें खुशियों के समुंदर में आकंठ डूब जाएं। यह राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आगामी 2 मार्च को शाम 6:15 बजे यहां स्टेच्यू सर्किल स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में होगा। साढ़े तीन घंटे तक चलने वाले कवि सम्मेलन में देश के नामी कवि-कवयित्री अपनी रचनाओं से जयपुर को गुदगुदाएंगे। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में दिल्ली के हास्य के मशहूर कवि पद्मश्री सुरेन्द्र शर्मा, बिहार के हास्य कवि शंभु शिखर, नैनीताल की श्रृंगार रस की कवयित्री गौरी मिश्रा, राजस्थान के हास्य कवि केसरदेव मारवाड़ी, ग्रेटर नोएडा के वीर रस के कवि अमित शर्मा और दिल्ली के हास्य-व्यंग्य के कवि राजेश अग्रवाल अपनी रचनाओं से जयपुर की आबोहवा में काव्य-रस घोलेंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा, लेकिन एंट्री प्रवेश-पत्र से ही होगी।

प्रदेश में 5 हजार अन्नपूर्णा भंडार विकसित किए जाएंगे - गोदारा

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष की बजट घोषणा के तहत प्रदेश की 5 हजार उचित मूल्य की दुकानों को अन्नपूर्णा भंडार के रूप में विकसित किया जाएगा। जिससे उस क्षेत्र विशेष के व्यक्तियों के लाभान्वित होने के साथ ही अन्नपूर्णा भंडार के संचालक की आय में भी वृद्धि हो सकेगी।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राशन वितरण प्रक्रिया में अनियमितताओं को रोकने के लिए विभाग द्वारा समय-समय उचित मूल्य की दुकानों की जाँच की जाती है एवं किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सम्बंधित के विरुद्ध नियमानुसार निलंबन एवं निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाती है।

इससे पहले विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा स्मार्ट पीडीएस (Scheme for modernization and Reforms through Technology in Public Distribution System) योजना अप्रेल, 2023 से प्रारम्भ की गई जो मार्च, 2026 तक लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि इसके तहत राशन कार्ड मैनेजमेंट,सप्लाई चैन ऑपरेशन,एफपीएस ऑटोमेशन, पोर्टेबिलिटी डाटा प्रमाणीकरण, डाटा विश्लेषण, राशनकार्डों के डी-डुप्लिकेशन/प्रमाणीकरण से संबंधित कार्य किये जा रहे हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में 25,527 उचित मूल्य दुकानदारों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। जहां पर ई-पोस मशीन, IRIS मशीन एवं इलेक्ट्रोनिक तुलन यंत्र से संयोजित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से प्रदेश के 1,06,34,518 राशन कार्ड धारी, 4,39,08,363 यूनिट को बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद पारदर्शी रूप से प्रतिमाह समयबद्ध तरीके से राशन वितरण किया जा रहा है। संबंधित लाभार्थी को बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद राशन सामग्री वितरण होने से अनियमितता की संभावना नगण्य है।

गोदारा ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत प्रदेश के समस्त 41 जिलों की उचित मूल्य की 25,527 दुकानों को शामिल किया गया है। जिनमें से शेष 4 दुकानों -बीलखेडाडांग (जिला बारां) की 2,मोठडी (जिला बाड़मेर) की 1, छींड (कोटपुतली-बहरोड) की 1 में नेटवर्क समस्या के कारण उपभोक्ताओं को बायोमेट्रिक सत्यापन के बिना ऑफ-लाइन वितरण किया जा रहा है।

प्रयागराज महाकुंभ से लौटने पर किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

रावतसर। ग्राम पंचायत रामसर कुआं एवं कुडला के गुमनोणी जाखड़ परिवार एवं बनोणी जाखड़ परिवार के महाकुंभ प्रयागराज संगम स्नान कर वापस घर लौटने पर परिवारजनों, रिश्तेदारों व ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सत्संग का भी आयोजन किया गया और महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस मौके पर सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामजी का गोल फांटा में दो दिवसय फार्मर रजिस्ट्रेशन शिविर का आयोजन प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की आईडी कैंप में 370 किसान फार्मर आईडी की रजिस्ट्री हुई। शिविर के माध्यम से प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की गई। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर से बनाई गई। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी। शिविर में उपस्थित सरपंच केसाराम कुकणा , पूर्व सरपंच खुमाराम बैरड़, कैंप प्रभारी आईदान राम सहायक विकास अधिकारी,मोडाराम ग्राविअ सगराणियो की बेरी, नगाराम सियोल क.स. ग्रा. स. सगराणियो की बेरी, हिरकनराम पटवारी पीपराली, शंभुराम क.स. ग्रा.प. पीपराली, संबंधित पंचायत सहायक,राणाराम शर्मा ग्राविअ पूजाबेरी, ई-मित्र धारक आदि इन सभी का सरपंच केसाराम ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोजगार सहायता शिविर 5 मार्च को

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। जिला रोजगार कार्यालय, चित्तौड़गढ़ द्वारा 5 मार्च बुधवार को एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक ग्रामीण हाट बाजार, कीरखेड़ा, चित्तौड़गढ़ में संचालित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस शिविर में ऑटोमोबाइल, सीए फर्म, मार्बल इंडस्ट्री, मॉल, पेट्रोल पंप, लीगल एडवाइजर, हॉस्पिटल केयर टेकर, सुपरवाइजर, आईटी फील्ड, कैटरिंग वर्क्स, सुरक्षा प्रहरी, बीमा सलाहकार, आईटीआई तकनीशियन, फाइनेंस, कृषि, रिटेल मार्केटिंग, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों से 15 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी। शिविर में नियोजकों द्वारा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर मौके पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। निजी क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक 18 से 35 वर्ष के युवाओं के लिए लगभग 1000 रिक्त पदों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इनमें 8वीं, 10वीं, 12वीं पास, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा/बीटेक आदि योग्यताएं आवश्यक हैं।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ के विद्यार्थियों ने पिंक फेस्ट में बिखेरी रचनात्मकता

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित पिंकसिटी अंतर्राष्ट्रीय कला, विरासत, साहित्य एवं संस्कृति महोत्सव "पिंकफेस्ट 2025" में भारतीय सांस्कृतिक वैभव का भव्य प्रदर्शन हुआ। इस आयोजन में बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के विभिन्न विभागों ने अपनी विशिष्ट प्रस्तुतियों के माध्यम से कला और संस्कृति के विविध आयामों को उजागर किया। फेस्ट में फैशन विभाग ने पारंपरिक पहनावे के ज़रिए भारतीय संस्कृति और सस्टेनेबल डवलपमेंट का संदेश दिया, जबकि विजुअल आर्ट्स विभाग ने पेंटिंग और कला के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। वहीं, पत्रकारिता विभाग ने पूरे फेस्ट की व्यापक कवरेज करते हुए अपने पत्रकारिता कौशल का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी और डीन व प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने सभी विभागों के प्रयासों की सराहना की। फैशन विभाग का नेतृत्व कोऑर्डिनेटर एचओडी रितु शर्मा सोनी और पूजा सोमवंशी ने किया। विजुअल आर्ट्स विभाग का नेतृत्व एचओडी रमाकांत गौतम और सोनिया शर्मा ने संभाला, जबकि पत्रकारिता विभाग की टीम ने दीक्षा सक्सेना के नेतृत्व में फेस्ट की कवरेज को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। सभी विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और दक्षता का परिचय देते हुए महोत्सव में उत्कृष्ट योगदान दिया।

राज्य सरकार मंदिरों के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं विकास कार्यों के प्रति संवेदनशील

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार मंदिरों के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं विकास कार्यों के लिए संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में देवस्थान विभाग के अधीन 593 मंदिरों में 161 करोड़ रुपए से विकास कार्य करवाए जाने की घोषणा की है। इनमें से प्रदेश के 552 मंदिरों पर 101 करोड़ रुपए तथा प्रदेश से बाहर के 41 मंदिरों में 60 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए जाएंगे। देवस्थान मंत्री मंगलवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बजट 2025-26 में देवस्थान विभाग में प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर मंदिरों में कार्यरत अंशकालीन पुजारियों को दिए जा रहे मानदेय को 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 7500 रुपए प्रतिमाह करने की घोषणा की गई है। साथ ही, भोगराग को दोगुना करते हुए 3 हजार रुपए प्रति माह किया गया है।

कुमावत ने आश्वस्त किया कि झालावाड़ जिले के क्यासरा गांव में स्थित कायावर्णेश्वर महादेव मंदिर की वर्तमान स्थिति का परीक्षण उपरांत वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार विकास कार्य करवाया जाएगा। इससे पहले विधायक कालूराम के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग के स्तर से विगत पांच वर्षों में कोई नवीन धर्म स्थल का निर्माण नहीं किया गया है। उन्होंने विगत पांच वर्षों में प्रतिवर्ष निर्माण, जीर्णोद्धार, तीर्थयात्रा व अन्य आधारों पर बजट आवंटित एवं व्यय की सूचना तथा विगत पांच वर्षों में वर्ष की समाप्ति पर विभाग की विनियोजित राशि एवं वर्ष में विनियोजन से प्राप्त आय का विवरण सदन के पटल पर रखा।

डी.एफ.ए.चित्तौड़गढ़ की टीम ने जयपुर में चल रही स्टेट चैंपियनशिप में लगातार दूसरा मैच भी जीता

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

निंबाहेड़ा। जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष पूरण आंजना के निर्देशन में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ अंडर-20 की टीम ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के निर्देशन में राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा जयपुर में आयोजित की जा रही स्टेट चैंपियनशिप में भाग ले रही है। स्टेट चैंपियनशिप में राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त जिला फुटबॉल संघों की टीमें भाग ले रही हैं। जयपुर चौगान स्टेडियम में आयोजित स्टेट चैंपियनशिप में अपना पहला मैच राजसमंद की टीम से जीतने के पश्चात चित्तौड़गढ़ की टीम ने अपना लगातार दूसरा मैच भी जीत लिया है। चित्तौड़गढ़ टीम के मैनेजर एवं पूर्व नेशनल खिलाड़ी इफ्तेखार अहमद और टीम के कोच मोहम्मद शकील मंसूरी ने जानकारी देते हुए बताया कि चित्तौड़गढ़ की टीम का दूसरा मैच मंगलवार दोपहर को बीकानेर की टीम से हुआ जिसमें टीम ने बेहतरीन खेल प्रदर्शन किया। चित्तौड़गढ़ टीम के खिलाड़ी तिलक बारेठ की दो बेहतरीन पास पर अब्बास कुरैशी और भव्यराज सिंह ने शानदार गोलकर अपनी टीम को 2-0 से जीत दिलाई।

डी.एफ.ए.चित्तौड़गढ़ टीम द्वारा लगातार दूसरा मैच जीतने पर जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना, कोषाध्यक्ष मनोज पारख, उपाध्यक्ष ज़की अहमद, मोहम्मद कुरैशी, रामकिशन चौधरी, सचिव फैसल खान, सह सचिव राजेश जैन, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश मेघवाल, रफीक खान, मेवाड़ क्लब के अध्यक्ष कैलाश पंवार, सनराईज क्लब के शाहिद हुसैन,मॉर्निंग क्लब निंबाहेड़ा के यूसुफ खान सहित समस्त जिला फुटबॉल संघ से संबद्धता प्राप्त क्लबों और खेलप्रेमियों ने टीम के शानदार प्रदर्शन कर विजयी होने पर टीम के कोच मो. शकील मंसूरी, मैनेजर इफ्तेखार अहमद, धर्मेन्द्र सिंह तंवर और पूरी टीम को बधाई दी।

टील्स एजुकेशन में बालिकाओं और महिलाओं के लिए निःशुल्क कंप्यूटर व इंग्लिश कोर्स

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। गांधीनगर स्थित टील्स एजुकेशन में राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चयनित 70 बालिकाओं एवं महिलाओं को स्पोकन इंग्लिश, पर्सनालिटी डेवलपमेंट और कंप्यूटर शिक्षा का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इन सभी को आरएससीआईटी कोर्स भी निःशुल्क कराया जा रहा है, जो कि आरकेसीएल से मान्यता प्राप्त है और कई सरकारी नौकरियों में अनिवार्य प्रमाणपत्र के रूप में आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, कई बालिकाएं अंग्रेजी भाषा का गहन अध्ययन भी कर रही हैं, जिसमें वे प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अंग्रेजी बोलना, लिखना और समझना सीख रही हैं। इस पूरी प्रक्रिया में वर्ड्सवर्थ लैब का भी महत्वपूर्ण योगदान है। संस्थान के निदेशक अभिषेक कांकरिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजस्थान सरकार द्वारा टील्स एजुकेशन का चयन किया गया है ताकि अधिक से अधिक बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके। वहीं, संस्था की रेखा साहू ने बताया कि कंप्यूटर और अंग्रेजी का ज्ञान आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे बालिकाओं और महिलाओं को बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
हर खबर से आपको रखें अपडेट
www.facebook.com/jagrukjantanews
जागरूक जनता

बकरी पालन व्यवसाय स्वयं सहायता समूहों के लिए वरदान- प्रो. वर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

उदयपुर। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं अखिल भारतीय कृषिरत महिला अनुसंधान परियोजना के संयुक्त तत्वाधान में झाड़ोल व फलासिया के स्वयं सहायता समूह की 30 महिलाओं एवं गुडली के 2 स्वयं सहायता समूहों की 40 महिलाओं के लिए बकरी पालन व्यवसाय का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम राजस्थान कृषि महाविद्यालय में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में प्रो.अरविंद वर्मा, निदेशक अनुसंधान ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास जैसी योजनाओं द्वारा कृषक परिवारों को लाभान्वित किया जाता है। इस वर्ष लगभग 6 से 7 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत हुई है जिनसे उदयपुर एवं आसपास के किसानों को लाभ मिलेगा। इस प्रशिक्षण द्वारा महिलाएं स्वावलंबन की दिशा में अपने कदम बढ़ाएंगी। राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना प्रभारी डॉ विशाखा बंसल ने बताया कि इन दो दिवस में महिलाओं को बकरी पालन व्यवसाय के साथ ही राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनान्तर्गत के गठित महिला स्वयं सहायता समूहों की कार्य विधि समझाते हुए कहा कि सभी समूहों को कृषि संबंधित व्यवसायों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस हेतु झाडोल व फलासिया में 10 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है।

प्रशिक्षण में बकरियों की नस्लों, बकरियों से संबंधित रोगों व उनके उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया 7सरकार से मिलने वाली सहायता, मुख्य बीमारी जैसे आफरा चढ़ जाने पर इंजेक्शन बाई तरफ लगाया जाना आदि तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में डॉ. जे. एल. चौधरी, एमिरेट्स वैज्ञानिक, डॉ ओ.पी. पाटोदिया, रिटायर्ड प्रोफेसर, संदीप गिल एवं अनीता कुमारी मीणा आदि ने बकरी पालन की विस्तृत जानकारी दी। बकरी को गरीब की गाय एवं चलता फिरता ए.टी.एम. कहा गया क्योंकि बकरी पालन व्यवसाय से पालनकर्ता आसानी से आय अर्जित कर सकते हैं और जरुरत पड़ने पर बकरी को बेच भी सकते हैं। प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूह को आय संवर्धन से जोड़कर स्वावलंबी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्तिक सालवी, डॉ. कुसुम शर्मा व अनुष्का तिवारी ने महिलाओं को पशुपालन इकाई का भ्रमण करवाया।

आयुष औषधियों में फार्मेकोविजिलेंस एवं भ्रामक विज्ञापन" विषय पर हुआ आयोजन

पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में फार्मेकोविजिलेंस, औषधियों के गुणवत्ता नियंत्रण एवं भ्रामक विज्ञापनों के लिए आवश्यक है

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्व विद्यालय जोधपुर में परिधीय फार्मेकोविजिलेंस केंद्र, जोधपुर एवं पीजी विभाग, द्रव्यगुण, पीजीआईए, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वाधान में "आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथिक औषधियों में फार्मेकोविजिलेंस एवं भ्रामक विज्ञापन" विषय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में फार्मेकोविजिलेंस औषधियों के गुणवत्ता नियंत्रण एवं भ्रामक विज्ञापनों के लिए आवश्यक है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. मोहम्मद खालिद (सहायक औषधि नियंत्रक, लाइसेंसिंग प्राधिकरण, दिल्ली सरकार, आयुष निदेशालय, नई दिल्ली) ने आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी एवं होम्योपैथिक औषधियों में गुणवत्ता मानकों के अनुपालन, दुष्प्रभावों की रिपोर्टिंग एवं जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में डॉ. मंदीप जायसवाल (एसो. प्रो., रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभागाध्यक्ष, एसआरएम आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली) ने अपने व्याख्यान में आयुर्वेदिक औषधियों के मानकीकरण, वैज्ञानिक प्रमाणीकरण एवं भ्रामक विज्ञापनों द्वारा रोगियों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) गोविंद सहाय शुक्ल (विभागाध्यक्ष, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग, पीजीआईए, जोधपुर) एवं प्रो. (डॉ.) चंदन सिंह (वाइस प्रिंसिपल एवं विभागाध्यक्ष, पीजी विभाग, द्रव्यगुण, पीजीआईए, जोधपुर) ने की। दोनों विशेषज्ञों ने फार्मेकोविजिलेंस की वर्तमान चुनौतियों एवं भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में पीजीआईए, जोधपुर के प्राचार्य डॉ. राजाराम अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। फार्मेकोविजिलेंस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार अदलखा (एसो. प्रो., पीजी विभाग, द्रव्यगुण, पीजीआईए, जोधपुर) ने विगत में फार्मेकोविजिलेंस से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी एवं इस क्षेत्र में किए जा रहे शोध कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में फार्मेकोविजिलेंस एडवाइजरी कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे जिसमें प्रो. (डॉ.) देवेंद्र चाहर, प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र शर्मा ,डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुरविया, प्रो. (डॉ.) हरीश कुमार सिंघल इसके अलावा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के प्राचार्य डॉ. गौरव नागर, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ योग एवं नेचुरोपैथी के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा, रसायनशाला निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. नीलिमा रेड्डी, अगदतंत्र विभागाध्यक्ष प्रो रितु कपूर सहायक आचार्य डॉ. निकिता सिंह एवं फार्मेकोविजिलेंस जूनियर फेलो डॉ. ज्योति जोशी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

"वित्तीय समझदारी समृद्ध नारी" थीम पर वित्तीय साक्षरता सप्ताह का सफल आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने और जागरूक करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 24 फरवरी को वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया गया। इस पहल के तहत सरकारी कन्या महाविद्यालय, गांधीनगर, चित्तौड़गढ़ में एक विशेष वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं को बचत, निवेश, ऋण, बजट प्रबंधन और साइबर धोखाधड़ी से बचाव पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गौतम कुकड़ा ने किया, जिन्होंने महिलाओं को वित्तीय शिक्षा से सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर सागर पवार (RBI LDO), परेश टैंक (LDM, चित्तौड़गढ़), सचिन सक्सेना (ALDM), अशोक कोठारी (निदेशक, RSETI), विष्णु दत्त (CFL) प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर में भारतीय रिज़र्व बैंक के सागर पवार ने बचत, बजट, निवेश रणनीतियों और ऋण प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समझदारी से वित्तीय निर्णय लेने से महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं। विष्णु दत्त ने साइबर धोखाधड़ी से बचाव पर एक विशेष सत्र लिया, जिसमें फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और डिजिटल लेन-देन की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। अशोक कोठारी ने महिलाओं को स्वरोजगार और कौशल विकास के अवसरों के बारे में बताया, जिसमें ड्रेस मेकिंग, ब्यूटी पार्लर तकनीक, जूट उत्पाद निर्माण जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। पंकज बोहरा ने बैंकिंग सेवाओं जैसे बचत खाता, एफडी, ऋण योजनाएं और निवेश विकल्पों पर जानकारी दी, साथ ही बैंक धोखाधड़ी से बचने के उपायों पर भी चर्चा की।

महिलाओं के लिए वित्तीय सशक्तिकरण का संदेश

शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय जागरूकता, स्मार्ट निवेश, धोखाधड़ी से बचाव और आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना था। वित्तीय साक्षरता केवल पैसे के प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से संसदीय राजभाषा समिति की प्रथम उप समिति के संयोजक डॉ. दिनेश शर्मा ने की मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को विधानसभा में संसदीय राजभाषा समिति गृह मंत्रालय की प्रथम उप समिति के संयोजक और सांसद डॉ. दिनेश शर्मा एवं समिति के सदस्यों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री शर्मा से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

'महाकुंभ ने यूपी के नए पंच तीर्थ को जोड़ा'

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में कहा कि महाकुंभ ने प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा, गोरखपुर को नए पंच तीर्थ के रूप में जोड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अब नए युग की ओर अग्रसर हो रहा है। दरअसल, विधानमंडल बजट सत्र के छठवें दिन विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का सीएम योगी जवाब दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में सभी को अपनी दृष्टि के अनुरूप चीजें देखने मिली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा ''महाकुंभ दुनिया में अब तक हुए सभी आयोजनों के रिकॉर्ड तोड़ रहा है। प्रयागराज महाकुंभ ने प्रदेश में नए पंच तीर्थ को जोड़ा है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु प्रयागराज, अयोध्या, काशी, गोरखपुर, मथुरा दर्शन करने लिए पहुंच रहे हैं।''

नए युग की ओर उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि जब पूरा विश्व प्रयागराज के महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता का साक्षी बन रहा है, तब विपक्ष सिर्फ आलोचना करने में व्यस्त है। उन्होंने कहा ''यह कोई साधारण आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन परंपरा, आस्था और संस्कृति का वह महोत्सव है, जिसने देश की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।'' मुख्यमंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अब तक 64 करोड़ श्रद्धालु इस दिव्य आयोजन में शामिल हो चुके हैं, जो विश्व के किसी भी धार्मिक आयोजन में शामिल होने वाले लोगों की संख्या से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज एक नए युग की ओर बढ़ रहा है।

तीन चरणों से गुजरता है हर मकान कार्य

सीएम योगी ने कहा कि महान कार्यों के प्रति समाज का रवैया तीन चरणों से गुजरता है- उपहास, विरोध और अंततः स्वीकृति। उन्होंने कहा ''राम मंदिर निर्माण और महाकुंभ आयोजन के दौरान भी यही देखने को मिला। पहले विपक्ष ने तंज कसे, फिर विरोध किया, लेकिन अंततः वे भी इसी आस्था में समर्पित हो गए।'' उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं संगम में स्नान कर आए और नेता प्रतिपक्ष ने खुद को पहले सनातनी बताया, बाद में समाजवादी। ''यह उनकी स्वीकृति का प्रमाण है।''

विश्व संस्कृति की आधारशिला है सनातन परंपरा

सीएम योगी ने महाकुंभ की तुलना दुनिया के अन्य धार्मिक आयोजनों से करते हुए कहा कि मक्का में हज के दौरान 1.4 करोड़, वेटिकन सिटी में साल भर में 80 लाख, जबकि अयोध्या धाम में मात्र 52 दिनों में 16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने कहा ''इसी तरह, काशी, मथुरा-वृंदावन और अन्य तीर्थों में भी करोड़ों श्रद्धालु पहुंचे, जिससे यह साबित हुआ कि भारत की सनातन परंपरा केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं, बल्कि विश्व संस्कृति की आधारशिला है।'' उन्होंने कटाक्ष किया कि कुछ लोग हर बार महाकुंभ को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस आयोजन ने हर नकारात्मक प्रचार को ध्वस्त कर दिया।

विपक्ष ने किया झूठा प्रचार

उन्होंने विपक्ष पर प्रयागराज महाकुंभ को बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार किया गया। ''कुछ लोगों ने दावा किया कि गोरखपुर-बस्ती मंडल के 35 लोग लापता हैं, लेकिन वे सभी सुरक्षित अपने घर लौट आए।'' उन्होंने दावा किया कि श्रद्धालु 12-12 दिन तक कुंभ में घूमते रहे, भंडारों में भोजन किया और आश्रमों में विश्राम किया। सीएम ने स्पष्ट किया कि प्रयागराज का मेडिकल कॉलेज पूरे जनपद का है और कुंभ क्षेत्र अस्थायी जनपद के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा ''इसलिए वहां होने वाली किसी भी दुर्घटना या मृत्यु की जानकारी मेडिकल कॉलेज में दर्ज होती है। कुछ लोगों ने इस तथ्य को तोड़-मरोड़ कर हजारों मौतों की अफवाह फैलाई, जबकि डिजिटल कुंभ प्रणाली ने 28,000 बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलाया।''

निर्वाचन विभाग : चुनाव संबंधी गलत एवं भ्रामक सूचनाओं पर निगरानी के लिए जिला स्तरीय समितियां होंगी अधिक सक्रिय

प्रभावी मीडिया मॉनिटरिंग, राज्य स्तर पर 4 सदस्यीय विशेष समिति गठित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान निर्वाचन विभाग एवं भारत निर्वाचन आयोग की गतिविधियों तथा क्रियाकलापों सहित लोकसभा और राज्य विधानसभा से सम्बंधित चुनावी प्रक्रिया के बारे में जन संचार माध्यमों में भ्रामक अथवा गलत खबरों, सूचनाओं (फेक न्यूज) के प्रसारण को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इसके लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (कलक्टर) को निर्देश जारी किए हैं।

महाजन ने निर्वाचन विभाग में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित चुनाव संबंधी सूचनाओं की मॉनिटरिंग एवं कार्यवाही के लिए राज्य स्तर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में एक चार-सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समिति गठित की है। यह समिति मीडिया में प्रकाशित भ्रामक जानकारी एवं गलत तथ्यों वाले समाचारों के बारे में जिला स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही के लिए समन्वय का कार्य करेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जिलों में विभिन्न मीडिया माध्यमों यथा समाचार-पत्र पत्रिकाओं, समाचार चैनल और सोशल मीडिया की नियमित रूप से प्रभावी निगरानी की जाए। इसके लिए जिला स्तरीय मीडिया मॉनिटरिंग एवं सर्टिफिकेशन समिति (डीएमसीएमसी) सक्रिय रहकर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया माध्यमों पर निर्वाचन आयोग और चुनावी प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रकाशित अथवा प्रसारित संवेदनशील खबर और सूचना विशेष पर नजर रखे। किसी भ्रामक, गलत अथवा संदेहास्पद सूचना के प्रकाशन पर त्वरित संज्ञान लेकर सम्बंधित विभाग अथवा शाखा से उसका तथ्यात्मक विवरण प्राप्त कर सही जानकारी एवं तथ्य सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किए जाएं।

गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति (डीएमसीएमसी) कार्यरत है। इस समिति में सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिले में कार्यरत केन्द्र सरकार के सूचना सेवा के अधिकारी, स्थानीय स्वतंत्र पत्रकार और सोशल मीडिया विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल हैं। जिला सूचना एवं जन सम्पर्क कार्यालय का प्रभारी अधिकारी इस समिति का सदस्य सचिव है. मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस समिति को अधिक सजग और सक्रिय रहकर मीडिया में प्रसारित चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी सूचनाओं की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा है कि जिला समिति स्थानीय स्तर पर प्रकाशित अथवा प्रसारित हुई फेक न्यूज तथा उसके विषय में की गई कार्यवाही के बारे में विभाग को तत्काल अवगत करवाएगी।

शिक्षा विभाग के लिए आय-व्ययक अनुदान की मांग के संबंध में तैयारी बैठक

विभाग की समस्याओं को मॉनिटर कर ज्वलंत मुद्दों का त्वरित निदान करें अधिकारी- कृष्ण कुणाल

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। स्कूल शासन सचिव कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में 16वीं विधानसभा के वर्तमान सत्र में स्कूल शिक्षा विभाग की वर्ष 2025-26 के लिए आय व्ययक अनुदान की मांगों को लेकर मंगलवार को बैठक हुई, जिसमें विधानसभा में पूछे गए प्रश्नों एवं संभावित प्रश्नों के अलावा प्रति उत्तर तैयार करने के निर्देश दिए गए। शासन सचिव ने संबंधित विभागों को सभी पेंडिंग प्रश्नों के उत्तर, प्रति उत्तर, विभागीय समीक्षा, उपलब्धियां, नवाचार, ब्लॉक/जिला/प्रदेश स्तरीय समस्याएं एवं

ज्वलंत मुद्दों पर जवाब तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान कृष्ण कुणाल ने सत्र में आए सभी प्रश्नों के संबंध में विस्तृत चर्चा की और पूरक सामग्री सहित संभावित प्रश्नों को श्रेणीवार तैयार करने के लिए भी निर्देशित किया।

आरटीई पर जोर देते हुए शासन सचिव ने प्रारंभिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं मिड डे मील, भाषा एवं पुस्कालय विभाग, राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल, आरएससीईआरटी, स्टेट ओपन स्कूल, बालिका शिक्षा फाउंडेशन, भारत स्काउंट एंड गाइड, हिंदुस्तान स्काउंट एंड गाइड सहित अन्य संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों को स्कूल या विभाग की समस्याओं का पता लगाने एवं उनके त्वरित समाधान करने और सभी सेक्शन को मॉनिटर करने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर मिड डे मील आयुक्त विश्व मोहन शर्मा, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अनुपमा जोरवाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, संयुक्त शासन सचिव मनीष गोयल, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक श्री सुरेश कुमार बुनकर सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

शहर को गन्दा करने वाले व्यक्तियों पर ग्रेटर निगम कर रहा है कारवाई

जनवरी से अब तक 32 लाख रूपये से अधिक जुर्माना किया वसूल

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगर निगम ग्रेटर की टीमें सतत् प्रयासरत हैं तथा शहर को गंदा करने वाले दोषी व्यक्तियों पर लगातार कारवाई कर रही हैं।

आयुक्त रूकमणी रियाड ने बताया कि 1 जनवरी 2025 से अब तक तक खुले में कचरा फेंकने, सीएनडी वेस्ट डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों, कचरा जलाने वालों सहित स्वच्छता के विभिन्न मापदण्डों का उल्लंघन करने वाले दोषी व्यक्तियों से नगर निगम ग्रेटर की टीमों द्वारा लगभग कुल 32 लाख 53 हजार रूपये अब तक वसूल किये जा चुके है।

उन्होंने बताया कि शहर की स्वच्छता हमारे लिए प्राथमिकता है, यदि कोई भी व्यक्ति शहर को गन्दा करता है, खुले में कचरा फैंकता है, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करता है स्वच्छता के मापदण्डों का उल्लघंन करता है तो दोषी व्यक्ति से कैरिंग चार्ज वसूल किया जायेगा। नगर निगम ग्रेटर की टीमें लगातार सफाई कार्य में जुटी है शहर को स्वच्छ रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न मापदण्डों का उल्लंघन करने वाले जैसे खुले में कचरा डालने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने समेत 1 हजार से अधिक लोगों से 5 लाख 73 हजार से अधिक जुर्माना वसूल किया वही खुले में कचरा जलाने वाले दोषियों से 67 हजार 300 रूपये, सीएनडी वेस्ट पर 5 लाख 60 हजार 401 रूपये, निर्माणधीन भवनों पर ग्रीन नेट नहीं लगाने वाले दोषियों से 70 हजार 600 रूपये, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले दोषियों से 2 लाख 55 हजार 600 रूपये जुर्माना राशि वसूल की गई।

जिला प्रशासन ने राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

रीट परीक्षा 27 व 28 को तीन पारियों में

24 से अधिक आरएएस एवं समकक्ष अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

233 परीक्षा केन्द्रों पर 11 हजार 500 से अधिक सरकारी वीक्षकों की लगाई गई ड्यूटी

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। जिला प्रशासन, जयपुर ने आगामी 27 फरवरी एवं 28 फरवरीको माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) के सफल आयोजन के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों एवं कार्मिकों को किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के हिदायत दी है। ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले अथवा परीक्षा से संबंधित कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी एवं कार्मिकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जयपुर के 233 परीक्षा केन्द्रों पर 2 लाख 70 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी पंजीकृत

जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) श्री गोपाल सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा में जयपुर शहर के 233 परीक्षा केन्द्रों पर तीन पारी में कुल 2 लाख 70 हजार 18 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। गुरुवार, 27 फरवरी को प्रथम पारी (प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक) में लेवल प्रथम (कक्षा 1 से 5) की परीक्षा आयोजित होगी जिसमें 87 हजार 413 उम्मीदवार पंजीकृत हैं। द्वितीय पारी में (दोपहर 3 बजे से सांय 5:30 बजे तक) लेवल द्वितीय (कक्षा 6 से 8) की परीक्षा का आयोजन होगा जिसमें 91 हजार 537 उम्मीदवार पंजीकृत हैं। वहीं, शुक्र वार 28 फरवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक लेवल द्वितीय (कक्षा 6 से 8) की परीक्षा आयोजित होगी जिसमें 91 हजार 68 उम्मीदवार पंजीकृत हैं।

24 से अधिक राजस्थान प्रशासनिक सेवा एवं समकक्ष अधिकारियों को जिम्मेदारी

अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) श्री गोपाल सिंह शेखावत ने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर राजस्थान प्रशासनिक सेवा एवं समकक्ष सेवा के 24 अधिकारियों को एरिया अधिकारी एवं राजस्थान तहसीलदार सेवा एवं समकक्ष सेवा के 48 अधिकारियों को जोनल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस प्रकार प्रत्येक 10 केन्द्रों पर एक एरिया अधिकारी एवं प्रत्येक 5 परीक्षा केन्द्रों पर एक जोनल अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

264 प्रश्न पत्र समन्वयक एवं 78 ओएमआर समन्वयक नियुक्ति

उन्होंने बताया कि 233 केन्द्राधीक्षकों एवं 274 अतिरिक्त केन्द्राधीक्षकों के अलावा 274 प्रश्न पत्र समन्वयकों एवं 78 ओएमआर समन्वयकों को नियुक्त किया गया है। परीक्षा केंद्रों पर 11 हजार 500 सरकारी वीक्षकों एवं 758 मंत्रालयिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

जिला कलेक्ट्रेट में हो रहा नियंत्रण कक्ष का संचालन

परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। नियंत्रण कक्ष का संचालन 28 फरवरी 2025 को परीक्षा समाप्ति पश्चात परीक्षा सामग्री जिले से रीट कार्यालय अजमेर के लिए रवाना होने तक निरंतर कार्य करेगा।

उन्होंने बताया कि जयपुर स्थित परीक्षा केन्द्रों के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 0141-2209910 एवं 0141-2209908 रहेगा। उक्त नियंत्रण कक्ष पर जयपुर में स्थापित किये गए परीक्षा केन्द्रों से संबंधित जानकारियां प्रदान की जाएंगी एवं जयपुर स्थित परीक्षा केन्दों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा। उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम राजेश जाखड़ (दूरभाष नंबर- 0141-2209008) को नियंत्रण कक्ष प्रभारी नियुक्त किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत राइसेम में कार्यशालाएं आयोजित

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 एवं 'सहकार से समृद्धि' अभियान के तहत राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंधन संस्थान (राइसेम) द्वारा 21 से 25 फरवरी तक विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। अरबन कॉपरेटिव बैंकों के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए सहकारिता अधिनियम एवं नियम, बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट एवं अन्य प्रावधानों पर ये कार्यशालाएं आयोजित की गईं। कार्यशालाओं में 'सहकार से समृद्धि' एवं सहकारिता में सहकार के सम्बन्ध में प्रकाश डाला गया। सहकारिता विभाग के अतिरिक्त रजिस्ट्रार (मानव संसाधन विकास) एवं निदेशक, राइसेम द्वारा सहकार से समृद्धि के 54 नवाचारों के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही, साइबर पॉलिसी एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी भी दी गई। कार्यशालाओं में राइसेम के अधिकारी-कर्मचारी भी सम्मिलित हुए।

पूर्व विधायक प्रभु लाल करसोलिया की मूर्ति का अनावरण - करवर में 6.92 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

हाड़ौती के विकास और आत्मनिर्भरता की यात्रा में हम सभी को सहभागी बनना होगा-बिड़ला

◆ जागरूक जनता नेटवर्क
www.jagrukjanta.net

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को बून्दी जिले के करवर में पूर्व विधायक प्रभुलाल करसोलिया की मूर्ति का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने 6.92 करोड़ रुपये की लागत से 95 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। बिरला ने स्व. करसोलिया के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज और देश की सेवा में समर्पित कर दिया। वे गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के लिए संघर्ष और जनसेवा का पर्याय थे। उनका जीवन दर्शाता है कि लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी छोटे गाँव से क्यों न हो, अपनी मेहनत और ईमानदारी से नेतृत्व की ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। बिरला ने कहा कि करसोलिया जी ने राजनीति को जनकल्याण का माध्यम बनाया। वे सदैव जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे। बिरला ने कहा कि करसोलिया ने संसाधनों की कमी के बावजूद जनता की सेवा को अपना सर्वोच्च कर्तव्य माना और अपने अंतिम समय तक इसी संकल्प के साथ कार्य करते रहे।

करवर और हाड़ौती के विकास को मिलेगी नई दिशा

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र के बुनियादी विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले वर्षों

में जिन कार्यों की उपेक्षा हुई, उन्हें अब तेज़ी से पूरा किया जा रहा है। करवर की 12 पंचायतों में 180 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य जारी है। उन गाँवों को भी सड़कों से जोड़ा जाएगा, जो वर्षों से विकास से वंचित थे। क्षेत्र में बिजली तंत्र को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से संचालित होगी और निकट भविष्य में किसानों को दिन में भी बिजली मिल सकेगी।

शिक्षा से ही जीवन स्तर में आएगा बदलाव

बिरला ने कहा कि सभी सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूलों, जहाँ विज्ञान विषय उपलब्ध हो, वहाँ 10 लाख रुपये की लागत से अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की जाएगी। आगामी दो वर्षों में विद्यालयों में कंप्यूटर लैब और इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे गाँवों के बच्चों को भी आधुनिक तकनीक से जुड़ने का अवसर मिलेगा। मिडिल स्कूलों में भी कंप्यूटर शिक्षा को लागू करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक में 60 लाख रुपये की लागत से महिला प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ महिलाएँ सिलाई, कढ़ाई और अन्य स्वरोजगार प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

कृषि क्षेत्र में सुधार से बढ़ेगी किसान उपज

बिरला ने कहा कि क्षेत्र के असिंचित इलाकों को सिंचाई सुविधा देने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। हर खेत तक पानी पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे किसानों को अपनी उपज बढ़ाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, क्षेत्र को ERCP (ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि जल समस्या का स्थायी समाधान हो।

करसोलिया जी के सपनों को साकार करने का संकल्प

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि करसोलिया जी का सपना था कि यह क्षेत्र आत्मनिर्भर और विकसित बने। आज उनकी स्मृति में किए जा रहे विकास कार्य इसी संकल्प का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर इस क्षेत्र को विकास के नए शिखर तक ले जाना है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे भी इस विकास यात्रा में सहभागी बनें और अपने गाँव, अपने क्षेत्र के उत्थान में योगदान दें। करसोलिया जी की मूर्ति सिर्फ एक प्रतिमा नहीं, बल्कि जनसेवा और संघर्ष की प्रेरणा है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव समाज सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि प्रभुलाल करसोलिया जी ने क्षेत्र का नेतृत्व किया और गाँव-गाँव में विकास की अलख जगाई। वे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों के माध्यम से हमेशा समाज के बीच सक्रि य रहे। उन्होंने सामूहिक विवाहों का आयोजन कर समाज हित में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। अपने इन प्रयासों के कारण वे हर परिवार के दिल में बसे हुए थे और हर घर में प्रिय थे।